खास बात

सिद्धान्त की बातें तो पुस्तकों से छाँटकर सभी वाद-विवाद में पटु हो जाते हैं; मगर कितने उन सिद्धान्तों पर चलते हैं।

- अज्ञेय

।।श्री हरि शरणम्।।

रायसेन से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

अमृत दर्शन

RNI No. MPHIN/2012/43555

वर्ष - 13 अंक - 163

रायसेन

गुरुवार, 11 दिसंबर 2025

● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 1 रुपया

Website : www.amritdarshan.com

रायसेन, नर्मदापुरम एवं भोपाल से प्रकाशित

संक्षिप्त समाचार

गृह मंत्री शाह की लिस्ट में आरिफ मसूद का नाम:वंदे मातरम् गाने से इनकार किया था

भोपाल। संसद के शीतकालीन सत्र में वंदे मातरम् पर घमासान जारी है। मंगलवार को केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राज्यसभा में वंदे मातरम् पर चर्चा के दौरान गीत पर आपत्ति दर्ज कराने वाले विपक्षी नेताओं की सूची सदन के पटल पर रखी। इस सूची में भोपाल मध्य से कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद का भी नाम शामिल है। सूची में नाम आने के बाद कांग्रेस विधायक मसूद ने कहा- मैंने विरोध नहीं किया। मैंने यह कहा कि मैं इसको नहीं गा पाऊंगा, तो गलत क्या कहा। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह द्वारा जारी की गई सूची में हाल की घटनाओं से लेकर पूर्व के मामलों का उल्लेख है। इसमें कांग्रेस सांसद इमरान मसूद, नेशनल कॉन्फ्रेंस के आगा सैयद, समाजवादी पार्टी के जियाउर्रहमान बर्क, भोपाल मध्य से कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद, कांग्रेस सांसद सिद्धारमैया और आरजेडी विधायक सऊद आलम का नाम शामिल है। कांग्रेस व अन्य विपक्षी दलों के जिन नेताओं ने अलग-अलग मौकों पर वंदे मातरम् गाने से इनकार किया या इसे लेकर आपत्ति दर्ज कराई।

82 लाख के इनामी 11 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

गढ़चिरौली। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में पुलिस को नक्सल विरोधी अभियान में बड़ी सफलता मिली है। इसके तहत 82 लाख के इनामी 11 नक्सलियों ने डीजीपी रश्मि शुक्ला के सामने आत्मसमर्पण किया। शुक्ला ने इसे नक्सलवाद के अंत की शुरुआत बताया और कहा कि 2026 तक नक्सलवाद खत्म करने के लक्ष्य की दिशा में यह बड़ा कदम है। महाराष्ट्र से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां सरकार द्वारा नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में महाराष्ट्र की गढ़चिरौली पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। इसके तहत गढ़चिरौली में बुधवार को 82 लाख के इनामी 11 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया है। ये सभी नक्सली ने महाराष्ट्र की पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) रश्मि शुक्ला के सामने आत्मसमर्पण किया है। इस दौरान वहां पर एडिशनल डीजी (स्पेशल ऑपरेशंस) चेहरिंग दोरजे, गढ़चिरौली रेंज के डीआईजी अंकित गोयल, एसपी नीलोत्पल और सीआरपीएफ के ऑपरेशंन डीआईजी भी मौजूद थे।

गोवा क्लब अग्निकांड : फरार अजय गुप्ता 4 दिन बाद दिल्ली से गिरफ्तार

पणजी । गोवा नाइट क्लब अग्निकांड मामले में गोवा पुलिस ने एक और आरोपी अजय गुप्ता को नई दिल्ली से हिरासत में लिया है। उसके खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी किया गया था। इससे पहले जब पुलिस उसकी तलाश में उसके घर पहुंची थी, वह वहां से फरार हो चुका था। पुलिस ने कोर्ट से गिरफ्तारी वारंट हासिल किया और मंगलवार को उसे पकड़ लिया। गौरतलब है कि 7 दिसंबर को गोवा के इस नाइट क्लब में फायर शो के दौरान भयंकर आग लग गई थी, जिसमें 25 लोगों की मौत हो गई। हादसे के बाद क्लब के मालिक गौरव लूथरा और सौरभ लूथरा देश छोड़कर थाईलैंड भाग गए।

अंतर्मना उवाच

ये चार बातें हमें जीने, जानने और समझने को मजबूर करती है-

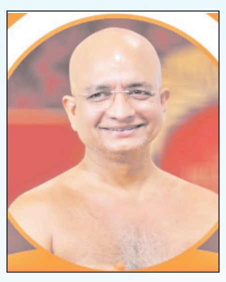

*(1) **भय** - आपको होश में जीने की प्रेरणा देता है।*

*(2) **जुनून** - आपसे वह कार्य करवाता है, जो आप नहीं कर सकते।*

*(3) **हौसला** - आपसे वह कार्य करवाता है, जो आप करना चाहते हैं।*

*(4) **अनुभव** - आपसे वह कार्य करवाता है, जो आपको करना चाहिए।*

***जीवन में थोड़ा भय तो होना ही चाहिए।** अन्यथा व्यक्ति उच्छंकर हो जायेगा।*

- ***भय** - पाप के फल का हो सकता है।*
- ***भय** - माता पिता की डाट का हो सकता है।*
- ***भय** - गलत कार्य करने में पकड़ने का हो सकता है।*
- ***मौत का भय** - जीवन जीना सिखा सकता है।*
- ***बिमारी का भय** - गलत खान पान से बचा सकता है।*
- ***गंदगी का भय** - स्वच्छ जीवन जीने की प्रेरणा दे सकता है।*
- ***दु:ख का भय** - आदमी को नेकी की राह दिखा सकता है।*

***इसलिए** - जो मनुष्य भय को समझकर उसे स्वीकार कर लेता है, वह भय के पाप से मुक्त होकर अभय और निर्भयता का जीवन जीना शुरू कर देता है।*

संसार में सन्त-परमहंस और पागल को भय नहीं होता। शेष हर व्यक्ति, हर इन्सान को और संसार के सभी प्राणीयों को भय रहता ही है और रहना भी चाहिए...!!!

■ **अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज**

मुख्यमंत्री आज ईवी फ्लैग-ऑफ कर ग्रीन लॉजिस्टिक्स कॉन्क्लेव-2025 का करेंगे शुभारंभ

कॉन्क्लेव में नीति, इंफ्रास्ट्रक्चर और टेक्नोलॉजी पर होगी चर्चा

भोपाल ■ विप्र

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव प्रदेश में हरित परिवहन को गति देने के लक्ष्य के साथ भोपाल में आयोजित किए जा रहे ग्रीन लॉजिस्टिक्स कॉन्क्लेव-2025 का शुभारंभ इलेक्ट्रिक वाहनों के फ्लैग-ऑफ से करेंगे। भारतीय उद्योग परिसंघ मध्यप्रदेश द्वारा उद्यमिता, हरित लॉजिस्टिक्स और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को प्रोत्साहित करने के लिए यह कॉन्क्लेव कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र में 11 दिसम्बर को किया जा रहा है।

राज्य शासन औद्योगिक विकास के साथ-साथ कार्बन उत्सर्जन में कमी और पर्यावरण संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का विज़न है कि राज्य स्मार्ट फ्रेट कॉरिडोर, ई-मोबिलिटी और उन्नत लॉजिस्टिक्स नेटवर्क के जरिए उद्योग और व्यापार के लिए सर्वश्रेष्ठ गंतव्य के रूप में उभरे। कॉन्क्लेव में नीति-निर्माताओं, उद्योग विशेषज्ञों और तकनीकी अग्रणी संस्थानों का महत्वपूर्ण संवाद होगा, जिसमें इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने में तेजी, चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के विस्तार और सस्टेनेबल लॉजिस्टिक्स के लिए प्रौद्योगिकी आधारित समाधान प्रस्तुत किए जाएंगे। यह अवसर उद्योग जगत को राज्य की नीति और प्रगतिशील उपायों से जुड़ने तथा भविष्य की संभावनाओं को समझने का मंच प्रदान करेगा।

यह कॉन्क्लेव राज्य में हरित परिवहन, स्मार्ट फ्रेट कॉरिडोर और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के विस्तार के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है, जिसमें नीति-निर्माताओं, उद्योग विशेषज्ञों और प्रमुख तकनीकी संस्थानों का एक साझा मंच तैयार होगा।

कार्यक्रम में मध्यप्रदेश में ई-मोबिलिटी और लॉजिस्टिक्स के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने के संबंध में प्रमुख सचिव, औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन, श्री राघवेन्द्र कुमार सिंह द्वारा राज्य की नीति, प्रोत्साहन और औद्योगिक संभावनाओं पर विचार साझा किए जाएंगे। शहरी परिवहन में क्लीन एनर्जी के एकीकरण तथा स्मार्ट मोबिलिटी समाधान पर आयुक्त नगरीय प्रशासन श्री संकेत भोंडवे संबोधित करेंगे। उद्योग के दृष्टिकोण को प्रस्तुत करते हुए ब्लू एनर्जी मोटर्स के सीईओ ईवी एवं न्यू एनर्जी बिजनेस श्री आनंद मिमानी, प्रोजेक्ट डायरेक्टर एनएचईवी श्री अभिजीत सिन्हा तथा ईज ऑफ डूइंग बिजनेस विशेषज्ञ श्री एम.एस. शंकर भारत में इलेक्ट्रिक ट्रांसपोर्ट और लॉजिस्टिक्स आधुनिकीकरण पर अपने अनुभव साझा करेंगे।

दो वर्षों में विभाग ने गति, गुणवत्ता, पारदर्शिता और तकनीकी नवाचार के नए आयाम स्थापित किए

हर सड़क, पुल, परियोजना-जनता के जीवन को सरल और सुरक्षित बनाने की हमारी संकल्पना : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की लोक निर्माण विभाग की समीक्षा

भोपाल ■ विप्र

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा है कि सड़कें केवल यातायात का माध्यम नहीं, बल्कि विकास, रोज़गार, स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच और सामाजिक-सांस्कृतिक प्रगति का आधार हैं। विभाग का उद्देश्य प्रत्येक निर्माण कार्य को सिर्फ एक तकनीकी परियोजना के रूप में नहीं, बल्कि जनता के जीवन स्तर को सुधारने वाले साधन के रूप में देखना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गुणवत्ता, पारदर्शिता और नवाचार के साथ प्रत्येक परियोजना को समयबद्ध तरीके से पूरा करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है, यही प्रयास 'लोक निर्माण से लोक कल्याण' की भावना को साकार करते हैं। यह निर्देश मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंत्रालय में लोक निर्माण विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान दिये।

भवन निर्माण में वास्तु-विज्ञान का ध्यान रखा जाये

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देश दिए कि शहरी विकास की इंटीग्रेटेड पॉलिसी के निर्माण में लोक निर्माण विभाग को भी शामिल किया जाये। उन्होंने कहा कि अधोसंरचना विकास में पर्यावरण समन्वय का विशेष ध्यान रखा जाये। सतत संवहनीय विकास के लिए सूरत के डायमंड पार्क की तर्ज में भवनों का निर्माण ग्रीन बिल्डिंग संकल्पना पर किया जाये। बिजली और पानी की बचत सुनिश्चित की जाये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भवन निर्माण में वास्तु-विज्ञान का ध्यान रखा जाये। ताकि सूर्य की रोशनी, हवा अन्य प्राकृतिक संसाधनों का उचित उपयोग सुनिश्चित हो और ऊर्जा की बचत की जा सके।

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने विभाग द्वारा 'लोक निर्माण से लोक कल्याण' की भावना को धरातल पर उतारने के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि प्रदेश की आधारभूत संरचना का विकास ही जनकल्याण का आधार है और विभाग ने इस दिशा में उल्लेखनीय कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि हर सड़क, हर पुल, हर परियोजना जनता के जीवन को सरल और सुरक्षित बनाने की हमारी संकल्पना का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देश दिए कि मेट्रोपॉलिटन एरिया और समीपवर्ती क्षेत्रों में राजमार्गों का घनत्व बढ़ायें। पूरे प्रदेश को समावेशित कर समग्र विकास पर कार्य करें। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही जबलपुर और ग्वालियर को भी मेट्रोपोलिटन क्षेत्र घोषित किया जाएगा। शहरी, ग्रामीण एवं औद्योगिक क्षेत्रों सभी को अधोसंरचना विकास का लाभ प्राप्त हो इस आधार पर प्रस्ताव की परिकल्पना की जाये। उन्होंने कहा कि राजमार्गों का घनत्व राष्ट्रीय स्तर के समीप ले जाने के लिए विज़न डॉक्यूमेंट के आधार पर प्रस्ताव तैयार करें। प्रस्ताव में स्थानीय मांगों और सुझावों को यथोचित स्थान दिया जाये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अपर मुख्य सचिव क्षेत्रों के समग्र विकास अनुसार कार्ययोजना का निर्धारण करें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि एक्सप्रेस-वे आधुनिक समय की मांग है। इन अधोसंरचनाओं के विकास में ग्रामीण क्षेत्र की सुविधाओं का ध्यान रखा जाये। आवश्यकतानुसार फ्लाई-ओवर, अंडर-पास, सर्विस लेन को प्रस्ताव में शामिल करें। बैठक में बताया गया कि सिंहस्थ-2028 के कार्य प्राथमिकता से किए जा रहे हैं।

लोकसभा में चुनाव सुधारों पर बोले शाह

वोट चोरी की तीन घटनाएं बताईं, नेहरु का पीएम बनना पहली घटना

नईदिल्ली ■ एजेंसी

लोकसभा में चुनाव सुधारों पर चर्चा के दौरान गृह मंत्री अमित शाह ने राहुल गांधी के वोट चोरी के आरोप पर कांग्रेस पर आरोप लगाए हैं। संसद में चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाने वाले विपक्ष को अमित शाह ने बुधवार को इतिहास के आईने में झांकने की नसीहत दे डाली। सरकार पर लग रहे 'वोट चोरी' के आरोपों का जवाब देते हुए गृह मंत्री ने बहस का रुख 1947 के उस दौर की ओर मोड़ दिया, जब कांग्रेस के भीतर प्रधानमंत्री पद के चुनाव में 28 प्रांतीय अध्यक्षों ने सरदार पटेल को चुना था, मगर सत्ता का हस्तांतरण पंडित नेहरू के पक्ष में हुआ। शाह ने इसे देश में हुई पहली वोट चोरी करार दिया। आगे गृह मंत्री ने इंदिरा गांधी-राजनारायण और सोनिया गांधी से जुड़े मामलों का जिक्र किया।

पहली घटना: अमित शाह ने कहा कि वोट चोरी की तीन घटनाएं बताना चाहता हूं। शाह बोले, 'जब आजादी के बाद प्रधानमंत्री पद के लिए वोटिंग चल रही थी, तब सरदार पटेल को 28 वोट मिले और जवाहरलाल नेहरू को दो वोट। लेकिन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू बन गए। यह भी अपने आप में एक तरह की वोट चोरी थी।'

दूसरी घटना: वोट चोरी की दूसरी घटना का जिक्र करते हुए अमित शाह ने इंदिरा गांधी के दौर का जिक्र किया। उन्होंने कहा, 'इंदिरा गांधी रायबरेली से चुनी गईं। इसके विरोध में हाईकोर्ट में राजनारायण जी पहुंचे। इलाहबाद हाईकोर्ट ने तय कर दिया कि इंदिरा गांधी ने उचित तरीके से चुनाव नहीं जीता। ये भी वोट चोरी थी।

तीसरी घटना में सोनिया का जिक्र: श्रीमती गांधी ने अपने आप को इम्युनिटी दी। फिर जब संवैधानिक सुधार का वायरस चढ़ा तो उन्होंने दो, तीन, चार नंबर के जज को बायपास करते हुए जज को सुपरसीड कर लिया और चीफ जस्टिस बता दिया। यह इतिहास तो रिकॉर्ड पर है। योग्यता नहीं लेकिन मतदाता बन गए। अभी अभी एक वाद पहुंचा है दिल्ली की सिविल अदालत में कि सोनिया गांधी इस देश की नागरिक बनने से पहले मतदाता बनीं।

छात्राओं की सुरक्षा, कौशल और रोजगार के लिए उच्च शिक्षा विभाग की नई पहल

भोपाल ■ विप्र

मध्यप्रदेश की उच्च शिक्षा प्रणाली में नवाचार, समानता और छात्राओं के सशक्तिकरण को केंद्र में रखते हुए उच्च शिक्षा विभाग मध्यप्रदेश और द यूनाइटेड नेशन्स एंटिटी फ़ॉर जेंडर इक्वालिटी ऐंड द एम्पावरमेंट ऑफ़ वुमेन के बीच एक महत्वपूर्ण एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। यह एमओयू न केवल शैक्षणिक क्षेत्र में बल्कि सामाजिक दृष्टिकोण, तकनीकी दक्षता और रोजगार सृजन के व्यापक आयामों में परिवर्तन लाने की दिशा में एक निर्णायक कदम होगा, बल्कि इसके माध्यम से कॉलेजों को अधिक आधुनिक, सुरक्षित और जेंडर-संवेदी बनाने की दिशा में ठोस सुधार उपाय किए जाएंगे, जो भविष्य की नीतियों के लिए भी मॉडल साबित होंगे। इस साझेदारी का उद्देश्य राज्य की लाखों छात्राओं के लिए सुरक्षित, प्रोत्साहनपूर्ण और भविष्य की नौकरियों के अनुरूप वातावरण तैयार करना है। समझौते में कई ऐसे प्रावधान किये गए हैं जो सीधे तौर पर छात्राओं की सुरक्षा, शिक्षा, व्यक्तित्व विकास और रोजगार सुनिश्चित करने में मदद करेंगे।

सरपंचों और महिला समूहों को अलग- अलग चरण में सम्मानित करेगी प्रदेश सरकार

भोपाल ■ विप्र

जल जीवन मिशन की समीक्षा बैठक के दौरान सीएम मोहन यादव ने विभागीय अधिकारियों को बड़ा आदेश दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जल जीवन मिशन में उत्कृष्ट कार्य करने वाले सरपंचों और महिला समूहों को राज्य, संभाग, जिला और ग्राम स्तर पर सम्मानित किया जाए। विगत 10 वर्षों में जिन ग्रामों को जल संकट का सामना करना पड़ा है, उनकी रिपोर्ट तैयार कर उन क्षेत्रों में जल प्रदाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि जल की उपलब्धता के अनुसार जल वितरण का समय तय किया जाए, जिससे नियमित आपूर्ति सुनिश्चित हो सके। मिशन के प्रभाव का विश्लेषण अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान के माध्यम से कराए जाने की बात भी कही। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गाँव के ऐसे ट्यूबवेल की सूची बनवाएं, जिनमें हमेशा पानी रहता हो और ट्यूबवेल मालिक सेवाभावी हों। जरूरत पड़ने पर इनके ट्यूबवेल से पानी की आपूर्ति कराने का प्रयास करें।

जल जीवन मिशन के तहत प्रदेश में 80 लाख से अधिक ग्रामीण परिवारों को नल जल कनेक्शन उपलब्ध कराए गए हैं और मिशन की कुल प्रगति 72.54 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2024-25 में 8.19 लाख कनेक्शन का लक्ष्य शत-प्रतिशत पूरा किया गया है और वर्ष 2025-26 में अब तक 5.50 लाख कनेक्शन प्रदान किए जा चुके हैं।

बम निरोधक दस्ते का वाहन ट्रक से टकराया, 4 जवानों की मौत

सागर ■ निसं

मध्य प्रदेश के सागर में एक बहुत ही दर्दनाक हादसा हुआ है। जहां एक बीडीएस (बम निरोधक दस्ते) के जवान सड़क हादसे की चपेट में आ गए। इस हादसे में 4 जवानों की मौत की खबर सामने आ रही है वहीं इसमें 1 जवान गंभीर रूप से घायल हो गया। सभी जवान ड्यूटी खत्म करके घर लौट रहे थे, तभी रास्ते में उनका वाहन दुर्घटना का शिकार हो गया। यह हादसा सागर के नेशनल हाइवे 44 पर बांदरी मालथौन में हुआ। पांचों जवान मुरैना से लौट रहे थे, तभी सुबह के लगभग 4 बजे यह हादसा हो गया। जवानों का वाहन सामने आ रही एक ट्रक से टकरा गया। हालांकि, हादसे की वजह अभी तक सामने नहीं आई है। पुलिस इस पूरे मामले की जांच कर रही है।

मृतकों की पहचान प्रधुमन दीक्षित, अमन कौरव और चालक परमलाल तोमर के रूप में हुई है। तीनों मुरैना के रहने वाले हैं। वहीं, भिंड के डांग मास्टर विनोद शर्मा की भी मृत्यु हो गई है। इसके अलावा मुरैना के आरक्षक राजवीन चौहान दुर्घटना में घायल हो गए हैं, जिनका बंसल अस्पताल में इलाज चल रहा है। वहीं, पुलिस के वाहन में एक डॉग भी था, जो बिल्कुल सही सलामत है

केन्द्रीय चुनाव आयोग का सभी राज्यों को निर्देश

अनुपस्थित और मृत मतदाताओं की सूची राजनीतिक दलों को सौंपी जाएगी

नईदिल्ली ■ एजेंसी

चुनाव आयोग ने बुधवार को सभी 12 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में चल रही एसआईआर प्रक्रिया के तहत एक अहम निर्देश जारी किया। आयोग ने संबंधित राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को आदेश दिया है कि वे बूथ स्तर पर तैयार होने वाली अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत या दोहराए गए मतदाताओं (एएसडी) की सूची राजनीतिक दलों के बूथ स्तर एजेंटों के साथ साझा करें। यह वही प्रक्रिया है, जिसे बिहार में विशेष सुधार अभियान के दौरान सफलतापूर्वक अपनाया गया था।

आयोग ने कहा कि बूथ स्तरीय अधिकारियों द्वारा तीन या उससे अधिक बार घर जाकर संपर्क करने के बाद भी जिन मतदाताओं से संपर्क नहीं हो पाया, उन्हें एएसडी श्रेणी में रखा गया है। अब इन मतदाताओं की स्थिति की पुष्टि करना जरूरी है, ताकि मतदाता सूची के प्रकाशन से पहले गलतियों को ठीक किया जा सके। इसके लिए प्रत्येक बूथ पर बूथ स्तरीय अधिकारी, राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त बूथ स्तरीय एजेंटों से मुलाकात करेंगे और उन्हें पूरी एएसडी सूची सौंपी जाएगी।

चुनाव आयोग के अनुसार, इन 12 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में लगभग 5 लाख बूथ स्तर अधिकारी और 12 लाख से अधिक बूथ स्तर एजेंट मिलकर बूथवार बैठकों में भाग लेंगे। आयोग का कहना है कि इस प्रक्रिया का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी योग्य मतदाता सूची से बाहर न रह जाए और हर त्रुटि समय रहते सुधार ली जाए।

चुनाव आयोग ने यह भी स्पष्ट किया है कि सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में बूथवार, विधानसभा वार और जिला वार एएसडी सूची संबंधित जिलाधिकारियों तथा मुख्य निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट पर उपलब्ध कराई जाएगी। यह लिस्ट पहचान पत्र संख्या के आधार पर खोजे जाने योग्य रूप में भी उपलब्ध होगी। बिहार में अपनाई गई इसी व्यवस्था को अब देश के अन्य राज्यों में भी लागू किया जा रहा है। आयोग का कहना है कि पारदर्शिता बढ़ाने और मतदाता सूची को अधिक सटीक बनाने के लिए यह कदम महत्वपूर्ण है। इससे राजनीतिक दलों को भी वास्तविक स्थिति का पता चलेगा और वे मतदाता सूची से जुड़े कार्यों में सक्रिय रूप से भाग ले सकेंगे।

ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर नहर में गिरा

तीन किसानों की मौत; यूपी से धान बेचकर आ रहे थे मृतक

भिण्ड। टूटी पुलिया और अंधेरे की वजह से धान बेचकर आ रहे किसान हादसे का शिकार हो गए। ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर पलटने से तीन किसानों की मौत हो गई है। यह सड़क हादसा लहार थाना क्षेत्र का है। मृतक किसान यूपी से धान बेचकर आ रहे थे।

भिंड जिले के लहार थाना क्षेत्र में मंगलवार देर रात एक दर्दनाक हादसा हो गया। नानपुरा गांव के पास टूटी हुई पुलिया से गुजरते समय ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर नहर में गिर गया। इस हादसे में ट्रैक्टर के नीचे दबने से 3 किसानों की मौके पर ही मौत हो गई। ये तीनों यूपी से अपनी धान की फसल बेचकर लौट रहे थे। सूचना मिलने पर पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से शवों को बाहर निकलवाया और हॉस्पिटल भिजवाया।

गुजरते वक्त अंधेरे में ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया

मृतकों की पहचान रावतपुरा सानी गांव निवासी झींगुरी सिंह राजपूत, बलवीर सिंह राजपूत और शिब्बू उर्फ शिवेंद्र सिंह राजपूत के रूप में हुई है। ये तीनों धान बेचने के लिए यूपी गए थे। मंगलवार देर शाम वे वापस लौट रहे थे। रात करीब 12 बजे नानपुरा गांव के पास टूटी पुलिया से गुजरते वक्त अंधेरे में ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर सीधे नहर में पलट गया।

संक्षिप्त समाचार

मलेरिया, डेंगू और चिकनगुनिया से बचाव के लिए एडवाइजरी

सीहोर। स्वास्थ्य विभाग द्वारा मलेरिया, डेंगू एवं चिकनगुनिया जैसी बीमारियों से बचाव के लिए एडवाइजरी जारी की गई है। जारी एडवाइजरी अनुसार कंपकंपी के साथ तेज बुखार, सिरदर्द, उल्टी होना, बेचैनी, कमजोरी, सुस्ती, मितली, ठंड, तपन महसूस होना आदि मलेरिया के लक्षण हो सकते हैं। जिला मलेरिया अधिकारी ने बताया कि मलेरिया से बचाव के मच्छरदानी का उपयोग करें औरखिड़कियों एवं दरवाजों पर जाली लगायें। हल्के रंग के कपड़े पहने एवं हाथ पैरों को पूरा ढकें। हर सप्ताह कूलर, टंकी और बैरल के पानी को बदलें। आस पास पानी को जमा न होने दें। इसके साथ ही तेज बुखार, उल्टी तथा शरीर में दर्द होने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। डेंगू फैलाने वाला मच्छर रुके हुए साफ पानी में पनपता है। कूलर, टंकी, पक्षियों के पीने के पानी का बर्तन, फ्रीज की ट्रे, फूलदान, नारियल का खोल, टूटे हुए बर्तन व टायर इत्यादिमेंको ढक कर रखें तथा अधिक दिनों तक यहां पानी जमा न रहने दें।

प्रभातफेरी को लेकर पुलिस ने जारी किया ट्रैफिक प्लान

इंदौर। आगामी 12 दिसंबर को इंदौर के रणजीत हनुमान मंदिर से विशाल प्रभातफेरी निकाली जाएगी। प्रभातफेरी को लेकर ट्रैफिक पुलिस ने ट्रैफिक प्लान तैयार किया है। जिसके चलते कई जगह रास्तों को डायवर्ट किया गया है। इसके साथ ही सुबह 3 बजे से रास्ते भी बंद कर दिए जाएंगे। 12 दिसंबर की सुबह 5 बजे रणजीत हनुमान मंदिर से रणजीत बाबा की प्रभातफेरी शुरू होकर द्रविण नगर चौराहा, महूनाका, महूनाका से दशहरा मैदान से होते हुए अन्नपूर्णा मंदिर, यहां से नरेंद्र तिवारी मार्ग से होते हुए वापस मंदिर परिसर पर आकर समाप्त होगी। यह करीब चार से साढ़े चार किमी का रास्ता है। करीब 7 घंटे का समय प्रभातफेरी को ये रास्ता तय करने में लगेगा।

उज्जैन में शिप्रा नदी में डूब रहे मां-बेटे को बचाया

उज्जैन। शिप्रा नदी में नहाते समय एक महिला और उसका दो वर्षीय बेटा गहरे पानी में डूबने लगे। घाट पर मौजूद होमगार्ड सैनिक ने तुरंत नदी में छलांग लगाकर दोनों को सुरक्षित बाहर निकाला। यह परिवार महाराष्ट्र से महाकाल दर्शन के बाद शिप्रा नदी पर स्नान के लिए पहुंचा था। यह घटना बुधवार सुबह रामघाट के आरती स्थल पर हुई। महाराष्ट्र से आए श्रद्धालु परिवार के सदस्य नदी में स्नान कर रहे थे। इसी दौरान गहराई का अंदाजा न होने के कारण महिला और उसका दो वर्षीय पुत्र डुग्गू डूबने लगे। परिवारजनों की चीख-पुकार सुनकर घाट पर ड्यूटी पर तैनात होमगार्ड सैनिक आशीष चौहान ने बिना समय गंवाए तुरंत नदी में छलांग लगा दी। उन्होंने बच्चे और उसकी मां को सुरक्षित बचाकर नदी से बाहर निकाल लिया। जवान की सतर्कता और त्वरित निर्णय से एक मासूम की जान बचाई जा सकी। इस साहसिक कार्य में सैनिक सन्नी परमार, सैनिक ईश्वर चौधरी और सुरेश सोलंकी ने भी मदद की।

ई-अटेंडेंस को लेकर दायर याचिका वापस

कोर्ट ने कहा-फ्रेश पिटिशन दायर करें, आज होगी सुनवाई, हमारे शिक्षक ई-ऐप को दी थी चुनौती

जबलपुर ■ निसं

मप्र के सरकारी स्कूलों में पदस्थ शिक्षकों ने ई-अटेंडेंस की अनिवार्यता को लेकर जबलपुर हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी, जिसे आज वापस ले लिया गया है। कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं को फ्रेश पिटिशन दायर करने को कहा है। जिसे याचिकाकर्ता नए तथ्यों के साथ गुरुवार को कोर्ट के समक्ष पेश करेंगे और फिर सुनवाई होगी।

प्रदेश के 27 शिक्षकों ने इस ऐप को चुनौती दी थी। उनका कहना था कि ऐप सुरक्षित नहीं है। इससे डेटा लीक होने और साइबर फ्रॉड की घटनाएं सामने आई हैं। जस्टिस एमएस भट्टी की एकलपीठ ने बुधवार को सुनवाई के दौरान कहा कि वर्तमान याचिका में कई बिंदु व्यापक और असंबद्ध रूप से रखे गए हैं, इसलिए नई याचिका में तथ्यों को स्पष्ट और व्यवस्थित रूप से प्रस्तुत किया जाए।

कोर्ट ने कहा नई फाइलिंग जरूरी: कोर्ट ने यह भी कहा कि जिन नियमों का हवाला दिया जा रहा है, उन्हें फ्रेश पिटिशन में ही परीक्षण के लिए शामिल किया जा सकेगा। पहले वाली याचिका के आधारों पर अन्य मामलों में फैसला हो चुका है, इसलिए नई फाइलिंग आवश्यक है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि नियमों की पूरी तरह जांच कर निर्णय लिया जाएगा।

साइबर फ्रॉड की शिकायतें: शिक्षकों ने कोर्ट को यह भी बताया था कि प्रदेश में 5-6 शिक्षकों के खातों से रुपए निकाल लिए गए और उनकी निजी जानकारी लीक हुई। कई जिलों के शिक्षा अधिकारियों ने इसकी शिकायत करते हुए पत्र भी लिखे। लोक शिक्षण संचालनालय ने इन शिकायतों को स्वीकार करते हुए माना कि कुछ शिक्षकों के साथ फ्रॉड की घटनाएं हुई हैं और अधिकारियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं।

निजी संस्था चला रही ऐप

जबलपुर के शिक्षक मुकेश सिंह बरकड़े सहित विभिन्न जिलों के 27 शिक्षकों ने ई-अटेंडेंस के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि 'हमारे शिक्षक' ऐप से प्रतिदिन उपस्थिति दर्ज कराने में गंभीर तकनीकी और व्यावहारिक कठिनाइयां आ रही हैं। याचिकाकर्ताओं के वकील अंशुमान सिंह ने कोर्ट को बताया था कि सरकार यह ऐप एक निजी संस्था से चलवा रही है और वही संस्था शिक्षकों का डेटा कलेक्ट कर रही है। केंद्र सरकार के निजी डेटा कलेक्शन नियम इस पर लागू होते हैं, पर ऐप में सुरक्षा व्यवस्था पर्याप्त नहीं है।

सरकार ने कहा-ऐप के लिए डेटा सेफ्टी सर्टिफिकेट लिया

राज्य सरकार ने कोर्ट में कहा था कि ई-अटेंडेंस सिस्टम पहले भी सही साबित किया गया है। सरकार का कहना है कि ऐप के लिए डेटा सेफ्टी सर्टिफिकेट लिया गया है और न तो सर्वर की समस्या है, न नेटवर्क की। वहीं शिक्षकों ने अपने हलफनामे में कहा कि ऐप में तकनीकी खराबी, नेटवर्क एरर और सर्वर डाउन जैसी समस्याएं लगातार बनी रहती हैं।

पुणे-सांगानेर-पुणे स्पेशल ट्रेन 03 ट्रिप के लिए संचालित

पश्चिम मध्य रेल के भवानीमंडी, रामगंजमंडी, कोटा और सवाई माधोपुर स्टेशनों से होकर गुजरेगी

जबलपुर ■ निसं

यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे प्रशासन द्वारा गाड़ी संख्या 01405/01406 पुणे-सांगानेर-पुणे साप्ताहिक सुपरफास्ट के बीच स्पेशल ट्रेन के 3 फेरे संचालित किए जा रहे हैं। यह स्पेशल ट्रेन पश्चिम मध्य रेल के भवानीमंडी, रामगंजमंडी, कोटा एवं सवाई माधोपुर स्टेशनों से होकर गुजरेगी।

गाड़ी संख्या 01405 पुणे-सांगानेर स्पेशल ट्रेन दिनांक 19, 26 दिसंबर एवं 02 जनवरी को प्रत्येक शुक्रवार 09.45 बजे पुणे से प्रस्थान कर भवानीमंडी 01.03/01.05, रामगंजमंडी 01.28/01.30, कोटा 02.45/02.50 एवं सवाई माधोपुर 04.45/05.05 होते हुए शनिवार 06.45 बजे सांगानेर पहुँचेगी।

इसी प्रकार गाड़ी संख्या 01406 सांगानेर-पुणे स्पेशल ट्रेन दिनांक 20, 27 दिसंबर तथा 03 जनवरी को प्रत्येक शनिवार 11.35 बजे सांगानेर से रवाना होकर सवाई माधोपुर 13.40/14.00, कोटा 15.10/15.20, रामगंजमंडी 16.18/16.20 एवं भवानीमंडी 16.43/16.45 होते हुए रविवार 09.30 बजे पुणे पहुँचेगी।

इस स्पेशल ट्रेन में 04 वातानुकूलित तृतीय श्रेणी, 08 शयनयान श्रेणी तथा 04 सामान्य श्रेणी के डिब्बों सहित कुल 18 कोच सम्मिलित होंगे।

यह गाड़ी मार्ग में पुणे जंक्शन, कल्याण जंक्शन, भिवंडी रोड, वसई रोड, पालघर, वापी, वलसाड, सूरत, अंकलेश्वर जंक्शन, वडोदरा जंक्शन, रतलाम जंक्शन, भवानीमंडी, रामगंजमंडी, कोटा जंक्शन, सवाई माधोपुर एवं सांगानेर स्टेशनों पर ठहरेगी।

इस स्पेशल ट्रेन के ठहराव, समय एवं संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

फूड पॉइजनिंग पीड़ितों से मिले प्रभारी मंत्री

डॉक्टरों को बेहतर उपचार देने के निर्देश दिए, साथ ही शहर के विकास के मुद्दों पर की बैठक

ग्वालियर ■ निसं

ग्वालियर के प्रभारी मंत्री तुलसीराम सिलावट दो दिवसीय दौरे पर बुधवार को शहर पहुंचे। ग्वालियर पहुंचते ही वे सबसे पहले जयारोग्य अस्पताल पहुंचे, जहां खजुराहो के गौतम रिसॉर्ट में फूड पॉइजनिंग से बीमार हुए मरीजों का इलाज चल रहा है।

मंत्री सिलावट ने मरीजों और उनके परिजनों से बातचीत कर उनका हाल जाना और डॉक्टरों से इलाज की जानकारी ली। उन्होंने डॉक्टरों को मरीजों को बेहतर उपचार देने के निर्देश दिए। इसके बाद प्रभारी मंत्री ग्वालियर व्यापार मेला ग्राउंड पहुंचे, जहां उन्होंने 25 दिसंबर से 25 फरवरी के बीच होने वाले मेला की तैयारियों का निरीक्षण किया। अधिकारियों से चर्चा कर उन्होंने उद्घाटन से पहले सभी आवश्यक तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए।

इंडिगो की फ्लाइट हुई लेट, देरी से हो रही बैठक: बुधवार दोपहर को साढ़े तीन बजे कलेक्ट्रेट में शहर के विकास कार्यों की समीक्षा बैठक प्रस्तावित थी, जिसमें केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को भी शामिल होना था। हालांकि दिल्ली से आने वाली इंडिगो की फ्लाइट लगभग एक घंटे देरी से ग्वालियर पहुंची, जिससे बैठक भी देरी से शुरू हुई।

बैठक में इन विकास कार्यों की होनी है समीक्षा: बैठक में शहर की सड़कों की मरम्मत, ड्रेनेज और सीवर समस्याओं, चंबल से पानी लाने की योजना, छापाखाना स्थित इंडस्ट्रियल म्यूजियम, एलिवेटेड रोड, अंबेडकर पार्क, पश्चिम बायपास, आईएसबीटी संचालन, रेलवे स्टेशन पुनर्विकास और कानून व्यवस्था जैसे मुद्दों की समीक्षा की गई।

सागर में चाकू दिखाकर लूट, एक आरोपी गिरफ्तार

सागर। सागर की मोतीनगर थाना पुलिस ने मंगलवार को लूट के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। 8 दिसंबर को मीरा हॉस्पिटल के पास स्थित एक ऑनलाइन शॉप पर चाकू दिखाकर 10 हजार रुपए की लूट हुई थी। पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी निशांत यादव (21) को पकड़ा है। पूछताछ में उसने जुर्म कबूल कर लिया। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल स्कूटी भी जब्त की है, जिसकी कीमत 50 हजार रुपए बताई गई है। पुलिस के अनुसार, विवेकानंद वार्ड निवासी नीलेश साहू ने अपनी पत्नी के साथ थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि मीरा हॉस्पिटल के पास उनकी ऑनलाइन सामान की दुकान है। 8 दिसंबर की दोपहर करीब 12.30 बजे चार युवक- यश सोनी, निशांत यादव, अजय पटेल और प्रशांत पटेल दुकान पर आए। उन्होंने चाकू दिखाकर धमकाना शुरू कर दिया। चाकू देख नीलेश डरकर दुकान के अंदर चले गए। इसी बीच आरोपी यश सोनी काउंटर पर रखे 10 हजार रुपए लेकर भाग निकला।

कमिश्नर डॉ. खाड़े ने तहसील एवं एसडीएम कार्यालय खंडवा का निरीक्षण किया

खंडवा ■ निसं

सम्भागायुक्त इन्दौर सम्भाग डॉ. सुदाम खाड़े ने बुधवार को एसडीएम कार्यालय खण्डवा का निरीक्षण किया। उन्होंने एसडीएम श्री ऋषि कुमार सिंघई को राजस्व न्यायालय में लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने एसडीएम कार्यालय के निरीक्षण के दौरान भू-अर्जन एवं डायवर्सन से सम्बंधित जानकारी भी ली।

कमिश्नर डॉ. खाड़े ने तहसील न्यायालय का भी निरीक्षण किया। उन्होंने तहसीलदार से नामांतरण, बंटवारे और सीमांकन के लंबित मामलों के सम्बंध में जानकारी ली, और निर्देश दिए कि नामांतरण, बंटवारे और सीमांकन के लंबित मामलों का शासन द्वारा निर्धारित समय सीमा में निराकरण करें। उन्होंने निर्देश दिए कि जाति प्रमाण-पत्र के लिए लंबित आवेदनों का भी निर्धारित समय सीमा में निराकरण किया जाए। इस दौरान कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता भी मौजूद थे।

एलटीटी-बनारस एक्सप्रेस पर बच्चों ने फेंका पत्थर, कांच टूटा

बच्चों की शरारत, कोई घायल नहीं, जीआरपीएफ ने दी परिजनों को चेतावनी

जबलपुर ■ निसं

जबलपुर और आधारताल के बीच गाड़ी संख्या 12167 एलटीटी-बनारस एक्सप्रेस पर पत्थरबाजी की घटना मंगलवार दोपहर को हुई। जबलपुर मुख्य रेलवे स्टेशन से रवाना हुई इस ट्रेन के स्लीपर कोच के गेट का कांच टूट गया। हालांकि, इस घटना में कोई यात्री घायल नहीं हुआ।

घटना की सूचना मिलते ही जीआरपीएफ थाना प्रभारी राजीव खर्ब के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। जांच में पता चला कि रेलवे पटरी के किनारे खेल रहे बच्चों ने अनजाने में ट्रेन पर पत्थर फेंक दिए थे।

पुलिस ने बच्चों और उनके परिजनों को बुलाकर सख्त हिदायत दी। उन्हें चेतावनी दी गई कि भविष्य में ऐसी घटना दोबारा होने पर रेलवे अधिनियम के तहत कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

घटना के बाद रेलवे कंट्रोल रूम को अलर्ट किया गया। कंट्रोल रूम की टीम ने ट्रेन में सवार यात्री अजीत यादव से मोबाइल पर बात कर स्थिति की जानकारी ली। यादव ने पुष्टि की कि किसी भी यात्री को चोट नहीं आई है, हालांकि स्लीपर कोच के गेट का कांच क्षतिग्रस्त हो गया है।

रेलवे और जीआरपी अधिकारियों ने यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताया है। उन्होंने कहा कि ऐसे संवेदनशील स्थानों पर निगरानी बढ़ाई जाएगी ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

पंचायत उपचुनाव से पहले प्रशासन सख्त

सोशल मीडिया मॉनिटरिंग, हथियार लाइसेंस निलंबित

सीहोर ■ निसं

सीहोर में होने वाले पंचायत उप निर्वाचन को शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन एक्शन में आ गया है। कलेक्टर बालागुरू के. ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर भड़काऊ कंटेंट के प्रसार को रोकने के लिए प्रतिबंधात्मक आदेश जारी कर दिया है। इसके साथ ही निर्वाचन अवधि के दौरान हथियार लाइसेंस भी निलंबित कर दिए गए हैं।

कलेक्टर ने आदेश में स्पष्ट कहा है कि चुनावी माहौल में सोशल मीडिया का दुरुपयोग कर कुछ लोग साम्प्रदायिक या जातिगत तनाव भड़काने की कोशिश कर सकते हैं। इसलिए व्हाट्सऐप, फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम आदि पर कोई भी व्यक्ति उकसाने वाले संदेश, फोटो, वीडियो या पोस्ट न तो डालेगा, न शेयर करेगा, न लाइक करेगा। ऐसा करना भी उल्लंघन माना जाएगा।

ग्रुप एडमिनों की जिम्मेदारी बढ़ी: हर सोशल मीडिया ग्रुप के एडमिन को यह ध्यान रखना होगा कि उनके ग्रुप में भड़काऊ या विवादित सामग्री न फैले। यदि ऐसा कोई मामला सामने आता है तो कानूनी कार्रवाई सीधे संबंधित व्यक्ति पर की जाएगी।

चुनाव तक हथियार लाइसेंस सस्पेंड: उपचुनाव के दौरान शांति बनाए रखने के लिए चयनित पंचायतों में आग्नेयास्त्रों के लाइसेंस 5 जनवरी 2026 तक निलंबित रहेंगे।हालांकि, यह आदेश पुलिस, सरकारी सेवाओं में कार्यरत या बैंक और सुरक्षा संस्थानों में तैनात लाइसेंसधारियों पर लागू नहीं होगा।

पीएमश्री स्कूल अपने क्षेत्र के स्कूलों का कर रहे हैं नेतृत्व

प्रदेश के 799 पीएमश्री स्कूलों में 4.80 लाख विद्यार्थियों को मिली अध्ययन की सुविधा

सीहोर ■ निसं

प्रदेश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति वर्ष-2020 के अनुरूप 799 स्कूलों को पीएमश्री विद्यालय के रूप में संचालित किया जा रहा है। इन पीएमश्री विद्यालयों में 4 लाख 80 हजार विद्यार्थी अध्ययन कर रहे हैं। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा पीएमश्री स्कूलों में स्मार्ट कक्षाएँ, लाइब्रेरी, खेल उपकरण और कला कक्ष जैसी बुनियादी सुविधाएं विकसित कराकर इनको आधुनिक रूप दिया गया है। ये पीएमश्री स्कूल अपने क्षेत्र के अन्य स्कूलों की शिक्षा गुणवत्ता सुधार के लिये नेतृत्व कर रहे हैं।

व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास: पीएमश्री स्कूलों में अध्ययन करने वाले छात्रों को व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास में दक्ष किया जा रहा है। उन्हें करियर काउंसलिंग से भविष्य में रोजगार के अवसरों की जानकारी दी जा रही है। शैक्षणिक सत्र 2024-25 में पीएमश्री योजना में 124 स्कूलों में करियर काउंसलर और 137 स्कूलों में मानसिक स्वास्थ्य काउंसलर नियुक्त किये गये हैं। कक्षा 9 से 12 तक के करीब 2 लाख 41 हजार बच्चों को करियर विकल्प का मार्गदर्शन दिया गया है। पीएमश्री स्कूलों में सोलर पैनल, एलईडी लाइट, प्राकृतिक खेती, पोषण उद्यान, अपशिष्ट प्रबंधन, प्लास्टिक मुक्त परिसर, जल और पर्यावरण संरक्षण से संबंधित परम्पराओं की जानकारी देते हुए हरित स्कूल के रूप में विकसित किया जा रहा है।

पीएमश्री स्कूलों में पढ़ाने वाले शिक्षकों को आईआईएम इंदौर, रायपुर और टीआईएसएस मुम्बई में शिक्षण कला की विधाओं का प्रशिक्षण भी दिलाया गया है। कक्षा 5 तक के विद्यार्थियों के लिये टीचिंग, लर्निंग मटेरियल (टीएलएम) तैयार करने के लिये 544 पीएमश्री स्कूलों का चयन किया गया है। समस्त पीएमश्री स्कूलों में मैथ्स और साइंस सर्किल गतिविधियाँ नियमित रूप से संचालित की जा रही हैं, जिससे विद्यार्थियों में 21वीं सदी के कौशल, रचनात्मक सोच और टीम वर्क को प्रोत्साहित किया जा सके। कक्षा 6 से 12 तक के करीब एक लाख 27 हजार 300 से अधिक छात्रों के लिये एक्सपोजर विजिट आयोजित की गई। इन एक्सपोजर विजिट से बच्चों को शिक्षण से जुड़ी उन्नत तकनीकों की जानकारी दी गयी है।

इछावर पुलिस ने अपहृत नाबालिग बालक को खोजा

परिजनों को सकुशल सौंपा, अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज

सीहोर ■ निसं

सीहोर इछावर थाना पुलिस ने तेज कार्रवाई करते हुए अपहृत नाबालिग बच्चे को सुरक्षित ढूंढ निकाला और परिजनों के हवाले कर दिया। मामला 2 दिसंबर का है। परिजन थाने पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई कि उनका नाबालिग बेटा किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा बहला-फुसलाकर ले जाया गया है। शिकायत पर पुलिस ने तुरंत मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

टीम ने बच्चे को सकुशल बरामद कर परिवार को लौटाया: पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शुक्ला, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुनीता रावत और एसडीओपी रोशन कुमार जैन के निर्देशन में थाना प्रभारी पंकज वाडेकर के नेतृत्व में एक टीम बनाई गई। टीम ने बच्चे की तलाश हेतु कई जगह खोजबीन की और लगातार पता-तलाश के बाद बच्चे को सुरक्षित बरामद कर लिया।

बच्चे को आवश्यक कार्रवाई के बाद उसके परिवार को सौंप दिया गया।अभियान में थाना प्रभारी पंकज कुमार वाडेकर, टीम प्रभारी उपनिरीक्षक शिवलाल वर्मा, प्रधान आरक्षक राजेश तिवारी, आरक्षक कपिल, आरक्षक नरेंद्र जाट और सैनिक विक्रम की सराहनीय भूमिका रही।

कैदियों को वापस लाने के लिए बनेगी विशेष टीम

सालभर में 700 कैदियों को पैरोल दी गई, पैरोल पर छूटे 50 से ज्यादा कैदी फरार

ग्वालियर ■ निसं

ग्वालियर सेंट्रल जेल से पैरोल पर रिहा किए गए 50 से अधिक कैदी अब तक वापस नहीं लौटे हैं। इनमें कई कैदी हत्या, दुष्कर्म, लूट और अन्य गंभीर अपराधों में सजा काट रहे थे। जेल प्रशासन ने इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए चिंता जताई है। फिलहाल 9 बंदी ऐसे हैं जो पैरोल जंप कर फरार बताए जा रहे हैं।

जेल अधीक्षक विदित सरवैया के मुताबिक, कोरोना काल के दौरान जेल मुख्यालय के निर्देश पर संक्रमण के खतरे को देखते हुए बड़ी संख्या में कैदियों को पैरोल पर रिहा किया गया था। इस दौरान गंभीर अपराधों में शामिल बंदियों को भी अस्थायी राहत दी गई, लेकिन कई बंदियों ने इस छूट का दुरुपयोग किया।

अधीक्षक ने बताया कि पैरोल की अवधि खत्म होने के बाद भी कई कैदी जेल वापस नहीं आए। उन्हें नोटिस और सूचना भेजी गई, लेकिन इसके बावजूद वे लौटने से बचते रहे। इस साल करीब 700 बंदियों को पैरोल दी गई थी, जिनमें से 20 ने तय समय पर वापसी नहीं की। इनमें से अब भी 7 बंदी फरार हैं।

क्या है बंदियों को छोड़ने के नियम और कानून: कानून के अनुसार, दो साल से अधिक समय से जेल में बंद विचाराधीन कैदी और सजायाफ्ता दोनों को पैरोल का अधिकार है। एक बंदी साल में तीन बार, यानी हर चार महीने में एक बार, अधिकतम 15 दिन की पैरोल ले सकता है। इसमें 14 दिन की पैरोल अवधि और एक दिन का यात्रा समय शामिल होता है। पैरोल केवल बंदी के अच्छे आचरण और व्यवहार के आधार पर ही दी जाती है।

पैरोल से लौटने वाले बंदियों की तारीख और समय पर जेल प्रशासन की नजर: इससे पहले सजा काट रहा बंदी गुड्डू उर्फ देवेंद्र यादव हत्या के मामले आजीवन कारावास की सजा काट रहा था। उसे 28 फरवरी को पैरोल पर जेल से छोड़ गया था और 14 मार्च को उसे जेल वापस लौटना था, इसके बावजूद भी वह पैरोल जंप कर फरार हो गया। जिसके अपराध में गुड्डू और उसके जमानतदारों पर जेल प्रशासन की शिकायत पर थाने में मामला दर्ज करवाया गया था और पुलिस उनकी तलाश कर रही है।

नए साल में लग सकता है बिजली का झटका

मध्यप्रदेश पावर जनरेशन कंपनी ने 10 प्रतिशत तक बढ़ोतरी का रखा प्रस्ताव

भोपाल ■ निसं

मध्यप्रदेश में नए साल की शुरुआत बिजली उपभोक्ताओं को बिजली का करंट लग सकता है। राज्य की पावर जनरेशन कंपनी ने मप्र विद्युत नियामक आयोग के समक्ष बिजली दरों में 10 प्रतिशत तक इजाफे का प्रस्ताव प्रस्तुत किया है। आयोग इस प्रस्ताव पर सुझाव और आपत्तियां लेने के लिए जन सुनवाई आयोजित करने की तैयारी कर रहा है। नियामक आयोग जन सुनवाई के दौरान आम जनता और हितधारकों की आपत्तियाँ सुनने के बाद ही अंतिम निर्णय देगा। फिलहाल प्रस्ताव ने उपभोक्ताओं में नए साल के बिलों को लेकर चिंता बढ़ा दी है।

नियामक आयोग मुख्यालय में दायर याचिका में कंपनी ने दावा किया कि लगातार बढ़ रहे लाइन लॉस और वित्तीय दबाव के कारण दरों में संशोधन आवश्यक हो गया है। सूत्रों के अनुसार, इस प्रस्तावित बढ़ोतरी की सीमा 10 प्रतिशत तक हो सकती है, हालांकि अंतिम निर्णय जन सुनवाई के बाद ही होगा।

15 दिसंबर से हो सकती है सुनवाई: आयोग के सूत्रों का कहना है कि कंपनी के प्रस्ताव पर प्रारंभिक अध्ययन के बाद आपत्तियां आमंत्रित की जाएंगी। पहली सुनवाई 15 दिसंबर को होने की संभावना है, हालांकि आयोग की ओर से इसका औपचारिक कार्यक्रम अभी जारी नहीं हुआ है। अधिकारियों ने बताया कि प्रस्ताव प्राप्त होने के बाद प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी।

आठ महीने पहले ही बढ़े थे बिजली के दाम: इस साल अप्रैल से ही उपभोक्ता पहले से बढ़े हुए टैरिफ का भुगतान कर रहे हैं। बीते वित्तीय वर्ष में कंपनियों ने 7.52 प्रतिशत बढ़ोतरी की मांग की थी, लेकिन आयोग ने केवल 3.46 प्रतिशत वृद्धि की मंजूरी दी थी।

जगदीशपुर में इस्लाम नगर शब्द पर पोती कालिख

22 महीने पहले बदल चुका नाम, पर पुराना बोर्ड नहीं हटा; हिंदू संगठनों ने जताई नाराजगी

भोपाल ■ निसं

भोपाल के जगदीशपुर में इस्लाम नगर लिखने पर पिछले दो दिन से हंगामे की स्थिति बन रही है। बुधवार को फिर से हिंदू संगठन के पदाधिकारी जगदीशपुर पहुंचे। उन्होंने इस्लाम नगर लिखे शब्दों पर कालिख पोत दी और जगदीशपुर के बैनर लगा दिए। 22 महीने पहले सरकार भी इस्लाम नगर का नाम बदलकर जगदीशपुर कर चुकी है, लेकिन कई बोर्ड पर अब तक इस्लाम नगर ही नाम है।

हिंदू उत्सव समिति अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी समेत कई लोग बुधवार सुबह जगदीशपुर पहुंचे। यहां जिन बोर्ड पर इस्लाम नगर लिखा था, उस पर काली स्याही पोत दी गई। इस दौरान जमकर नारेबाजी भी हुई। अध्यक्ष तिवारी ने बताया कि करीब दो साल से जगदीशनगर नाम नहीं लिखा गया। यह पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और सरकार के आदेश की अवहेलना है। गजट नोटिफिकेशन तक जारी हो चुका है।

वर्तमान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी यहां आ चुके हैं। बावजूद अब तक मुख्य गेट से इस्लाम नगर नहीं हटा और न ही जगदीशपुर लिखा गया है। इसके अलावा किलोमीटर का पत्थर भी क्षतिग्रस्त कर दिया गया। यह बर्दाश्त नहीं करेंगे। दोषियों पर कार्रवाई हो और हर बोर्ड पर जगदीशपुर लिखा गया। अध्यक्ष तिवारी ने मौके से ही पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों से बात की। कहा कि बोर्ड से नाम नहीं बदला गया तो उग्र प्रदर्शन करेंगे।

31 जनवरी 23 तक नाम इस्लाम नगर था

भोपाल से 14 किलोमीटर दूर ऐतिहासिक धरोहर को समेटे खूबसूरत गांव जगदीशपुर है। 17वीं शताब्दी में बने किले को देखने यहां देश-दुनिया के लोग पहुंचते हैं। 31 जनवरी 2023 तक इसका नाम इस्लाम नगर था, जबकि 1 फरवरी 23 से यह फिर से अपने पुराने नाम जगदीशपुर से पहचाना जाने लगा है। केंद्र सरकार ने गांव का नाम जगदीशपुर करने की हरी झंडी दी थी। राज्य सरकार ने भी नोटिफिकेशन जारी कर गांव का नाम बदलकर जगदीशपुर कर दिया था। इस्लाम नगर का नाम जगदीशपुर होने पर वहां के लोगों ने जमकर जश्न मनाया था। इस दौरान गांव के लोगों ने आतिशबाजी की। एक-दूसरे को मिठाई खिलाई और बधाई दी थी। साथ ही ढोल ही नगाड़ों की थाप पर झूमते नजर आए थे।

कई महीनों तक बोर्ड नहीं बदले

इस्लामनगर का नाम जगदीशपुर होने के बावजूद कई महीनों तक यहां बोर्ड नहीं बदले गए थे। विरोध और हंगामे के बाद बोर्ड बदले गए, लेकिन मंगलवार को लांबाखेड़ा-जगदीशपुर मार्ग पर लगे कई संकेतक बोर्डों पर जगदीशपुर की जगह इस्लाम नगर लिखे जाने और एक मस्जिद के समीप स्थित किलोमीटर मीटर बोर्ड के क्षतिग्रस्त पाए जाने की घटना ने स्थानीय क्षेत्र में भारी आक्रोश पैदा कर दिया था। बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और हिंदू संगठनों ने मौके पर पहुंचकर इस कृत्य के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया था। बुधवार को फिर से लोग मौके पर पहुंचे और बोर्ड से नाम हटाए। मौके पर पहुंचे अध्यक्ष तिवारी, देवलखेड़ी सरपंच अजय सैनी, राजेश शर्मा ने कहा कि क्षेत्र के ऐतिहासिक और मूल नाम से छेड़छाड़ किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं है। यह केवल नाम बदलने का मुद्दा नहीं, बल्कि जनभावनाओं से खिलवाड़ है।

संक्षिप्त समाचार

अब पुलिसकर्मी वर्दी पहनकर सोशल मीडिया पर नहीं बन सकेंगे हीरो

भोपाल। मध्य प्रदेश पुलिस के जवानों और अफसरों की वर्दी में सोशल मीडिया पर हीरो बनने की चाहत अब महंगी पड़ेगी। पुलिस मुख्यालय ने साफ कर दिया है कि अब वर्दी पहनकर फेसबुक, इंस्टाग्राम, एक्स, यूट्यूब या व्हाट्सएप पर कोई भी फोटो, वीडियो, रील या पोस्ट डालना पूरी तरह प्रतिबंधित होगा। पुलिस महानिदेशक ने इसके लिए नई स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) जारी कर दी है। इसमें स्पष्ट कहा गया है कि पुलिसकर्मी वर्दी में रहते हुए सोशल मीडिया का इस्तेमाल सिर्फ आधिकारिक कार्यों तक सीमित रखेंगे। निजी तस्वीरें, डांस रील्स, ड्यूटी से जुड़े वीडियो या कोई भी ऐसा कंटेंट जो विभाग की छवि को प्रभावित कर सके, अपलोड करना सख्त मना है। पुलिस महानिदेशक द्वारा जारी की गई एसओपी के अनुसार वर्दी में कोई भी सोशल मीडिया पोस्ट/रील/स्टोरी/वीडियो अपलोड नहीं कर सकेंगे। ड्यूटी से जुड़ी कोई संवेदनशील जानकारी या फोटो शेयर करना पूरी तरह वर्जित है। पुलिस की सार्वजनिक छवि और जनता का विश्वास बनाए रखना अनिवार्य है। केंद्रीय सिविल सेवा आचरण नियम, भारतीय न्याय संहिता एवं हिमाचल प्रदेश पुलिस अधिनियम (मध्यप्रदेश में लागू प्रावधानों के अनुसार) का पूर्ण पालन करना होगा।

बैरिकेडिंग में घुसकर मंत्री की नेमप्लेट पर कालिख पोती

भोपाल। भोपाल युवा कांग्रेस के कार्यवाहक जिला अध्यक्ष अमित खत्री के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ता 74 बंगला स्थित नगरीय प्रशासन राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी के सरकारी आवास पहुंचे और बाहर लगी नेम प्लेट पर कालिख पोत दी। एक दिन पहले भी कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बागरी के सरकारी आवास के बाहर प्रदर्शन किया था। सतना जिले की रैगांव सीट से बीजेपी विधायक और नगरीय प्रशासन राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी के भाई गांजा तस्करी के मामले में गिरफ्तार हुए हैं। भाई की गिरफ्तारी को लेकर कांग्रेस राज्यमंत्री से इस्तीफा मांग रही है। आज मंत्री के सरकारी आवास पर पहुंचे युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया और पुलिस की बैरिकेटिंग तोड़ते हुए नेमप्लेट पर कालिख पोत दी। जबकि प्रदर्शन का पता चलते ही पुलिस ने मंत्री के बंगले की सुरक्षा बढ़ाते हुए बैरिकेटिंग कर दी थी। इधर, राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी ने गांजा तस्करी के आरोप में पकड़े गए भाई अनिल बागरी और बहनोई शैलेंद्र सिंह से पल्ला झाड़ लिया है। खजुराहो में मंगलवार को कैबिनेट की बैठक के दौरान मीडिया ने जब उनसे सवाल-जवाब किए तो वे यह कहकर किनारा कर गईं कि- 'कोई भी अपने आप से रिश्तेदार बना लेता है। मेरा अनुरोध है कि पहले आप उसकी पुष्टि कर लें। तथ्यों की जानकारी के बाद ही बात करें।'

खाना बनाने की बात पर हुए विवाद में शासकीय कर्मचारी ने पत्नी के सिर पर तवा मारा

भोपाल। नये शहर के कोलार थाना इलाके में मामूली विवाद पर गुस्साये सरकारी कर्मचारी ने अपनी पत्नि के सिर पर तवा मारकर उसे घायल कर दिया। पुलिस के अनुसार हिल्स व्यू सिटी में में परिवार के साथ रहने वाली जमुना बाई (52) घरेलू महिला हैं। उनके पति भागीरथ प्रसाद केन्द्रीय संचार कार्यालय के कर्मचारी है। बीती सुबह उनका बेटा-बहू अपने काम पर चले गए थे, वहीं बच्चे स्कूल गए हुए थे। दोपहर के समय भागीरथ और जमुना बाई घर पर अकेले थे। इसी दौरान खाना बनाने की बात को लेकर उनके बीच विवाद हो गया। उनके बीच मामूली झगड़ा इतना बढ़ा की गुस्साये पति भागीरथ ने पत्नी जमुना बाई के सिर पर तवा मार दिया। बाद में सूचना मिलने पर परिवार वालो ने उन्हें इलाज के लिये अस्पताल पहुंचाया। सूचना मिलने पर पहुचीं पुलिस ने आरोपी पति के खिलाफ मामला कायम कर आगे की जॉच शुरु कर दी है।

पराली ही नहीं धूल से भी बढ़ रहा है मप्र के बड़े शहरों का प्रदूषण

वायु गुणवत्ता खराब होना स्वास्थ्य के लिए गंभीर, वायु गुणवत्ता बिगड़ी

भोपाल ■ निसं

ठंड के आगमन के साथ ही मप्र के लगभग सभी बड़े शहरों की हवा की गुणवत्ता लगातार खराब हो रही है। देश की सबसे साफ राजधानी का तमगा हासिल कर चुकी राजधानी भोपाल मध्य प्रदेश में सबसे ज्यादा प्रदूषण वाला शहर भी बन गया है। राजधानी भोपाल में वायु प्रदूषण का आंकड़ा 200 के पार जा रहा है। मध्य प्रदेश के बड़े शहरों में प्रदूषण की स्थिति चिंताजनक स्थिति में पहुंच गई है। राजधानी भोपाल, इंदौर, जबलपुर, उज्जैन की आबोहवा अस्वस्थ श्रेणी में पहुंच गया है। इन शहरों में हवा दमघोटू हो गई है। उधर डॉक्टर लोगों को सुबह धूप निकलने से पहले मॉर्निंग वॉक को लेकर सचेत कर रहे हैं। सर्दियों की शुरुआत के साथ ही हवा का प्रवाह धीमा होने और भू-भाग पर धूल जमने जैसी परिस्थितियों के चलते वायु गुणवत्ता सूचकांक कई शहरों में 200 के ऊपर दर्ज किया जा रहा है। यह स्तर खराब श्रेणी में माना जाता है, जो सीधे तौर पर आम लोगों के स्वास्थ्य को प्रभावित करने लगता है।

भोपाल में वायु प्रदूषण लगातार बढ़ रहा है। प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार शहर में एयर क्वालिटी इंडेक्स कई बार 300 के पार पहुंच चुका है, जो बेहद खराब श्रेणी माना जाता है। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी बृजेश शर्मा ने बताया कि भोपाल में तीन स्टेशनों के जरिए ऑनलाइन मॉनिटरिंग हो रही है और बढ़ते प्रदूषण को लेकर लोगों को जागरूक किया जा रहा है। अधिकारी ने स्पष्ट किया कि राजधानी में वायु गुणवत्ता खराब होने का सबसे बड़ा कारण शहर में उडने् वाली धूल है। पराली जलाने का असर मात्र 7 से 10 प्रतिशत ही देखा गया है। उन्होंने कहा कि सडक की धूल और निर्माण कार्यों से उठने वाला कण (पीएम10) ही प्रमुख रूप से एक्यूआई बढ़ा रहा है। शर्मा के अनुसार लगभग 11 नवंबर के आसपास प्रदूषण स्तर में तेज वृद्धि दर्ज की गई। ठंड बढने् के साथ-साथ मौसम के पैरामीटर भी इसके लिए जिम्मेदार हैं। सतह के पास हवा ठंडी होने से प्रदूषक ऊपर नहीं उठते। विंड वेलोसिटी मात्र 1.3 किमी/घंटा के आसपास, यानी हवा का बहाव बेहद कम है।कम ऊंचाई पर ही प्रदूषक फंस जाते हैं।

इन कारणों से बढ़ रहा प्रदूषण

सरकार के अनुसार, प्रदूषण बढने् की मुख्य वजहें खेतों में पराली जलाना, तंदूर और भट्टियों का धुआं, सडक़ों पर जाम, अधूरी सफाई व्यवस्था, और सडक़ों के गड्ढों से उठती धूल हैं। विधानसभा में पूछे गए एक प्रश्न के उत्तर में वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री दिलीप अहिरवार ने बताया कि सितंबर और अक्टूबर के सूचकाक संतोषजनक थे, लेकिन नवंबर में स्तर खतरनाक रूप से बढ़ गया। एयर क्वालिटी इंडेक्स की रिपोर्ट के मुताबिक पिछले 5 सालों के दौरान इस साल हवा की गुणवत्ता में सबसे ज्यादा गिरावट आई है। साल 2024 में नवंबर माह में एक्यूआई 165 था। प्रदेश के इंदौर की हवा की गुणवत्ता भी पुअर है। यहां एक्यूआई 164 रिकॉर्ड किया गया है। पिछले पांच सालों की तुलना में यह सबसे ज्यादा है। साल 2024 में नवंबर माह में एक्यूआई इंडेक्स 136 था। जबलपुर शहर में भी हवा की गुणवत्ता पुअर बनी हुई है।

क्या पराली से बिगाड़ रही शहर की सेहत

लगातार बिगड़ती शहरों की सेहत के पीछे एक वजह प्रदेश में बड़ी मात्रा में जलाई जा रही पराली को भी माना जा रहा है। प्रशासन की तमाम समझाइश के बाद भी किसान पराली जलाने से मान नहीं रहे। प्रदेश के किसानों ने पराली जलाने के मामले में पंजाब को भी पीछे छोड़ दिया है। देश में पराली जलाने के सबसे ज्यादा मामले मध्य प्रदेश में रिकॉर्ड किए गए हैं। नगरीय निकाय मैकेनिकल रोड स्वीपिंग मशीन से सडक़ों में जमी धूल को नियमित साफ किया जा रहा है। मिस्ट/फॉगर मशीन से डिवाईडर और सडक़ों के पास लगातार फॉगिंग, सुबह और रात में पानी के छिडक़ाव, सडक़ों की सफाई सहित अन्य उपाय, जांच व निगरानी एवं पानी के फव्वारों का संचालन किया जा रहा है।

एमबीए छात्र ने फांसी लगाकर की खुदकुशी, कारण अज्ञात

प्रेम-प्रसंग के बिंदु पर भी जॉच कर रही पुलिस, मोबाइल किया जप्त

दो महीने पहले ही बीना से भोपाल आया था पढ़ाई करने

भोपाल ■ निसं

शहर के अशोका गार्डन थाना इलाके में किराए के कमरे में रहकर एमबीए की पढ़ाई कर रहे छात्र ने मंगलवार रात को अपने कमरे में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। सूचना मिलने पहुंची पुलिस को घटनास्थल की तलाशी के दौरान फिलहाल कोई सुसाइड नोट या अन्य ऐसा सुराग नहीं मिला है, जिससे आत्महत्या के कारणो का खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस ने जॉच के लिये मृतक का मोबाइल फोन जब्त किया है।

दो महीने पहले ही आया था बीना से भोपाल: मिली जानकारी के अनुसार 24 वर्षीय सौरभ सोनी पिता गोकुल सोनी मूल रूप से बीना का रहने वाला था। दो महीने से वह अशोका गार्डन में किराए का कमरा लेकर रहते हुए एक निजी कॉलेज से एमबीए की पढ़ाई कर रहा था। के पिता गांव में खेती-किसानी करते हैं। उसका बड़ा भाई रवि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा है। परिवार वालो का कहना है, कि मंगलवार शाम को सौरभ ने फोन पर मां से आखिरी बार बात की थी। उस समय सौरभ ने सामान्य बातचीत की थी, और इससे पहले भी उसने कभी किसी परेशानी का जिक्र नहीं किया था। बाद में उसके खुदकुशी किये जाने की सूचना मिली जिसके बाद वह फौरन ही भोपाल आ गये। मामला कायम कर पुलिस ने मंगलवार को पीएम के बाद शव परिजनो को सौंप दिया है। परिवार वाले शव का अंतिम संस्कार करने के लिये उसे गांव लेकर रवाना हो गए।

रिश्तेदार की शादी में शामिल होकर 8 दिन पहले ही आया था भोपाल

परिवार वालो ने पुलिस को बताया की सौरभ आठ दिन पहले ही गांव से वापस भोपाल लौटा था। गॉव में एक करीबी रिश्तेदार की शादी में शामिल होने गया था। और गांव में रहने के दौरान भी सौरभ ने किसी तरह की कोई परेशानी नहीं बताई थी। शुरुआती जॉच के आधार पर पुलिस ने प्रेम प्रसंग की आशंका के चलते आत्महत्या की आशंका से इंकार नहीं किया है। अधिकारियो का कहना है, कि आगे की जॉच में मृतक छात्र के परिवार वालो के डिटेल बयान दर्ज करने के साथ ही फोन की कॉल डिटेल के आधार पर उसके करीबी दोस्तो से भी पूछताछ की जायेगी। छानबीन पूरी होने के बाद ही सही कारणो का खुलासा हो सकेगा, जिसके आधार पर आगे की जॉच की दिशा तय की जायेगी।

अड़ीबाजी, मारपीट करने वाले फरार तीन बदमाश गिरफ्तार

निजीं कपनी के कर्मचारी से की थी मारपीट, दो महीनों से थे फरार

भोपाल ■ निसं

शहर की अयोध्यानगर थाना पुलिस ने अड़ीबाजी और मारपीट के मामले में करीब दो महीनो से फरार तीनो बदमाशो को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आरोपियो ने इंस्टामार्ट डिलिवरी एजेंट को रात में रोककर रकम मांगते हुए अड़ बाजी कर उसके साथ जमकर मारपीट की थी। वारदात के बाद से सभी आरोपी शहर छोड़कर फरार हो गए थे। उनके भोपाल आते ही पुलिस को भनक लग गई जिसके बाद सभी को कलारी पास से दबोच लिया गया। पकड़े गये आरोपियो का पुरान आपराधिक रिकॉर्ड है।

थाना प्रभारी महेश लिल्हारे से मिली जानकारी के अनुसार फरियादी कपिल राजपूत ने अपनी शिकायत में बताया की वह एक निजी कंपनी इंस्टामार्ट मे नौकरी करता है। बीती 3 अक्टूबर 2025 को वह कंपनी से काम खत्म करने के बाद वापस घर जा रहा था। कि रास्ते उसे मिले तीन बदमाशो ने रोक लिया और उससे पैसे देने की मांग करते हुए अडीबाजी करने लगे। जब कपिल राजपूत ने पैसे देने से इंकार करते हुए वहॉ से जाने का प्रयास किया तब आरोपियो ने उसे घेरकर हाथ-मुक्को और बेल्ट से सरेराह जमकर मारपीट की। बाद में फरियादी की शिकायत पर पुलिस ने बदमाशो के खिलाफ मामला कायम कर आगे की जॉच शुरु की। फरियादी द्वारा बताये गये हुलिये और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने आरोपियो की पहचान शुभम मालवीय पिता राधेश्याम मालवीय (24) निवासी, ग्राम झागरिया, थाना कटारा हिल्स, राजकुमार नेवारे उर्फ राज पिता अरूण कुमार नेवारे (21) और राजेश पटेल पिता प्रहलाद पटेल (23) दोनो निवासी, गायत्री नगर थाना अशोका गार्डन के रुप की। उनकी गिरफ्तारी के लिये संभावित ठिकानो पर दबिश दी गई। लेकिन सभी बदमाश पुलिस से बचने के लिये शहर से बाहर फरार हो गए थे।

अनु कुमारी की जगह नर्सिंग की सप्लीमेंट्री परीक्षा देने पहुंची सानिया अली

20 हजार में हुआ था सौदा, मुख्य आरोपी युवती का मौसेरा भाई फरार

- जीएमसी में बड़ा फर्जीवाड़ा आया पकड़ में
- डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के दौरान आब्जर्वर ने पकड़ा

भोपाल ■ निसं

राजधानी भोपाल के कोहेफिजा थाना इलाके में स्थित गांधी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) में मंगलवार को नर्सिंग की सप्लीमेंट्री परीक्षा के दौरान बड़ी गड़बड़ी सामने आई। यहॉ प्रथम सेमेस्टर की छात्रा अनु कुमारी की जगह परीक्षा देने पहुंची सानिया अली को आब्जर्वर ने दस्तावेज मिलान के दौरान पकड़ लिया। सानिया अपने साथ अनु का आधार कार्ड लिए हुए थी, लेकिन फोटो मिलान में सारा फर्जीवाड़ा सामने आ गया।

मामले में कोहेफिजा पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार एमपी नर्सिंग काउंसिल द्वारा आयोजित परीक्षा में अनु कुमारी की सप्लीमेंट्री थी। परीक्षा केंद्र पर जब दस्तावेज जांचे गए तो पता चला कि अनु की जगह सानिया अली परीक्षा देने आई है। इसकी जानकारी लगते ही कॉलेज प्रबंधन ने पुलिस को सूचना दी पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया। शुरुआती पूछताछ में सानिया ने खुलासा बताया कि वह अशोका गार्डन की रहने वाली है, और अपने मौसेरे भाई गनी के कहने पर फर्जी पहचान पर परीक्षा देने पहुंची थी। इसके ऐवज में उसे 20 हजार रुपए देने की बात कही गई थी। वहीं उसने यह भी बताया की वह जिस अनु कुमारी के स्थान पर परीक्षा देने आई है, उसे वो पहचानती तक नहीं है। कॉलेज प्रबंधन की राधिका जय नारायण की शिकायत पर पुलिस ने सानिया अली और गनी सहित अन्य के खिलाफ धोखाधड़ी व परीक्षा फर्जीवाड़े का प्रकरण दर्ज कर आगे जांच शुरू कर दी है।

एम्स भोपाल के कॉर्नियल रिट्रीवल कार्यक्रम के तहत सफल नेत्रदान

भोपाल ■ निसं

एम्स भोपाल लगातार चिकित्सा सेवाओं और जनस्वास्थ्य की दिशा में नए आयाम स्थापित कर रहा है। इसी क्रम में दिनांक 09 दिसंबर 2025 को एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) माधवानंद कर के नेतृत्व में संचालित कॉर्नियल रिट्रीवल प्रोग्राम के माध्यम से एक महत्वपूर्ण नेत्रदान संपन्न हुआ। यह नेत्रदान भोपाल निवासी 18 वर्षीय स्पर्श कंबोज का उनके पिता प्रवीण कंबोज द्वारा कराया गया।

एम्स भोपाल की नेत्र बैंक विभाग और ऑप्थैल्मोलॉजी टीम ने परिवार के सदस्यों को काउंसलिंग करके जागरूक किया और इस नेक कार्य के लिए प्रेरित किया। उनके इस मानवीय प्रयास से समाज में नई आशा और प्रकाश का संचार हुआ है। परिवार ने अपने प्रियजन को नेत्रदान के इस पुण्य कार्य से जोड़ा, जिसके लिए संस्थान उनकी संवेदनशीलता और सहयोग के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करता है। यह उदाहरण समाज के लिए प्रेरक संदेश है कि मृत्यु के बाद भी किसी की आँखों की रौशनी बन पाना संभव है। कॉर्नियल रिट्रीवल को लेकर प्रोफेसर डॉ. भावना शर्मा ने अपनी उम्मीदें व्यक्त कीं और कहा कि एम्स भोपाल में नेत्रदान को बढ़ावा देना अत्यंत आवश्यक है, ताकि अधिक से अधिक जरूरतमंद लोगों की आँखों में उजाला लाया जा सके। डॉ. भावना शर्मा ने इस सफलता में नेत्र बैंक टीम, रेड ट्रॉमा एम्बुलेंस टीम और स्टाफ के प्रयासों की सराहना की, जिन्होंने समय पर जानकारी देकर नेत्रदान की प्रक्रिया को सफल बनाया।

इंटेलिजेंस से जांच के लिए आये लेटर के बाद हुआ खुलासा

संदिग्ध बांग्लादेशी नागरिकों ने फर्जीवाड़ा कर भोपाल से बनवाया पासपोर्ट

- दोनों आरोपी सगे भाई, रेंट एग्रीमेंट के आधार पर वोटर आईडी और आधार कार्ड
- जहॉ का पता दिया वहॉ कभी रहे ही नहीं
- इन्हीं दस्तावेजो के आधार पर बनवा लिया पासपोर्ट

भोपाल ■ निसं

राजधानी भोपाल में पुलिस की लापरवाही से बांग्लादेश के नागरिकों का भारतीय पासपोर्ट बनने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। बताया गया है दोनो आरोपी सगे भाई है, जिन्होनें पहले आधार कार्ड और वोटर आईडी कार्ड तैयार कराया इसके बाद इन फर्जी दस्तावेज़ों का इस्तेमाल कर भारतीय पासपोर्ट बनवा लिया। सूत्रो के मुताबिक दोनो आरोपी फर्जी ढंग से बनवाये गये पासपोर्ट के बाद लापता हो गये है। लेकिन किसी को इसकी भनक तक नहीं हुई। मामले का खुलासा संदेह होने पर तब हुआ जब इंटेलिजेंस की ओर से इस मामले की जांच के लिए सहायक पुलिस आयुक्त अंजली रघुवंशी के पास एक पत्र आया था। पुलिस की जांच के बाद इन दोनों संदिग्ध बांग्लादेशी नागरिक भाइयों पर धोखाधड़ी की एफआईआर दर्ज कर उनकी तलाश की जा रही है।

यह है मामला: पुलिस के मुताबिक संदिग्ध बांग्लादेशी नागरिक मोह. रिहान अंसारी पिता सफकूल हक अंसारी और मोह. मकबूल अंसारी पिता सफकूल हक अंसारी ने राजवैद्य कॉलोनी, कोलार रोड के पते का उल्लेख कर भारतीय पासपोर्ट बनवाया था। संदेह होने पर इंटेलिजेंस की ओर से इस मामले की जांच के लिए सहायक पुलिस आयुक्त के पास एक पत्र आया था।

पुलिस आयुक्त ने अपनी जांच में पाया कि दोनों आरोपियो ने 7 अगस्त 2014 से 11 माह के लिए कोलार की राजवैद्य कॉलोनी (कोलार रोड) के पते पर मकान मालिक लक्ष्मी ठाकुर के साथ एक नोटरी पर किरायेदारी का अनुबंध पत्र प्रस्तुत किया था। इस एग्रीमेंट के आधार पर उन्होंने आधार कार्ड और मतदाता परिचय पत्र बनवाए थे।

अन्य व्यक्ति या एजेंट की भुमिका की भी जॉच कर रही पुलिस

इस मामले से पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया है। पुलिस आरोपियो की तलाश के साथ ही इस बात की भी जांच कर रही है, कि इस पूरी प्रक्रिया में किसी स्थानीय व्यक्ति या एजेंट ने तो आरोपियो की मदद नहीं की थी। पुलिस का दावा है कि जल्द ही दोनों फरार बांग्लादेशी नागरिको का पकड़ लिया जायेगा। एफआईआर दर्ज करने के बाद कोलार पुलिस ने आरोपितों की तलाश शुरू कर दी है। पासपोर्ट लेने के बाद से गायब दोनों भाईयो की वर्तमान स्थिति की जानकारी जुटाई जा रही है, जिसके लिये साइबर पुलिस और क्राइम ब्रांच की टीमें भी जुटी है। हालांकि पुलिस को अभी तक उनकी कोई ठोस जानकारी हाथ नहीं लग सकी है।

अनमोल वचन

हमारे अंदर अंधकार और रोशनी दोनों है, यह हमें चुनना है कि इनमें से हम किस को महत्व देते है।
जे. के. रालिंग

मुझे आने वाले कल का भय नहीं है क्योंकि मैंने बीता हुआ कल देखा है और मुझे आज से प्यार है।
विलियम ए व्हाइट

सम्पादकीय

चुनाव सुधार और 'वोट चोरी' पर संसद में बहस

लोकतंत्र की विश्वसनीयता को बनाये रखने का एक अवसर संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान हाल ही में हुई बहस में 'वोट चोरी' और व्यापक चुनाव सुधारों का मुद्दा जिस गंभीरता से सभी पक्षों के सांसदों द्वारा उठाया गया, वह भारत की लोकतांत्रिक यात्रा के लिए इसे एक निर्णायक अवसर माना जा सकता है। मतदान प्रक्रिया पर बढ़ते सवाल, तकनीकी, पारदर्शिता को लेकर विपक्ष की आशंकाएँ निराधार नहीं है। चुनाव में अर्थतंत्र की भूमिका का असर, चुनाव के यह मुद्दे लंबे समय से देश की राजनीति और चुनाव में गहरी जड़ें जमा चुके हैं। इस बार संसद में जिस तीखेपन और स्पष्टता के साथ इन सभी प्रश्नों को सांसदों ने रखा है, उससे सरकार और चुनाव आयोग दोनों के ऊपर चुनाव में सुधारों की दिशा में ठोस कदम उठाने का दबाव बनाने का काम किया है। चुनाव आयोग और सरकार की जवाबदेही तय करने की दिशा में संसद आगे बढ़ी है। बहस का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह रहा, कि चर्चा में वोट चोरी मामले को लेकर सभी गंभीर दिखे। लगभग सभी दलों ने 'वोट चोरी' चुनाव में सरकार के 'अनुचित प्रभाव' तथा चुनाव आयोग का सत्ताधारी दल के प्रति समर्पण जैसे आरोपों की पृष्ठभूमि में चुनाव प्रक्रिया के भरोसे को लेकर विपक्ष की चिंता देखने लायक थी। विपक्ष ने हर बात को बड़ी सूक्ष्मता के साथ संसद में रखा है। इस बहस में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में जिस तरह की तलखी देखने को मिली है। सरकार को घेरते हुए विपक्ष ने जिस तरह की एकजुटता मजबूती के साथ दिखाई है, उससे चुनाव आयोग और सरकार की परेशानी निश्चित रूप से बढ़ी है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी एवं कुछ सदस्यों ने ईवीएम से जुड़ी पारदर्शिता को बढ़ाने, वीवीपैट की संख्या में वृद्धि करने, 100 फ़ीसदी मतपत्रों की गिनती करने, और स्वतंत्र ऑडिट की आवश्यकता पर जोर दिया है। संसद में विपक्ष के सदस्यों ने डिजिटल युग में साइबर सुरक्षा के बढ़ते खतरे का उल्लेख करते हुए मतदान प्रणालियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ सुधार करने एवं जवाबदेही तय करने की बात कही है। सदन में स्वीकार किया गया है, चुनावी सुधार केवल तकनीकी बदलावों तक सीमित नहीं हो सकते। काले धन और चुनावी खर्च की सीमा के उल्लंघन ने चुनाव को बुरी तरह से प्रभावित करते हुए लोकतांत्रिक संतुलन को बिगाड़ा है। राजनीतिक दलों के चुनावी चंदे में पारदर्शिता, चुनावी बॉन्ड, सरकारी खजाने से चुनाव के दौरान मतदाताओं के खाते में राशि ट्रांसफर करने एवं पैसे के बल पर चुनाव को प्रभावित करने, विवादित तंत्रों एवं पैसे के बल पर चुनाव को प्रभावित करने का उल्लेख संसद में करते हुए इनमें सुधार की मांग की गई है। उम्मीदवारों के आपराधिक रिकॉर्ड पर कड़े नियम बनाने के मांग और बहस ने सभी का ध्यान आकर्षित किया है। कई सदस्यों ने मांग दोहराई, दोषी राजनीतिक व्यक्तियों को चुनाव लड़ने से रोकने के लिए समयबद्ध न्यायिक प्रक्रिया को विकसित किया जाना जरूरी है। वोट चोरी' से जुड़े आरोप लोकतंत्र में जनता के विश्वास को चोट पहुँचाते हैं। सदस्यों की मांग थी, संसद में उठे मुद्दों को केवल चर्चा और बहस की औपचारिकता नही माना जाए। संसद में चुनाव सुधार और वोट चोरी को लेकर जो चर्चा हुई है, उस पर तुरंत गंभीरता के साथ आधार बनाकर चुनावी प्रणाली को विश्वसनीय बनाने के लिए और चुनाव में लोगों का भरोसा बना रहे, उसके लिए आवश्यक परिवर्तन करने की जरूरत है। सरकार और चुनाव आयोग को सभी राजनीतिक दलों को भरोसे में लेकर चुनाव सुधार की दिशा में ठोस, समयबद्ध, पारदर्शी सुधार लागू किए जाने की दिशा में तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए। लोकतंत्र की शक्ति तभी सुरक्षित रह सकती है जब चुनाव प्रक्रिया निष्पक्ष, विश्वासप्रद और भविष्य की तकनीकी चुनौतियों का सामना करने में सक्षम हो। इस पर सभी राजनीतिक दलों और चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों को विश्वास हो। संसद में हुई बहस ने देश को एक बड़ा संदेश दिया है। भारत सरकार और चुनाव आयोग के पास अब चुनाव सुधारों को टालने का विकल्प नहीं बचा है। जिस तरह के हालात पूरे देशभर में बने हैं। एसआईआर के बाद जिस तरह से मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से हटाए जा रहे हैं। मतदाता सूची समय पर राजनीतिक दलों और आम जनता के समक्ष नहीं रखी जा रही है। मतदान के बाद जिस तरह से मतदान का प्रतिशत बढ़ाया जाता है। वीवीपीएटी की मशीनों के पर्चियों की गणना नहीं की जाती है। उसके कारण राजनीतिक दलों और आम जनता का भरोसा चुनाव प्रक्रिया से खत्म होता जा रहा है। मतदाताओं का भरोसा पुन: मजबूत करने के लिए संसद में विपक्ष ने जिस तरह के सुझाव दिए हैं उन पर तुरंत सुधार किए जाने की जरूरत है। चुनाव आयोग की नियुक्ति और एसआईआर को चुनाव आयोग सरकार और न्यायपालिका की भूमिका को लेकर भी संसद में बहुत कुछ कहा गया है। जिस तरह से मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति की गई है, न्यायपालिका से चुनाव से संबंधित मामलों की सुनवाई को लंबे समय तक टाला जा रहा है। उसके कारण चुनाव और चुनाव की विश्वसनीयता को लेकर लगातार शक-सुबहा बढ़ता ही चला जा रहा है। संसद में हुये इस विमर्श ने केंद्र सरकार, चुनाव आयोग तथा न्यायपालिका को एक मौका दिया है। समय रहते इस पर सार्थक पहल हो जाती है तो लोगों का इस पर भरोसा बना रहेगा। जिस तरह की हालत वर्तमान में देखने को मिल रही है सरकार चुनाव, आयोग और न्यायपालिका ने यदि अपनी भूमिका का सही तरीके से निर्वाह जिम्मेदारी के साथ नहीं किया तो आगे चलकर भारत में भी वही स्थिति बन सकती है जिस तरह की स्थिति बांग्लादेश में बनी थी। चुनावी व्यवस्था लोकतंत्र का आधार है। जहां पर नागरिक अपने अधिकार निर्वाचित प्रतिनिधियों को सौंपते हैं। यदि आम जनता को यह विश्वास नहीं होगा कि उसने जिसे वोट दिया है उसे वोट नहीं मिला तो ऐसी स्थिति में एक विद्रोह पनपता है। जनता के विद्रोह के सामने कोई भी शक्ति टिकती नहीं है। संसद में जिस तरह से चुनाव सुधार पर बहस हुई है, उसके बाद सरकार को इस पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है।

चिंतन-मनन

मन की तेज गति

नौका नदी के उस पार जा रही थी। अनेक व्यक्ति उस पर सवार थे। भार अधिक हो गया। नौका डगमगाने लगी। नाविक ने कहा – नौका डूब जाएगी। यदि सबको बचना है तो स्वयं को सुरक्षित रखते हुए अपना सारा सामान नदी में बहा दो, अन्यथा सामान के साथ-साथ प्राण भी जाएंगे। सबने अपने जीवन की सुरक्षा को महत्व देते हुए सामान नदी में डाल दिया। एक बनिये के पास तीन खाली डिब्बे और एक रूपयों से भरा डिब्बा था। उसने खाली डिब्बे पानी में डाल दिए। नाविक ने कहा – इस वजनी डिब्बे को डाल दो। बनिये ने रूपयों को ?से व्यर्थ बहाना उचित नहीं समझा। वह डिब्बे को साथ ले नदी में कूद पड़ा। नौका हल्की हो गई। पर वह बनिया उस डिब्बे के भार से दबकर डूब गया। यदि वह खाली डिब्बे के साथ कूदता तो संभव है बच जाता, पर भरे हुए डिब्बे ने उसे डुबो दिया। कहने का अर्थ यह है कि लोगों का भरे हुए पर अधिक विश्वास है, खाली पर नहीं। काम में लगे रहते हैं तो समझते हैं भरे हुए हैं, समय का उपयोग हो रहा है। जब खाली होते हैं तब समझते हैं, आज तो समय व्यर्थ खो रहे हैं। लोग खाली रहना नहीं जानते और खाली रहने के समय का उपयोग करना भी नहीं जानते। आदमी खाली कहां रह पाता है? जब उसके पास कोई काम नहीं होता, तब भी वह खाली नहीं है। उसके मन का चक्का इतनी तीव्र गति से घूमता है कि दुनिया की सारी स्मृतियां उस समय उभर आती हैं। मस्तिष्क विचारों से, संकल्प-विकल्पों से भर जाता है। कहां है खाली वह आदमी? उसका दिमाग भरा ही रहता है।

परिवर्तन से गुजरती परंपरा: भारतीय हस्तशिल्प गढ़ रहे हैं आधुनिक डिजाइन की पहचान

श्री पबित्रा मार्गेरिटा परिवर्तन को दर्ज करने वाला क्षण ग्रामीण असम में शिल्पकारों की एक बस्ती की हाल की यात्रा के दौरान एक सामान्य से दृश्य में भारत के हस्तशिल्प तंत्र में आ रहे गहरे बदलाव की झलक दिखाई दी। अनेक शिल्पकार सूखी हुई जलकुंभी को बुन रहे थे। लेकिन ये शिल्पकार वे परंपरागत टोकरियां नहीं बना रहे थे जिन्हें उनका समुदाय सदियों से बुनता आ रहा है। इसके बजाय वे कॉरपोरेट बैठकों के लिए खूबसूरत ऑफिस फोल्डर बना रहे थे। उनके हाथ पीढ़ियों से जारी कला को आगे बढ़ाते हुए चिरपरिचित लय में चल रहे थे। लेकिन उनके उत्पाद और उद्देश्य, दोनों ही पूरी तरह से बदल चुके हैं।

हम 08 से 14 दिसंबर, 2025 तक राष्ट्रीय हस्तशिल्प दिवस मना रहे हैं। ऐसे में, यह दृश्य भारत के हस्तशिल्प परिदृश्य में एक मूक क्रांति का प्रतीक है। हमारी जीवंत हस्तशिल्प परंपराओं में एक महत्वपूर्ण बदलाव आ रहा है। उनका नई जगहों, नए बाजारों और नूतन भविष्य में विस्तार हो रहा है। मूल विशेषताओं की शुद्धता बरकरार रहने के बावजूद माध्यमों और स्वरूपों में जो विकास हो रहा है उसकी कल्पना एक दशक पहले शायद ही की जा सकती थी।

जीवंत ज्ञान प्रणाली के रूप में हस्तशिल्प: इस विकास को समझने के लिए यह स्वीकार करना महत्वपूर्ण है कि भारतीय हस्तशिल्प सिर्फ सुंदरता की वस्तु नहीं रहे हैं। वे सांस्कृतिक पहचान और सामुदायिक परंपराओं में गहराई से रची-बसी जीवंत ज्ञान प्रणालियां हैं। मधुबनी में महिलाएं परंपरागत तौर पर त्यौहारों,शादियों और जीवन संस्कारों के दौरान ताजा लेपी गई दीवारों पर चावल के पेस्ट से पेंटिंग बनाती थीं। इन चित्रों में मछली को जनन क्षमता और मोर को प्रेम का प्रतीक माना जाता था। चित्रण अपने मूल में व्यक्तिगत के बजाय सामूहिक हुआ करता था। गोंड समुदाय के लिए पेंटिंग उसके जीव संबंधी विश्वासों तथा जंगलवासी प्राकृतिक शक्तियों और रक्षा करने वाली आत्माओं से जुड़ी है। उनकी कला सिर्फ सुंदर ही नहीं, बल्कि वाचक परंपरा में जड़ों वाला अनुष्ठानिक ब्रह्मांड विज्ञान भी है।

स्वरूपों को हमेशा उपयोग ने गढ़ा है। असम में जलकुंभी को सुखाने के बाद बुन कर घर में काम आने वाली टोकरियां बनाई जाती हैं। कर्नाटक में लाख के लेप वाले चन्नपटना काष्ठ खिलौने बच्चों के खेलने के काम आते हैं। उन्हें पीढ़ियों से खराद पर बनाया जाता रहा है। माध्यम, स्वरूप और आकृति को एकदूसरे से अलग नहीं किया जा सकता। वे विशिष्ट अनुष्ठानिक और कार्यात्मक संदर्भों से आबद्ध हैं।

पबित्रा मार्गेरिटा

परंपरा का आधुनिक अभिव्यक्ति में विस्तार: आज जो हो रहा है, वह परंपरा से अलग नहीं, बल्कि उसका विस्तार है। मूलभाव, पैटर्न और तकनीकें अभी भी पहचानी जा सकती हैं, लेकिन उनके प्रयोग आश्चर्यजनक रूप से समकालीन हो गए हैं। यह बदलाव केवल एक आयामी नहीं, बल्कि बहु-आयामी है। मधुबनी की मछली, जो कभी एक बड़ी प्रजनन कथा का हिस्सा हुआ करती थी, अब तकिए, टोट बैग और फोन कवर पर दिखाई देती है, जिसे आज के समय के अनुसार इस्तेमाल के लिए नया रूप दिया गया है। गोंड के गहरे रंगों वाले जानवर और पौधे और ज्यामिति डिज़ाइन आज अपने पौराणिक संदर्भ से बाहर भी सराहे जाते हैं।

हालांकि, सबसे बड़ा परिवर्तन माध्यम में आया है। जलकुंभी आज कॉर्पोरेट फ़ोल्डर और डिज़ाइनर हैंडबैग का रूप ले रही है। मधुबनी कला मिट्टी की दीवारों से हटकर लकड़ी के फर्नीचर, वस्त्रों और चमड़े के सहायक उपकरणों पर की जाने लगी है। चन्नपटना शिल्प, जो कभी केवल खिलौनों में ही दिखता था, अब सजावटी नक्शों, झूमरों, गृह सज्जा और डिज़ाइनर फ़र्नीचर में दिखाई देता है। पारंपरिक लाख का अभी भी इस्तेमाल हो रहा है लेकिन उसका रूप पूरी तरह आधुनिक हो गया है। यह बदलाव आज के अनुकूल है, न कि उसका कमजोर पड़ना।

भारतीय शिल्प पर आधारित फैशन की वैश्विक स्तर पर एक प्रमुख पहचान बन गयी है, जिसमें पारंपरिक कढ़ाई को 'पेरिस हौते कॉउचर वीक' में प्रदर्शित किया गया था। नेशनल गैलरी ऑफ विक्टोरिया जैसे संग्रहालयों में अब 'ट्रांसफ़ॉर्मिंग वर्ल्ड्स' जैसी प्रदर्शनियाँ गोंड और मधुबनी कला और उनके आधुनिक रूपों को उनकी संस्कृति या समाज के संदर्भों के बजाय समकालीन कला के तौर पर चित्रित कर रही हैं।

नेतृत्व और सरकारी हस्तक्षेप परिवर्तन को गति दे रहे हैं: इस परिवर्तन को राष्ट्रीय नेतृत्व और रणनीतिक सरकारी हस्तक्षेपों से महत्वपूर्ण समर्थन मिला है। माननीय प्रधानमंत्री के नेतृत्व ने इस आंदोलन को असाधारण गति दी है। उनका 'वोकल फॉर लोकल' और 'लोकल टू ग्लोबल' का बार-बार किया गया आह्वान कारीगरों के प्रति उनके गहरे लगाव को दर्शाता है। वह हमेशा नागरिकों से स्थानीय उत्पाद खरीदने का आग्रह करते हैं, जैसा कि उन्होंने स्वयं कहा है कि: 'जबहमऐसाकरतेहैं, तो हम केवल सामान नहीं खरीदते हैं; हम एक परिवार के लिए आशा लाते हैं, एक कारीगर की कड़ी मेहनत का सम्मान करते हैं, और एक युवा उद्यमी के सपनों को पंख देते हैं।' उन्होंने अपने नवीनतम 'मन की बात' संबोधन में बताया कि वह विश्व के नेताओं के साथ मुलाकातों के दौरान जानबूझकर हाथ से बने भारतीय उत्पादों को ही उपहार के रूप में क्यों देते हैं। ऐसा करके वह यह सुनिश्चित करते हैं कि वह जहाँ भी जाएँ उनके साथ साथ भारत की समृद्ध शिल्प विरासत भी जाये। उन्होंने कहा की कि यह केवल प्रतीकात्मक नहीं है, बल्कि यह उनकी ओर से भारत की कलात्मक विरासत को प्रदर्शित करने का एक तरीका है ताकि हमारे कारीगरों की प्रतिभा को दुनिया भर के सामने लाया जा सके। विभिन्न सरकारी पहलें इस परिवर्तन को गति दे रही हैं। वस्त्र मंत्रालय, विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) के माध्यम से, राष्ट्रीय हस्तशिल्प विकास कार्यक्रम के तहत कारीगरों को कौशल विकास, क्लस्टर-आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम, विपणन सहायता, अवसंरचना और प्रौद्योगिकी सहायता और ऋण उपलब्ध कराकर सीधे सहायता प्रदान कर रहा है। राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान(निफ्ट) ने भारत भर में अपने 19 परिसरों के माध्यम से, शिल्पकारों और समकालीन डिजाइनरों के बीच सेतु का निर्माण किया है ताकि आधुनिक डिजाइनों में हमारी परम्परा की झलक भी मिल सके। भौगोलिक संकेत रजिस्ट्री ने 366 से अधिक हस्तशिल्पों को संरक्षित किया है। इससे सामुदायिक प्रतिभा की सुरक्षा सुनिश्चित होती है और उन्हें सही में मान्यता मिलती है।

मैं असम राज्य से हूँ, वहां के कई पारंपरिक हस्तशिल्पों जैसे कि सर्थेबारी मेटल क्राफ्ट,माजुली मास्क, बिहू ढोल, जापी, पानी मेतेका, आशारिकांदी टेराकोटा और बोडो समुदाय के कई अन्य हस्तशिल्पों को हाल ही में भौगोलिक संकेत (जीआई टैग) पंजीकरणों की मान्यता मिली है जो कि बहुत लंबे समय से अपेक्षित थी। प्रत्येक पंजीकरण यह दर्शाता है कि कैसे असम या पूरे भारत के हर कोने में विविधता की झलक मिलती है जो दशकों तक उपेक्षित रहने के बाद, आज राष्ट्रीय मंच पर एक नया स्थान पा रही है।

विकसित भारत के लिए एक गतिशील और विकसित होती विरासत: भारत के हस्तशिल्प विकास में सबसे बड़ा सबक यह है कि परंपरा स्थिर नहीं हैबल्कि यह अनुकूलित होती है, अवशोषित होती है और आगे बढ़ती है। जलकुंभी की घरेलू टोकरियों से लेकर अन्य वैश्विक सामानों तक की यात्रा हमारे कारीगर समुदायों के व्यवहारिकता और रचनात्मकता का प्रतीक है। जैसे-जैसे भारत 2047 तक विकसित भारत के अपने दृष्टिकोण को साकार करने की ओर बढ़ रहा है, वैसे ही हस्तशिल्प क्षेत्र विरासत और नवोन्मेष, ग्रामीण आजीविका और वैश्विक आकांक्षा, पहचान और आधुनिकता के एक शक्तिशाली चौराहे पर खड़ा है।

यह आंदोलन जैसे-जैसे मज़बूत होता जा रहा है, हम सबकी भी ज़िम्मेदारी बनती है कि हर कारीगर को सशक्त बनाया जाए और हमारी प्रत्येक परंपरा फलती-फूलती रहे। भारत की हस्तशिल्प विरासत सिर्फ़ एक याद बनकर नहीं रहनी चाहिए, बल्कि हमारी पहचान एक जीवित अभिव्यक्ति के रूप में फलनी-फूलनी चाहिए। हर बार जब कोई परिवार स्थानीय चीज़ें चुनता है या हर बार जब कोई डिज़ाइनर किसी हस्तशिल्प समूह के साथ भागीदारी करता है, तो वह आत्मनिर्भर भारत की भावना को ही आगे बढ़ाता है। ये वही सधे हुए सृजनशील और सदियों की समझदारी से संजोये हुए हाथ है जो भारत कीआने वाली पीढ़ियों का मार्ग दर्शन करेंगे।

(लेखक कपड़ा और विदेश राज्य मंत्री हैं)

सिकुड़ती लाल पट्टी, उभरता नया भारत

मुकेश कुमार तिवारी

सत्तर और अस्सी के दशक में जो चिंगारी भड़की थी, वह 2000 के दशक तक आकर एक व्यापक सुरक्षा चुनौती बन गई। अनेक सरकारों ने प्रयास किए, परंतु दिशा और संकल्प के अभाव ने स्थिति को और जटिल किया। 2014 के बाद इस चुनौती के प्रति वह दृष्टि सामने आई जिसने न केवल हिंसा को नियंत्रित किया, बल्कि समाज के भीतर नई आशा, नए विश्वास और नए आत्मबल का संचार भी किया। आज जब आंकड़ों और जमीनी हकीकत को देखा जाए, तो स्पष्ट होता है कि मोदी सरकार ने नक्सलवाद को कमजोर ही नहीं किया।

(लेखक – /ईएमएस)

भारत की आंतरिक सुरक्षा पर जब गंभीर विमर्श होता है, तो नक्सलवाद एक ऐसे घाव की तरह सामने आता है जिसने दशकों तक राष्ट्र की शांति, स्थिरता और प्रगति को चुनौती दी है। यह संघर्ष केवल बंदूकों का नहीं, बल्कि विचारों, विकास, विश्वास और शासन क्षमता का भी रहा है। सत्तर और अस्सी के दशक में जो चिंगारी भड़की थी, वह 2000 के दशक तक आकर एक व्यापक सुरक्षा चुनौती बन गई। अनेक सरकारों ने प्रयास किए, परंतु दिशा और संकल्प के अभाव ने स्थिति को और जटिल किया। 2014 के बाद इस चुनौती के प्रति वह दृष्टि सामने आई जिसने न केवल हिंसा को नियंत्रित किया, बल्कि समाज के भीतर नई आशा, नए विश्वास और नए आत्मबल का संचार भी किया। आज जब आंकड़ों और जमीनी हकीकत को देखा जाए, तो स्पष्ट होता है कि मोदी सरकार ने नक्सलवाद को कमजोर ही नहीं किया बल्कि उसके वैचारिक आधार को भी क्षीण कर दिया है। नक्सलवाद का सबसे बड़ा संकट यह था कि जिन क्षेत्रों को सरकार की सबसे अधिक उपस्थिति चाहिए थी, वही प्रशासनिक रिक्तता की चपेट में आते गए। 2004 से 2014 के बीच विकास योजनाएँ फाइलों में दौड़ती रहीं, पर जमीन पर कदम नहीं रख सकीं। सड़क, पुल, स्वास्थ्य केंद्र या स्कूल किसी की भी नियति कार्यान्वयन के अभाव में अधर में लटकी रही। सुरक्षा बल सीमित संसाधनों और अस्थिर राजनीतिक संकेतों के बीच फंसे रहे। यूपीए सरकार का रुख अस्पष्ट था और शीर्ष नेतृत्व से विरोधाभासी संदेश जाते थे। कहीं 'विकास' पर ज़ोर, तो कहीं नक्सलियों को 'भटके हुए बच्चे' कहकर संकेतों को धुंधला कर देना इस मिश्रित नीति ने सुरक्षा बलों का मनोबल भी प्रभावित किया और नक्सलियों को मनोवैज्ञानिक बढ़त भी दी। परिणामस्वरूप नक्सल हिंसा का प्रभाव बढ़ता गया और दो सौ से अधिक जिलों में इसका फैलाव हो गया। मनरेगा जैसी योजनाएँ ठप पड़ गईं, पंचायतें निष्क्रिय हो गईं और स्थानीय अर्थव्यवस्था गहरे संकट में चली गई।

दूसरी ओर, नक्सलियों की हिंसक रणनीति ग्रामीण समाज की रीढ़ तोड़ती गई। स्कूलों को जलाया गया, स्वास्थ्य केंद्रों को उड़ाया गया, सड़कों को बमों से उड़ाकर दुनिया से काट दिया गया। कई गांव वर्षों तक पुलिस या प्रशासन की पहुँच से बाहर रहे। ऐसे माहौल ने आदिवासी समाज के भीतर सरकार के प्रति अविश्वास को और बढ़ाया और नक्सलियों को स्वयं को 'विकल्प' के तौर पर प्रस्तुत करने का मौका दिया। यही वह परिदृश्य था जिसमें 2014 के बाद नक्सल विरोधी रणनीति ने निर्णायक मोड़ लिया। पहली बार केंद्र और राज्यों के लिए एकीकृत राष्ट्रीय नीति तैयार की गई। 'नेशनल पॉलिसी एंड एक्शन प्लान' ने सुरक्षा, विकास और पुनर्वास तीनों को एक साथ आगे बढ़ाने की दिशा स्पष्ट की। यह वही बिंदु था जहाँ नीतिगत एकरूपता ने धरातल पर ठोस परिवर्तन की नींव डाली। मोदी सरकार ने इस पूरे संघर्ष को केवल सुरक्षा चुनौती नहीं माना, बल्कि इसे सामाजिक विश्वास, आर्थिक विकास और प्रशासनिक उपस्थिति की लड़ाई के रूप में समझा।

सुरक्षा मोर्चे पर सबसे बड़ा बदलाव क्षमता निर्माण का था। हजारों करोड़ रुपये सिक्योरिटी रिलेटेड एक्सपेंडिचर के माध्यम से राज्यों को दिए गए। नए कैंप, फोर्टिफाइड पुलिस स्टेशन, आधुनिक हथियार, ड्रोन, हेलिपैड इन सबने सुरक्षा बलों को वह मजबूती दी जिसकी कमी वर्षों से महसूस की जा रही थी। जिन इलाकों में अधिकारी जाने तक को तैयार नहीं होते थे, वहाँ अब सड़कें बन रहीं थीं, पुल खड़े हो रहे थे और प्रशासन नियमित रूप से गश्त कर रहा था। समन्वय और खुफिया तंत्र की मजबूती ने ऑपरेशन को अधिक सफल और लक्ष्य उन्मुख बनाया। दंतेवाड़ा जैसे हमलों के बाद जिस कमजोरी पर चर्चा होती थी, वह धीरे-धीरे क्षमता और दक्षता में बदलने लगी। मोदी सरकार की रणनीति की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि उसने नक्सलवाद को केवल बंदूक से नहीं, बल्कि विकास और पुनर्वास से भी जवाब दिया। सैकड़ों नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया क्योंकि पुनर्वास नीति ने उन्हें सम्मान, सुरक्षा और एक नई जिंदगी का अवसर दिया। मकान, शिक्षा, कौशल प्रशिक्षण, रोजगार, नकद सहायता इन सभी ने हथियार छोड़ने की प्रक्रिया को मानवीय बनाया और समाज में लौटने का रास्ता सरल किया। यह वह नीति थी जिसने हिंसा का वैकल्पिक मार्ग प्रस्तुत किया।

विकास के मोर्चे पर परिवर्तन और भी स्पष्ट है। हजारों किलोमीटर सड़कें, नए मोबाइल टावर, बैंक शाखाएँ, जनजातीय आवासीय विद्यालय, कौशल केंद्र, स्वास्थ्य संस्थान इन सबने उन क्षेत्रों को मुख्यधारा में जोड़ा जो दशकों से प्रशासन के नक्शे में केवल नाम मात्र थे। जब सड़क पहुंची तो बाजार पहुँचा, जब बैंक आया तो अर्थव्यवस्था आई, जब स्कूल खुला तो भविष्य खुला। इन परिवर्तनों ने ग्रामीण समुदायों को यह एहसास कराया कि राज्य अब दूर नहीं है, बल्कि उनके साथ खड़ा है। सुरक्षा मजबूत हुई, विकास पहुँचा, और परिणाम हुआ हिंसा में अभूतपूर्व कमी। पिछले वर्षों में नक्सल हिंसा 80 प्रतिशत तक घट गई। सुरक्षा बलों पर हमले तेजी से कम हुए, और सबसे प्रभावित जिलों की संख्या लगभग एक-तिहाई रह गई। इस गिरावट का अर्थ मात्र आंकड़ों में सुधार नहीं, बल्कि जीवन में सुरक्षा का लौटना है। वह सुरक्षा जो वर्षों से खो चुकी थी।

पहाड़ केवल ज़मीन नहीं, प्रकृति के शृंगार हैं

दिलीप कुमार पाठक

अंतर्राष्ट्रीय पर्वत दिवस हर साल 11 दिसंबर को मनाया जाता है। यूएनओ ने 2003 में पर्वतों के महत्व और उनके संरक्षण के बारे में घोषणा की। पर्वत न केवल प्राकृतिक संतुलन बनाए रखते हैं बल्कि यह वनस्पति, जलीय स्रोत और जैव विविधता के भी महत्वपूर्ण स्रोत हैं। अंतर्राष्ट्रीय पर्वत दिवस का उद्देश्य लोगों को पर्वतों की सुरक्षा की आवश्यकता और महत्व को समझाना है, पर्वतों की स्थिति में भारत के विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में कई प्रमुख पर्वत श्रृंखलाएँ स्थित हैं। देश के कुल भूमि क्षेत्र का लगभग 30 प्रतिशत भाग पर्वतों से आच्छादित है। पर्वतों की सुरक्षा के लिए सतत विकास अत्यंत महत्वपूर्ण है। जलवायु परिवर्तन और भीषण दोहन के कारण आज पहाड़ों पर गंभीर खतरे पैदा हो रहे हैं, अनियंत्रित और अत्यधिक पर्यटन ने प्रदूषण, विशेष रूप से गैर-बायोडिग्रेडेबल प्लास्टिक कचरे की समस्या को गंभीर बना दिया है। पर्वतीय कस्बों में अपशिष्ट निपटान की अपर्याप्त सुविधाओं के कारण नाजुक पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान हो रहा है। बढ़ती मांगों को पूरा करने के लिए प्राकृतिक संसाधनों का अति-दोहन किया जा रहा है। अरावली जैसी पर्वतमालाओं में अनियंत्रित खनन ने पर्यावरण को गंभीर रूप से घायल किया है, जिससे मरुस्थलीकरण और जल संकट जैसी समस्याएँ उत्पन्न हुई हैं। पर्वतीय समुदायों को अक्सर गरीबी, अपर्याप्त बुनियादी ढांचे और सीमित डिजिटल कनेक्टिविटी जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इसलिए इनका संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। पर्वत न केवल पहाड़ी इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए बल्कि तालाबों में बसे लाखों लोगों के लिए भी बेहद महत्वपूर्ण हैं। ये हैं दुनिया की प्रमुख नदियाँ और जल चक्र में अहम भूमिका निभाते हैं। इस दिन पहाड़ों के विकास और उनसे मिलने वाले अवसरों पर भी ध्यान केंद्रित किया जाता है। यह लोगों को पर्यावरण में पर्वतों की भूमिका और उनके जीवन पर प्रभाव के बारे में शिक्षा देता है। अंतर्राष्ट्रीय पर्वत दिवस हर साल एक विशेष थीम के साथ मनाया जाता है। अंतर्राष्ट्रीय पर्वत दिवस का इतिहास 1992 से शुरू हुआ, जब संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण और विकास सम्मेलन के अध्याय 13 में संवेदनशील प्रशिक्षण तंत्र का प्रबंधन: सतत विकास के तहत विशिष्टता को शामिल किया गया था। यह पर्वत विकास के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर सिद्ध हुआ। पहाड़ों के महत्व की ओर बढ़ते ध्यान को देखते हुए, संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2002 को संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय पर्वत वर्ष घोषित किया और 2003 से हर साल 11 दिसंबर को अंतर्राष्ट्रीय पर्वत दिवस का निर्णय लिया। इसलिए, पहली बार अंतर्राष्ट्रीय पर्वत दिवस 11 दिसंबर 2003 को मनाया गया था। पर्वतों में प्रकृति के अनमोल रत्न शामिल हैं जिनका हमें संरक्षण करना चाहिए। ये हैं दुनिया की 15% आबादी के घर और आसपास के आदिवासियों के समूह में शामिल हुए हैं। पहाड़ के किसानों को जीवन के लिए ताज़ा पानी उपलब्ध कराते हैं, कृषि को बनाए रखते हैं और स्वच्छ ऊर्जा और औषधियों की आपूर्ति में मदद करते हैं। दुर्भाग्य से, जलवायु परिवर्तन, भारी दोहन और प्रदूषण के कारण पर्वत खतरे में हैं, जिससे न केवल पर्यावरण बल्कि वहां रहने वाले लोगों के लिए भी खतरा बढ़ रहा है। जैसे-वैश्विक तापमान बढ़ रहा है, पर्वतीय तापमान बढ़ रहा है, जिससे नीचे के क्षेत्र में पानी की आपूर्ति प्रभावित हो रही है। पर्वतीय क्षेत्रों में रहने वाले लोग, जो दुनिया के सबसे गरीब समुदायों में से हैं, जीवित रहने के लिए और भी बड़े-बड़े संकटों का सामना कर रहे हैं। ठेकों के कारण, कृषि, सुपरमार्केट या दुकानदारों के लिए किसानों को साफ करने से मिट्टी का कटाव और आवासों का नुकसान हो सकता है। कटाव और प्रदूषण न केवल जल प्रवाह की गुणवत्ता को नुकसान पहुंचाते हैं बल्कि मिट्टी की वास्तुकला को भी कम करते हैं। दरअसल, पूर्वोत्तर देशों में 311 मिलियन ग्रामीण पर्वतीय लोग क्षेत्र में रहते हैं, जहां भूमि का स्थिरीकरण हो रहा है, और इनमें से 178 मिलियन लोग खाद्य सुरक्षा के खतरे का सामना कर रहे हैं। यह समस्या हम सभी को प्रभावित करती है।

खास बात

चर्चा नहीं, चुनाव सुधार की जरूरत, मोदी-शाह निशाने पर?

संसद में चुनाव सुधार को लेकर बड़ी चर्चा हो रही है। विपक्ष, सत्ता पक्ष और सरकार की बीच मिली भगत का आरोप लगा रहा है। जिस तरह से मुख्य चुनाव आयोग की नियुक्ति प्रधानमंत्री और गृह मंत्री करते हैं। ऐसी स्थिति में चुनाव कैसे निष्पक्ष चुनाव कराएगा। इसको लेकर विपक्ष ने सत्ता पक्ष और चुनाव आयोग को कटघरे में खड़ा किया है। सरकार इसका कोई जवाब नहीं दे रही है। सरकार ने कानून बनाकर चुनाव आयोग को अपराध करने के बाद भी संरक्षण क्यों दिया है। इसके जवाब में सत्ता पक्ष द्वारा पुराने 75 वर्षों की आड़ लेकर मुर्दे जरूर उखाड़े जा रहे हैं। इसको देखते हुए लोग अब कहने लगे हैं। चर्चा से काम नहीं चलेगा, चुनाव आयोग को पारदर्शिता और जवाब देही के साथ चुनाव कराने होंगे। सरकार को पारदर्शिता के नियम बनाने होंगे।

एक देश और एक चुनाव की ओर बढ़ता कदम?

सरकार का मानना है, एक देश और एक चुनाव के जरिए वह केंद्र और राज्यों पर कब्जा कर सकती है। इस समय चुनाव और सत्ता का संतुलन केंद्र सरकार के हाथ मे है। चुनाव आयोग, न्यायपालिका हो कार्यपालिका, सभी संवैधानिक संस्थाओं पर संघ की विचारधारा के लोग बैठे हुए हैं। राज्यपालों की भूमिका अति महत्वपूर्ण हो गई है। यह आरोप, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने संसद के अंदर लगाया है। सरकार यह मानकर चल रही है। इससे अच्छा समय और अवसर फिर कभी नहीं मिलेगा। देश की आर्थिक हालात बिगड़े, इसके पहले ही एक देश और एक चुनाव कराकर केंद्र सरकार और राज्यों की सत्ता पर काबिज हुआ जा सकता है। 2026 में सारे देश में लोकसभा और विधानसभा के चुनाव एक साथ हो सकते हैं। इस बात की संभावना बन गई है।

नेहरू गांधी पर ही निशाना क्यों?

भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ नेहरू गांधी परिवार को अपना सबसे बड़ा दुश्मन मानकर चलता है। इसके पीछे क्या बात है, इसको लेकर राजनीतिक हलको में कहा जा रहा है। भाजपा को सबसे ज्यादा डर और भय नेहरू गांधी परिवार से लगता है। पिछले 12 वर्षों में राहुल गांधी को पप्पू बनाने और नेहरू-गांधी परिवार के सदस्यों की इतनी आलोचना करने के बाद भी, देश की 300 लोकसभा सीटों पर अभी भी कांग्रेस का बड़ा प्रभाव है। गांधी परिवार के कारण ही कांग्रेस अस्तित्व में बनी हुई है। भाजपा को क्षेत्रीय दलों से नहीं ,कांग्रेस से सबसे बड़ा खतरा है। इसलिए कांग्रेस को डैमेज करने के सारे प्रयास भाजपा और संघ द्वारा किए जाते हैं। इसमें कितनी सफलता मिलेगी? कहना मुश्किल है। नेहरू गांधी परिवार के विरोध के पीछे यही एक वजह है।

ट्रंप कौन से जन्म का बदला निकाल रहे हैं?

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत के साथ किस जन्म का बदला निकाल रहे हैं। इसको लेकर तरह-तरह की चर्चा शुरू हो गई है। भारत से जो चावल अमेरिका निर्यात किया जाता है। उस पर टेरिफ लगाने की धमकी डोनाल्ड ट्रंप ने दी है। भारत से अमेरिका जाने वाले चावल और कनाडा से आने वाली खाद पर अतिरिक्त टैरिफ लगाने की चेतावनी ट्रंप ने दी है। इससे भारतीय किसानों को बड़ा नुकसान उठाना पड़ेगा। वहीं सरकार के लिए भी आने वाले समय में आर्थिक मुसीबतें बडी तेजी के साथ बढ़ेंगी। मोदी ने अमेरिका जाकर ट्रंप के चुनाव का प्रचार किया था। इसका भी लिहाज ट्रंप क्यों नहीं कर रहे हैं।

राशिफल

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, पौष कृष्ण पक्ष, हेमंत रितु गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोस्त पश्चिमी तिथी, सप्तमी गुरुवासरे, मघा नक्षत्रे, विलयोगे, विवकरणे, सिंह की चंद्रमा, भद्रा 0/3 शुक्रास्त पूर्वे 43/25 मूल समाप्त प्रात: 7/47 रवियोग 2/44 धान्य छेदन मुर्हूत तथापि पूर्व दिशा की यात्रा शुभ उत्तम फलदायी होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल: आज जन्म लिया बालक योग्य बुद्धिमान, चतुर, चपल, चंचल, स्वाभिमानी, कुशल शासक, प्रशासक, उत्तम व्यापारी, कुशल इंजीनियर, डॉक्टर, बैंक कर्मचारी, कैशियर, लेखापाल तथा उत्तम उद्योगपति, एमबीए करने वाला तथा एमसीए करने वाला, कम्प्यूटर, इंजीनियर कम्प्यूटर ऑपरेटर तथा कम्प्यूटर की दुकान खोलने वाला तथा टाईपिस्ट होगा।

मेष राशि- तनावपूर्ण वातावरण से बचिए, स्त्री शारीरिक मानसिक कष्ट, मानसिक बेचैनी अवश्य बनेगी।

वृष राशि- अधिकारियों के सर्मथन से सुख होवे, कार्य गति विशेष अनुकूल किन्तु विचार भेद अवश्य बनेंगे।

मिथुन राशि- भोग ऐश्वर्य प्राप्ति, वाद, तनाव व क्लेश होवे, तनाव से बचकर अवश्य चले।

कर्क राशि- अधिकारियों का समर्थन फलप्रद होगा, भाग्य साथ दें, बिगड़े कार्य अवश्य ही बनेंगे।

सिंह राशि- परिश्रम सफल हो, व्यवसाय मंद हो, आर्थिक योजना सफल अवश्य ही हो जाएगी।

कन्या राशि- कार्य गति सामान्य रहे, व्यर्थ परिश्रम, कार्यगति मंद अवश्य होगा, ध्यान रखें।

तुला राशि- किसी दुर्घटना से बचे, चोट चपेट आदि का भय होगा, रुके कार्य अवश्य ही बन जाएगे।

वृश्चिक राशि- कार्य गति अनुकूल रहे, लाभान्वित कार्य योजना बनेगी, बाधा आदि से बच सकेंगे।

धनु राशि- कुछ प्रतिष्ठा के साधन बने, किन्तु हाथ में कुछ न लगे तथा कार्य अवरोध अवश्य होगा।

मकर राशि- अधिकारी वर्ग से तनाव, क्लेश होगा, मानसिक अशांति अवश्य ही बन जाएगी।

कुंभ राशि- मनोबल बनाए रखे, किन्तु हाथ में कुछ न लगे, नया कार्य अवश्य ही होगा, ध्यान दें।

मीन राशि- दैनिक कार्य गति उत्तम, कुटुम्ब में सुख समय उत्तम बनेगा, कार्य समझकर निपटा लें।

पीएल गौतमाचार्य

दैनिक पंचांग

11 दिसम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

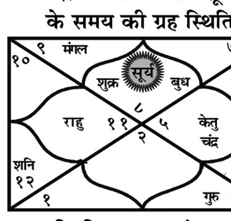

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृश्चिक में	धनु	06.57 बजे से
चंद्र	सिंह में	मकर	09.02 बजे से
मंगल	धनु में	कुंभ	10.49 बजे से
बुध	वृश्चिक में	मीन	12.22 बजे से
गुरु	मिथुन में	मेष	13.52 बजे से
शुक्र	वृश्चिक में	वृष	15.32 बजे से
शनि	मीन में	मिथुन	17.30 बजे से
राहु	कुंभ में	कर्क	19.44 बजे से
केतु	सिंह में	सिंह	22.00 बजे से
राहुकाल		कन्या	00.12 बजे से
1.30 से 3.00		तुला	02.23 बजे से
बजे तक		वृश्चिक	04.37 ब.से

गुरुवार 2025 वर्ष का 345 वा दिन **दिशाशूल** दक्षिण **ऋतु** हेमन्त। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** पौष (दक्षिण भारत में मृगशीर्ष) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** सप्तमी 13.58 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाफाल्गुनी 03.56 बजे रात्र को समाप्त। **योग** विष्कुम्भ 11.40 बजे को समाप्त। **करण** बव 13.58 बजे तदनन्तर बालव 02.22 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 20.7 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 23° 00' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872555 **जूलियन दिन** 2461020.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** जमादि उस्सानी **तारीख** 19 **विशेष** कालाष्टमी।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	05.54 से 07.22 बजे तक	**अमृत**	05.40 से 07.11 बजे तक
रोग	07.22 से 08.51 बजे तक	**चर**	07.11 से 08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से 10.19 बजे तक	**रोग**	08.43 से 10.15 बजे तक
चर	10.19 से 11.47 बजे तक	**काल**	10.15 से 11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से 01.15 बजे तक	**लाभ**	11.47 से 01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से 02.43 बजे तक	**उद्वेग**	01.19 से 02.51 बजे तक
काल	02.43 से 04.11 बजे तक	**शुभ**	02.51 से 04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से 05.40 बजे तक	**अमृत**	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

कच्छ में भूकंप का जोरदार झटका, डरे लोग घरों से भागे बाहर

कच्छ। गुजरात के कच्छ में देर रात भूकंप के महसूस किए गए। जैसे ही लोगों को समझ में आया कि ये भूकंप के झटके हैं लोग डरकर घर से बाहर की तरफ भागने लगे और अफरा-तफरा मच गई। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के अनुसार इस भूकंप की तीव्रता 3.7 मापी गई है जो हल्के से मध्यम श्रेणी का माना जाता है। भूकंप का केंद्र कच्छ क्षेत्र में ही था। चूंकि कच्छ इलाका पहले भी विनाशकारी भूकंप झेल चुका है इसलिए रात के समय आए इन झटकों से इलाके के लोगों में एक बार फिर दहशत फैल गई और कई लोग घरों से बाहर निकल आए। स्थानीय प्रशासन के अधिकारियों ने बताया कि इस भूकंप की तीव्रता अपेक्षाकृत कम थी। फिलहाल जान-माल के किसी भी तरह के नुकसान या किसी बड़ी क्षति की कोई खबर नहीं है। कच्छ क्षेत्र सिस्मिक ज़ोन में आता है जहां अक्सर हल्के-फुल्के भूकंप के झटके महसूस होते रहते हैं जो कि इस क्षेत्र के लिए सामान्य प्रक्रिया है।

इंडिगो मामले को लेकर राजनीतिक हलचल पर सांसद गोगोई ने कसा तंज

इंडिगो के पीछे की कहानी का पर्दाफाश होना चाहिए

नई दिल्ली ■ एजेंसी

इंडिगो मामले को लेकर राजनीतिक हलचल बढ़ती जा रही है। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने केंद्र सरकार की भूमिका पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि केवल मंत्री के बयान दे देने से सरकार अपनी जिम्मेदारियों से मुक्त नहीं हो सकती। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस पूरे प्रकरण की असल कहानी सामने आनी चाहिए और सदन में विस्तार से चर्चा होना बेहद जरूरी है। गौरव गोगोई ने मीडिया से बातचीत के दौरान आरोप लगाया कि पिछले दो दिनों में सरकार ने संसद के दोनों सदनों में दिए गए बयानों में पूरी जिम्मेदारी एक निजी कंपनी पर डाल दी है, जैसे उसकी खुद की कोई भूमिका ही न हो। उन्होंने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है मानो नियामक संस्थाओं की कोई जिम्मेदारी ही नहीं बची। हजारों उड़ानें रद्द हुईं, यात्रियों को एयरपोर्ट पर कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ा और उन्हें आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ा, लेकिन सरकार अपनी जवाबदेही से दूर खड़ी दिखाई देती है। सांसद ने यह भी कहा कि पायलटों की सुविधा के लिए लाए गए नए नियमों को

सरकार ने अचानक वापस ले लिया। न पायलटों को राहत मिली, न यात्रियों को और न ही सरकार ने अपनी भूमिका स्वीकार की। सिर्फ एक नोटिस जारी कर देने से सरकार की जिम्मेदारी खत्म नहीं हो जाती। उन्होंने कहा कि लोकसभा में मंत्री का बयान आने के बाद विपक्ष ने असहमति जताते हुए वॉकआउट किया, क्योंकि सरकार पूरे मामले पर ईमानदार चर्चा से बच रही है। उनका कहना था कि एक सप्ताह में कितनी उड़ानें रद्द हुईं, यह केवल आंकड़ा नहीं है, बल्कि इसके पीछे की पूरी सच्चाई सामने आनी चाहिए। गोगोई ने एविएशन इंडस्ट्री की स्थिति पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि सरकार भले ही तेज़ी से बढ़ते एविएशन बाजार की बात करे, लेकिन इसका क्या लाभ जब एयरपोर्ट पर बुनियादी सुविधाएं महंगी हों, टिकटों के दाम आसमान छू रहे हों, पायलटों और ग्राउंड स्टाफ की स्थितियां खराब होती जा रही हों और पूरी इंडस्ट्री कुछ निजी कंपनियों के इशारों पर चल रही हो। इसी मुद्दे पर दूसरी सांसद फौजिया खान ने भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि नोटिस भेजना जरूरी है, लेकिन क्या सारी गलती सिर्फ इंडिगो की है? क्या सरकार की कोई जिम्मेदारी नहीं बनती उन्होंने सवाल किया कि जो नियम लागू किए गए थे, वे क्या सही थे और यदि नहीं, तो अचानक पूरी व्यवस्था कैसे ठप हो गई? वापस लिए गए नियमों की सच्चाई भी सामने आनी चाहिए।

वंदे मातरम से जुड़े एक अन्य विवाद पर कांग्रेस नेता रेणुका चौधरी ने कहा कि फर्जी दस्तावेजों के सहारे जो भी कहा जाए, उससे सच्चाई नहीं बदलती। उन्होंने कहा कि इतिहास स्पष्ट बताता है कि स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान किसने क्या भूमिका निभाई और आज इस विषय पर सवाल उठाने वालों का उस दौर में कोई अस्तित्व तक नहीं था।

संक्षिप्त समाचार

तमिलनाडु में विस चुनाव.. इसलिए इंडी वालों को मंदिर में दीपक जलाने से तकलीफ

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद मनन कुमार मिश्रा ने मद्रास हाईकोर्ट के जस्टिस स्वामीनाथन के खिलाफ विपक्ष के महाभियोग नोटिस की आलोचना की। उन्होंने जस्टिस स्वामीनाथन के फैसले को सही बताकर कहा कि तमिलनाडु में चुनाव हैं, इसकारण डीएमके के लोग वोटों का ध्रुवीकरण करने में जुटे हैं। महाभियोग नोटिस पर भाजपा सांसद ने कहा, मंदिर में दीप जलाने में क्या गलत है? कोर्ट ने कहा कि सुरक्षा होनी चाहिए, अनुमति होनी चाहिए। हर मामले को आप महाभियोग तक ले आएंगे, तब यह महाभियोग जैसी प्रक्रिया का ही मजाक बनेगा। तमिलनाडु में चुनाव हैं और ये लोग वोटों का ध्रुवीकरण करना चाहते हैं, लेकिन इससे कोई लाभ होने वाला नहीं है। उन्होंने संसद में एसआईआर के विषय पर भी विपक्ष को दो टूक जवाब दिया। सांसद मिश्रा ने कहा कि अगर विपक्ष चुनाव आयोग की प्रक्रिया एसआईआर को वापस लेने पर अड़ा है, तब यह बिल्कुल भी संभव नहीं है। सांसद मिश्रा ने कहा, एसआईआर स्वच्छ और निष्पक्ष चुनाव के लिए देश के लिए जरुरी है। ये लोग हर रोज एसआईआर पर अनावश्यक टिप्पणियां कर रहे हैं। इन्होंने संसद में बहस की मांग की थी, वह भी हो गई। अब यदि इंडी गठबंधन वाले चाहते हैं कि चुनाव आयोग एसआईआर का प्रावधान वापस ले या समाप्त कर दे, ऐसा होने वाला नहीं है। इस बीच, भाजपा सांसद मिश्रा ने सोनिया गांधी को राउज एवेन्यू कोर्ट का नोटिस मिलने पर कहा, जब वह 1983 में देश की नागरिक बनीं, तब फिर सन 1980 में सोनिया वोटर कैसे बन गईं? इसके बाद एक मामला बनता है।

सात लोगों को घायल करने वाले तेंदुआ का वन विभाग ने किया रेस्क्यू

नागपुर। महाराष्ट्र के नागपुर शहर में बुधवार सुबह उस समय अफरातफरी मच गई जब पारडी क्षेत्र के शिव नगर में एक तेंदुआ अचानक आवासीय इलाके में पहुंच गया और कई लोगों पर हमला कर दिया। इस घटना में कुल सात लोग घायल हो गए। वन विभाग को जैसे ही क्षेत्र में तेंदुआ दिखने की सूचना मिली, टीम ने बगैर देरी किए मौके पर पहुंच उसे पकड़ने का प्लान बना लिया। उप वन संरक्षक डॉ. विनिता व्यास ने बताया, कि तेंदुए की मौजूदगी की पुष्टि होते ही वन विभाग और वन्यजीव उपचार केंद्र की संयुक्त टीम ने इलाके को घेर लिया। बचाव अभियान के दौरान तेंदुआ काफी आक्रामक हो गया और भागने की कोशिश में कई लोगों को अपने पंजों से घायल कर दिया। स्थिति को नियंत्रित करते हुए विशेषज्ञों ने तेंदुए पर बेहोश करने वाली दवा का उपयोग किया और उसे सुरक्षित तरीके से पिंजरे में कैद कर वन विभाग के नियंत्रण में ले लिया। घटना में घायल सभी लोगों को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। अधिकारियों के अनुसार सभी की हालत स्थिर बताई जा रही है। उल्लेखनीय है कि 19 नवंबर को भी इसी क्षेत्र में एक तेंदुए को पकड़ा गया था, जिससे स्थानीय निवासियों में वन्यजीवों की बढ़ती आवाजाही को लेकर चिंता बढ़ गई है।

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर तेज रफ्तार ब्रेज़ा की दूसरी कार से टक्कर, पांच की मौत

बाराबंकी। यूपी के बाराबंकी जिले में बुधवार को सुबेहा थाना इलाके में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर एक भीषण सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत हो गयी। यहाँ कुड़वां गांव के निकट 51.6 किलोमीटर पर तेज रफ्तार से आ रही ब्रेज़ा कार ने पहले से खड़ी वैगनआर में जोरदार टक्कर मार दी, जिससे दोनों गाड़ियां आग की लपटों में घिर गईं। घटनाक्रम के अनुसार लखनऊ की ओर जा रही ब्रेज़ा कार अचानक खड़ी वैगनआर से जा टकराई। टक्कर इतनी भयंकर थी कि वैगनआर में तुरंत आग लग गई और कुछ ही पलों में दोनों गाड़ियां धू-धू कर जलने लगीं। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और यूपीडा के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और बचाव कार्य में जुट गए। बताया जा रहा है कि ब्रेज़ा में सवार चार लोगों में तीन महिलाएं और एक लड़की थी। इनमें से तीन सुरक्षित हैं, लेकिन एक लड़की की हालत गंभीर बनी हुई है।

आपका पैसा, आपका अधिकार भूली वित्तीय संपत्ति को नए अवसर में बदलने का मौका

हम सब मिलकर एक पारदर्शी, सशक्त और समावेशी भारत का निर्माण करें: पीएम

नई दिल्ली ■ एजेंसी

पीएम नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि आपका पैसा, आपका अधिकार पहल का मकसद यह पक्का करना है कि हर नागरिक अपने हक का पैसा वापस पा सके, क्योंकि भारतीय बैंकों, बीमा और म्यूचुअल फंड कंपनियों में हजारों करोड़ रुपए बिना दावे के पड़े हैं। पीएम मोदी ने पोस्ट में कहा कि यह एक भूली हुई वित्तीय संपत्ति को एक नए अवसर में बदलने का मौका है। आइए, हम सब मिलकर एक पारदर्शी, आर्थिक रूप से सशक्त और समावेशी भारत का निर्माण करें।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पीएम मोदी ने बताया कि भारतीय बैंकों के पास हमारे अपने नागरिकों के 78,000 करोड़ रुपए बिना क्लेम किए पड़े हैं। इंश्योरेंस कंपनियों के पास करीब 14,000 करोड़ रुपए बिना क्लेम के पड़े हैं। म्यूचुअल फंड कंपनियों के पास करीब 3,000 करोड़ रुपए हैं, और 9,000 करोड़ रुपए के डिविडेंड भी बिना क्लेम किए हुए हैं। अपनी पोस्ट में, पीएम मोदी ने कहा कि इन तथ्यों ने बहुत से लोगों को चौंका दिया है। उन्होंने कहा कि आखिरकार ये संपत्तियां अनगिनत परिवारों की कड़ी मेहनत की बचत और निवेश हैं। इसे ठीक करने के लिए, अक्टूबर 2025 में आपका पैसा, आपका अधिकार पहल शुरू की गई थी। इसका मकसद यह तय करना है कि हर नागरिक वह वापस पा सके जो सही मायने में उसका है।

फंड को ट्रैक करने और क्लेम करने की प्रक्रिया को आसान और पारदर्शी बनाने के लिए, खास पोर्टल बनाए गए हैं। भारतीय रिजर्व बैंक के पास बिना क्लेम किए गए बैंक डिपॉजिट और बैलेंस के लिए यूडीजीएएम पोर्टल है; भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण के पास बिना क्लेम किए गए बीमा पॉलिसी के पैसे के लिए बीमा भरोसा पोर्टल है; भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास म्यूचुअल फंड में बिना क्लेम की गई रकम के लिए मित्र पोर्टल है, और कॉर्पोरेट मामलों का मंत्रालय बिना भुगतान किए गए डिविडेंड और बिना क्लेम किए गए शेयरों के लिए आईईपीएफए पोर्टल प्रदान करता है।

पीएम मोदी ने कहा कि मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि दिसंबर 2025 तक ग्रामीण और शहरी भारत के 477 जिलों में सुविधा कैंप आयोजित किए गए हैं। दूरदराज के इलाकों को कवर करने पर जोर दिया गया है। सभी स्टेकहोल्डर्स, खासकर सरकार, रेगुलेटरी बॉडी, बैंकों और अन्य फाइनेंशियल संस्थानों के मिले-जुले प्रयासों से, करीब 2,000 करोड़ रुपए पहले ही सही मालिकों को लौटा दिए गए हैं।

पीएम मोदी ने आगे कहा कि आने वाले दिनों में इस अभियान को और बढ़ाया जाएगा। उन्होंने कहा कि ऐसा करने के लिए मैं आपसे निम्नलिखित बातों पर मदद का अनुरोध करता हूं। जांचें कि क्या आपके या आपके परिवार के पास बिना क्लेम किए गए डिपॉजिट, बीमा के पैसे, डिविडेंड या निवेश हैं, मैंने जिन पोर्टल्स का जिक्र किया है, उन पर जाएं और अपने जिले में सुविधा कैंप का इस्तेमाल करें।

नकली दवाओं और खांसी के सिरप पर सरकार की सख्ती

मुंबई ■ एजेंसी

महाराष्ट्र सरकार ने राज्य में नकली दवाओं और खांसी की सिरप की रोकथाम के लिए अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। महाराष्ट्र फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) के मंत्री नरहरी जिर्वाल ने राज्य विधानसभा में इसबारे में जानकारी दी। मंत्री ने बताया कि एफडीए ने एक विशेष अभियान शुरू किया है जिसके तहत खांसी की सिरप और अन्य दवाओं के नमूने सरकारी अस्पतालों और ड्रग टेस्टिंग लैब में जांच और विश्लेषण के लिए भेजे गए। अनियमितताओं का पता चलने पर 176 रिटेलर्स और 39 होलसेलर्स के लाइसेंस रद्द किए गए हैं। वहीं 136 रिटेलर्स और 93 होलसेलर्स का निरीक्षण किया और कारण-बताओ नोटिस जारी कर कई लाइसेंस रद्द किए गए। डॉक्टरों, क्लिनिकल संस्थाओं और फार्मासिस्टों को प्रोप्रानोलोल युक्त दवाएं न लिखने और न बेचने के निर्देश दिए गए हैं।

नमूनों की जांच के निष्कर्ष: मुंबई, ठाणे, पुणे, औरंगाबाद और नागपुर में 36 नमूनों की जांच की गई, जिनमें से 34 नमूने घटिया पाए गए। इन दवाओं में उच्च रक्तचाप, मधुमेह, तपेदिक, हृदय रोग और रक्त शुद्धिकरण से जुड़ी दवाएं शामिल थीं। एक विशेष ब्रांड की बच्चों की खांसी की सिरप के 6 नमूने निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं पाए गए। कुछ दवाओं के घटक बदल दिए गए थे या उन्हें मिश्रित करके नए नाम (जैसे पैंक्रियाटइन/पैंक्रियाटिन) से बेचा गया। कुछ नकली/घटिया दवाएं अनधिकृत कंपनियों द्वारा सरकारी अस्पतालों तक भी भेजी गईं। ड्रग इंस्पेक्टर के 176 पद (19.4 प्रतिशत) खाली होने के कारण कई जिलों में नियमित ड्रग टेस्टिंग और नियंत्रण प्रभावित हुआ है। महाराष्ट्र सरकार ने एमपीएससी के जरिए 109 ड्रग इंस्पेक्टरों की भर्ती करने का निर्णय लिया है। महाराष्ट्र में मुंबई, नागपुर और पुणे में तीन लैब हैं।

गाय को चिकन-मोमोज खिलाने वाले यूट्यूबर ऋतिक की जमकर पिटाई, मामला दर्ज

गुरुग्राम ■ एजेंसी

गुरुग्राम में गाय को चिकन मोमोज खिलाते वीडियो वायरल होने के बाद यूट्यूबर को हिंदू संगठनों के कुछ कार्यकर्ताओं ने उसे पकड़कर पहले पीटा और फिर पुलिस के हवाले कर दिया। आरोपी युवक का कहना है कि कुछ लोगों ने उसका ब्रेनवॉश किया था और पैसों का लालच देकर गाय को मांस खिलाने को कहा था।

लड़के ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए माफी मांगी और आगे ऐसा नहीं करने की बात कही। पुलिस ने उसके खिलाफ धार्मिक भावनाएं भड़काने के आरोप में मामला दर्ज किया है। आरोपी की पहचान ऋतिक चंदाना के रूप में हुई है जो न्यू कॉलोनी का रहने वाला है।

जानकारी के मुताबिक चंदाना कई सोशल मीडिया चैनल्स चलाता है। उसके पिता दुकान चलाते हैं और मां एक निजी अस्पताल में डॉक्टर है। डीयू से पढ़ाई करने वाले आरोपी ऋतिक का कहना है कि उसे ऐसा करने के लिए लालच दिया गया था। आरोपी 2 दिसंबर को सेक्टर-56 स्थित हुड्डा मार्केट में रेहड़ी पर चिकन मोमोज खा रहा था। उसने कुछ मोमोज खाए और बाकी वहां खड़ी एक गाय को खिला दिए। उसने इसका वीडियो बनवाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। इसके बारे में जानकारी मिलने के बाद हिंदू संगठन सक्रिय हो गए और उन्होंने आरोपी ऋतिक की पहचान कर उसे पकड़ लिया। जानकारी के मुताबिक जांच अधिकारी इंद्र ने बताया कि मामला दर्ज कर आरोपी ऋतिक को जमानत पर छोड़ दिया है।

महिलाओं पर अभद्र टिप्पणी करके बुरे फंसे संत अनिरुद्धाचार्य

कोर्ट में परिवाद दर्ज, एक जनवरी को सुनवाई

मथुरा ■ एजेंसी

वृंदावन के प्रसिद्ध संत और कथावाचक अनिरुद्धाचार्य महिलाओं पर अभद्र टिप्पणी करके मुश्किलों में फंस गए हैं। उन्होंने प्रवचन के दौरान कहा था, महिलाएं 25 वर्ष की उम्र में चार जगह मुंह मार लेती हैं। इसलिए उनकी शादी 14 वर्ष की आयु में हो जानी चाहिए। इस बयान को लेकर अखिल भारतीय हिंदू महासभा आगरा की जिलाध्यक्ष मीरा राठौर ने कोर्ट में शिकायत की थी। मथुरा सीजेएम कोर्ट ने परिवाद यानी शिकायत दर्ज करते हुए मामले में सुनवाई के लिए एक जनवरी 2026 की तारीख तय की है।

अखिल भारतीय हिंदू महासभा आगरा की जिलाध्यक्ष मीरा राठौर ने मथुरा में मीडिया से बात की। भारतीय हिंदू महासभा आगरा जिलाध्यक्ष मीरा राठौर ने संत अनिरुद्धाचार्य के खिलाफ न्यायालय में लिखित प्रार्थना पत्र दिया था। उसमें कहा गया था कि कथा प्रवचन के दौरान अनिरुद्धाचार्य महिलाओं पर विवादित टिप्पणी करते हैं जो गलत है। संत ने एक

प्रवचन के दौरान कहा था, महिलाएं 25 वर्ष की उम्र में चार जगह मुंह मार लेती हैं। इसलिए उनकी शादी 14 वर्ष की आयु में हो जानी चाहिए। विवादित बयान के बाद जनपद न्यायालय सीजेएम कोर्ट ने मामला संज्ञान में लिया और 1 जनवरी को इस मामले में सुनवाई होगी।

वृंदावन के प्रसिद्ध संत अनिरुद्धाचार्य के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म यूट्यूब इंस्टाग्राम फेसबुक पर लाखों फॉलोअर हैं। अनिरुद्धाचार्य की कथा सुनने के लिए भक्तों का तांता लगा रहता है। वृंदावन परिक्रमा मार्ग पर उनका गौरी गोपाल के नाम से आश्रम बना हुआ है। कुछ महीने पहले वृंदावन में कथा प्रवचन के दौरान शिष्यों ने पूछा लड़कियों की शादी कब हो जानी चाहिए। इस पर संत ने जवाब दिया कि लड़कियों की शादी 14 वर्ष की अवस्था में हो जानी चाहिए। क्योंकि, 25 वर्ष की आयु होते-होते लड़कियां कई जगह मुंह मार लेती हैं जो गलत है।

अधिवक्ता मनीष गुप्ता ने बताया मीरा राठौर के द्वारा सीजेएम कोर्ट में एक लिखित शिकायत की गई थी, उसका कोर्ट ने संज्ञान लिया है। कोर्ट ने वाद को पंजीकृत कर लिया है। अब अगली सुनवाई एक जनवरी 2026 को होगी। इस दिन शिकायतकर्ता मीरा राठौर अपने बयान दर्ज कराएंगी।

कैंसर उपचार के क्षेत्र में रानी दुर्गावती विवि ने अहम उपलब्धि हासिल की

जबलपुर। *बायो डिजाइन इनोवेशन सेंटर, रानी दुर्गावती विवि के जैव प्रौद्योगिकी विभाग ने कैंसर उपचार के क्षेत्र में अहम उपलब्धि हासिल की हैं। अनुसंधानकर्ताओं ने पौधों में मिलने वाले औषधीय मेटाबोलाइट की पहचान की है, जो कीमोथैरेपी का जैव-अनुकूल, कम दुष्प्रभावी और सुरक्षित विकल्प बन सकते हैं। ये बायो-मॉलिक्यूल कैंसर कोशिकाओं की वृद्धि को रोकने की ताकत रखते हैं। मानव शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करते हैं। अगला परीक्षण इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च और देश के प्रमुख कैंसर संस्थानों के सहयोग से किया जाएगा। परीक्षण सफल होते हैं, तब यह शोध कैंसर उपचार के क्षेत्र में नई औषधीय दिशा की आधारशिला बन सकता है। डीआइसी प्रयोगशाला में कुल 1100 से अधिक पौध-जनित मेटाबोलाइट कंपाउंड्स का परीक्षण किया गया।*

दो नए और आधुनिक वाटर स्प्रिंकलर खरीदेगा

गोरखपुर में वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने में जुटा नगर निगम

गोरखपुर ■ एजेंसी

सीएम योगी के गृह शहर गोरखपुर में लगातार बढ़ते वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए नगर निगम ने कई महत्वपूर्ण कदम उठाने वाला है। राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) के तहत निगम करीब डेढ़ करोड़ की लागत से दो नए और आधुनिक वाटर स्प्रिंकलर खरीदने वाला है। इन स्प्रिंकलरों की फुहार से शहर के वायु प्रदूषण पर नियंत्रण रखेगा। इसके अलावा चौराहों पर प्रदूषण नियंत्रण संबंधी उपकरण भी लगाने की तैयारी है।

गोरखपुर नगर निगम के पास वर्तमान में चार वाटर स्प्रिंकलर मशीनें मौजूद हैं, लेकिन शहर के आकार और ट्रैफिक की बढ़ती गतिविधियों को देखकर धूल प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण के लिए संख्या कम है। निगम द्वारा किए जा रहे अध्ययन

में पाया गया कि मुख्य सड़कों और व्यस्त व्यापारिक इलाकों में वाहनों की आवाजाही के कारण धूल हवा में तेजी से फैलती है, जिससे वायु गुणवत्ता प्रभावित होती है।

नए स्प्रिंकलर जुड़ने से उन स्थानों पर रोजाना शिड्यूल के अनुसार छिड़काव किया जाएगा, जिससे जमीन पर जमा सूक्ष्म कण नीचे बैठ सकें और प्रदूषण का स्तर कम हो सके। नगर निगम की इस पहल से उम्मीद की जा रही है कि आने वाले दिनों में सीएम योगी के गोरखपुर की वायु गुणवत्ता में सुधार देखने को मिलेगा और शहरवासियों को स्वच्छ हवा का बेहतर वातावरण मिलेगा। इन स्प्रिंकलरों की फुहार से शहर के वायु प्रदूषण पर नियंत्रण रखा जाएगा। इनकी खरीद पर लगभग डेढ़ करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

निगम केवल स्प्रिंकलर व्यवस्था मजबूत करने तक सीमित नहीं है, बल्कि शहर में प्रदूषण को वैज्ञानिक तरीके से नियंत्रित करने के लिए अन्य कदम भी उठा रहा है। राजघाट क्रिमेटोरियम के पास जल्द ही एक पाल्युशन कंट्रोल डिवाइस (प्रदूषण नियंत्रण उपकरण) लगाया जाएगा, जिससे अंतिम संस्कार के दौरान निकलने वाला धुआं आसपास के इलाकों में प्रदूषण न फैला सके।

महाराष्ट्र पुलिस को बड़ी सफलता

गढ़चिरौली में 11 माओवादी कैडरों का आत्मसमर्पण

नागपुर, एजेंसी। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में पुलिस को बड़ी कामयाबी हासिल की है, जहाँ प्रतिबंधित सीपीआई (माओवादी) के 11 सीनियर और हार्डकोर कैडरों ने महाराष्ट्र की पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) रश्मि शुक्ला के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। आत्मसमर्पण करने वालों में कुल 11 कैडर शामिल है। इसमें दो डिवीजनल कमेटी सदस्य, तीन प्लाटून पार्टी कमेटी सदस्य, दो एरिया कमेटी सदस्य, चार आम पार्टी सदस्य शामिल है। इन सभी पर मिलाकर 82 लाख रुपए का इनाम घोषित था। इतना ही नहीं चार कैडरों ने अपनी वर्दी और हथियारों के साथ आत्मसमर्पण किया। इस आत्मसमर्पण में सबसे बड़ा नाम रमेश उर्फ भीमा उर्फ बाजू गुड्डी लेकामी (57 वर्ष), जो भामरागढ़ एरिया का डिवीजनल कमेटी सदस्य था। छत्तीसगढ़ के सुकमा, बीजापुर, कांकेर और नारायणपुर जिले में महिलाओं ने भी आत्मसमर्पण किया है। यह इस साल का सबसे बड़ा सरेंडर नहीं है, लेकिन इसका महत्व बहुत अधिक है। बात दें कि साल 2025 में अब तक गढ़चिरौली में 112 हथियारबंद माओवादी मुख्यधारा में लौट चुके हैं। अक्टूबर 2025 में पोलित ब्यूरो सदस्य मल्लोजुला वेणुगोपाल राव उर्फ भूपति उर्फ सोनू सहित 61 बड़े कैडर ने आत्मसमर्पण किया था। 2005 से अब तक गढ़चिरौली पुलिस के सामने कुल 783 सक्रिय माओवादी हथियार डाल चुके हैं।

डीजीपी शुक्ला ने बचे हुए माओवादियों से हथियार छोड़कर सम्मान की जिंदगी जीने की अपील की। माओवादी विचारधारा खोखली साबित हो चुकी है और आम आदिवासी उसकी हिंसा से तंग आ चुके हैं। महाराष्ट्र सरकार की सरेंडर और पुनर्वास नीति उनके लिए अवसर प्रदान करती है। डीजीपी ने सी-60 कमांडो और अधिकारियों को सम्मानित किया, जिन्होंने अक्टूबर में लाहेरी जंगल में भूपति सहित 61 माओवादियों का सरेंडर करवाया था। गढ़चिरौली पुलिस ने प्रोजेक्ट उड़ान - विकास की एक झलक' नामक एक खास गाइडबुक जारी की। इसका उद्देश्य दूरदराज के आदिवासी इलाकों में चल रही सरकारी योजनाओं की आसान जानकारी देना है। डीजीपी ने कहा कि अब पुलिस सिर्फ सुरक्षा नहीं, विकास का माध्यम भी बनेगी।

सही दिशा में रखें जरुरी दस्तावेज

अतीत, वर्तमान, भविष्य के लिए कुछ जरूरी कागजात सभी के साथ लगे होते हैं। ऐसे में इंश्योरेन्स, इंकम टैक्स, सेल्स टैक्स, वसीयत, जमीन की रजिस्ट्री के कागज, कोर्ट कचहरी के कागज, गिरवी एवं ब्याज के कागज, व्यापारिक दस्तावेज, मेडिकल फाईल, चेक बुक, पासबुक, एफ.डी, धार्मिक किताबें, शिक्षित योग्यता (मार्कशीट, रिजल्ट इत्यादि) शादी-विवाह का निमंत्रण पत्र, सम्मानित किया हुआ प्रशंसा पत्र इत्यादि को अपने घर या ऑफिस में किस स्थान पर रखें। यह भी बेहद अहम होता है अन्यथा नुकसान की संभावना रहती है।

वास्तुशास्त्र के संपूर्ण ज्ञान से चारो फल धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष की प्राप्ति होती है यही मानव के लक्ष्य हैं।

हर एक दस्तावेज अपनी अहमियत रखता है। सबसे पहले भूखंड कि दिशाओं के बारे में आपको जानकारी दे दें। मुख्य दिशाएं चार होती है पूर्व, पश्चिम, उत्तर, दक्षिण। चार विदिशाएं होती है - आग्नेय, नैऋत्य, वायव्य और ईशान। अलग-अलग दिशाओं मे रखने के लिए अलग-अलग दस्तावेज होते हैं। विद्वानों ने मार्गदर्शन दिया है सर्वप्रथम संपति-अनादिकाल से ही सम्पति बनाना, संपत्ति का संचय करना चला आ रहा है। प्राचीन काल में हाथी, घोड़े सम्पति का एक भाग होता था। श्रेष्ठी की पहचान करने में इनकी गिनती बोली जाती थी। समय का चक्र बदलता चला गया। आज संपत्ति का तात्पर्य सोना-चांदी, रुपए-पैसे, जमीन-जायदाद माना जा रहा है। प्राचीन समय से ही विद्वानों के मतान्तर रहे हैं कुछ विद्वानों का मत नैऋत्य कोण है। कुछ विद्वानों का मत उत्तर के मध्य कुबेर स्थान है। वैसे ज्यादातर नैऋत्य कोण में संपति रखने के परिणाम अच्छे पाए जाते हैं।

नैऋत्य कोण में कागजात रखते समय विशेष रखना चाहिए

तिजोरी का मुख उत्तर की तरफ हो। तिजोरी जमीन से लगी हुई न हो। तिजोरी लकड़ी के आसन पर विराजमान हो। तिजोरी दीवार से लगी नहीं होनी चाहिए एवं दीवार के अंदर नहीं होनी चाहिए।

तिजोरी में इतर, सेंट, नेलकटर, छुरी-कैची, सरौता इत्यादि नहीं रखना चाहिए।

तिजोरी के ऊपर नीचे अगल-बगल में टॉयलेट, किचन नहीं आना चाहिए। तिजोरी के ऊपर एवं अंदर काला एवं लाल रंग नहीं होना चाहिए।

नैऋत्य की तिजोरी धन संपत्ति को रोककर एंव संभाल कर रखने में सहायक होती है। उदाहरण के तौर पर सोना-चांदी, रुपए-पैसे, जमीन-जायदाद के कागजात, वसीयत के पेपर, एफ डी इंश्योरेंस इत्यादि।

वायव्य दिशा में क्यों ?

वायव्य दिशा में रखने का अर्थ हवा की तरह भागना है। इकंम टैक्स, सेल्स टैक्स, कोर्ट कचहरी के कागज जो किसी कारण वश आगे नहीं बढ़ पा रहा हो या उस जमीन-जायदाद का वायव्य कोण में रखना चाहिए। वायव्य कोण में रखने से उपरोक्त कार्य में आगे बढ़ने की चंचलता आ जाती है। आपका प्रयास सफल हो जाता है। सम्मानित मान-पत्र प्रशंसापत्र वायव्य में लगाने से ख्याति फैलती है।

ईशाण कोण में क्यों ?

इंकम टैक्स, सेल्स टैक्स, कोर्ट-कचहरी इत्यादि जिसमें हमारा पक्ष कमजोर हो, हमें जीत की संभावना कम हो उन्हें ईशाण कोण में रखने से लाभ प्राप्त होता है। कोई जायदाद क्रय करने के बाद उसमें कई प्रकार की कानूनी अड़चने आने लग जाती हैं उन कागजातों को भी ईशाण कोण में रखना चाहिए। धार्मिक किताबें, धार्मिक चित्र इत्यादि ईशान कोण में शोभित होते हैं।

भारतीय संस्कृति में दान से होता है भाग्योदय

भारतीय संस्कृति में दान का इतिहास काफी पुराना है। दान करने से न केवल आत्मसंतुष्टि व किसी जरूरतमंद की आवश्यकता की पूरी होती है, अपितु आपके जीवन से अशुभता भी घटने लगती है। जानिए कैसे दें दान क्या है इसकी विधि व महत्त्व।

सुखमय जीवन व्यतीत करने के लिए हर मनुष्य प्रयत्नशील रहता है। ऐसे में वह व्यवसाय, नौकरी आदि करता है। लेकिन जब इससे भी उसकी आकांक्षाओं की पूर्ति नहीं हो पाती तो वह अन्य उपायों को अपनाता है। इसका कारण यह है कि सुख-समृद्धि से ही व्यक्ति की पहचान होती है और समाज में मान-सम्मान मिलता है। सुख-समृद्धि प्राप्त करने के लिए दान का विशेष महत्त्व है। दान से जहां दूसरों का हित साधन होता है, वहीं स्वयं का भी भाग्योदय हो जाता है। यदि आप खुशहाल जिंदगी जीने के इच्छुक हैं तो दान करने के निम्नलिखित उपायों को अपना सकते हैं -

शिवरात्रि व्रत वाले दिन लाल धागे में पिरोए पंचमुखी रुद्राक्ष की माला शिव मंदिर में दान करने से शिव जी प्रसन्न होते हैं। इससे व्यक्ति सदैव खुशहाल रहता है।

प्रात:काल स्नान आदि करने के पश्चात् किसी पंडित से मस्तक पर चंदन का तिलक कराएं और कुछ धन दान में देकर अपने काम-धंधे में लगें। इससे भौतिक सुखों की प्राप्ति होती है और समृद्धि बढ़ती है।

किसी शुभ दिन प्रात:काल बारह अंगुल की पलाश की लकड़ी ले आएं। फिर किसी विद्वान पंडित को बुलाकर उसका शुद्धिकरण कराएं और पूजादि कराकर उसे घर में कहीं ब्राह्मण के हाथों गड़वा दें। इसके बाद पंडित को मीठा भोजन कराकर एवं कुछ दान-दक्षिणा देकर विदा करें। इसके प्रभाव से घर में सुख-समृद्धि का वातावरण बना रहता है।

यदि घर से निकलते ही मार्ग में कोई सफाई कर्मचारी सफाई करता दिखाई दे जाए, तो उसे कुछ दान-दक्षिणा अवश्य दें। इससे परिवार में सुख-समृद्धि बढ़ती है। अपने भोजन में से कुछ भाग पहले निकाल लें तथा भोजन के पश्चात् उसे गाय, भैंस आदि को दे दें। इस उपाय से भी सुख-समृद्धि बनी रहती है।

एक कटोरी में जल लेकर उसमें गुलाब का पुष्प, कुमकुम एवं थोड़े से चावल डालकर रात को घर में रखें और सुबह स्नान आदि से निवृत्त होकर उसे किसी मंदिर के पुजारी को दान कर आएं। दक्षिणा के रूप में पांच-दस रुपए भी दें। इस क्रिया से घर में सुख-समृद्धि बढ़ती है।

यदि प्रात:काल दुकान आदि पर जाते समय रास्ते में कोई ब्राह्मण, भिखारी या हिजड़ा दिखाई दे, तो उसे कुछ दान अवश्य दें। इससे दुकान का कारोबार बढ़ता है और घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है।

गुरुवार और शनिवार को गरीबों को कुछ दान करके पीपल के वृक्ष में जल चढ़ाएं। इससे भी परिवार में सुख-समृद्धि की वृद्धि होती है।

यदि गुरुवार को दुकान आदि में कोई फकीर लोबान की धूनी देने आए तो उसे कुछ दान-दक्षिणा देने से सुख, शांति और समृद्धि का आगमन होता है।

शनिवार के दिन विधारा की जड़ को कपड़े में सिलकर गले अथवा दाएं बाजू पर बांधें और छोटा सा निर्दोष नीलम रत्न दान करें। शनि के कारण उत्पन्न कष्ट दूर होकर सुख-समृद्धि प्राप्त होगी।

किसी शुभ समय में बछड़े सहित गाय का दान गौशाला में करें। इससे सुख-समृद्धि तथा मान-सम्मान की वृद्धि होती है।

घर में किसी बच्चे के जन्मदिन अथवा किसी अन्य उत्सव पर किसी आश्रम में जाकर कुछ दान करने से व्यक्ति सदैव खुशहाल रहता है।

प्रात:काल एक सूखे नारियल पर काला सूती धागा लपेटकर पूजा स्थान पर रख दें। सायंकाल उसे किसी बर्तन में डालकर धागे सहित जला दें। दूसरे दिन उसकी भस्म एक कागज में रखकर किसी वृक्ष की जड़ में डाल आएं। यह क्रिया नित्य आठ दिन करें। नौवें दिन पानी वाला नारियल लाएं और उस पर कलावा लपेट दें। संध्या समय उस नारियल के साथ थोड़ा सा मिष्ठान और ग्यारह रुपए रखकर किसी ब्राह्मण को दान कर दें। इससे घर में खुशहाली आ जाएगी और सुख-समृद्धि का वातावरण व्याप्त हो जाएगा।

किसी भी दिन सूर्यास्त के समय एक सिला हुआ कुर्ता-पायजामा, एक पानी वाला नारियल, पंचमेल मिठाई, एक कच्चे दूध की थैली तथा एक शहद की शीशी ब्राह्मण को दान कर दें। फिर उसे कुछ रुपए देकर उससे थोड़ा दूध और शहद ले लें। फिर दूध और शहद को मिलाकर उसके छींटे घर में चारों ओर दें तथा पात्र को किसी चौराहे पर रख आएं। इससे ग्रहों का कुप्रभाव नष्ट होकर भौतिक सुखों की प्राप्ति तथा वृद्धि होती है।

नित्य प्रात:काल अपने भोजन में से थोड़ा सा भाग निकालकर कौओं को देने से घर में सुख-शांति बनी रहती है।

सात गोमती चक्र और काली हल्दी को पीले कपड़े में बांधकर किसी धर्म स्थान पर देने से मनुष्य खुशहाल हो जाता है।

रात्रिकाल स्नान आदि करके अपने सामने चौकी पर एक लाल वस्त्र बिछाएं। फिर उस पर पीतल का कलश रखें। कलश पर शुद्ध केसर से स्वस्तिक का चिह्न बनाकर उसमें जल भर दें। इसके पश्चात् उसमें चावल के कुछ दाने, दूर्वा और एक रुपया रख दें। तत्पश्चात् पीतल की छोटी सी प्लेट को चावलों से भरकर कलश के ऊपर रख दें। उसके ऊपर श्रीयंत्र की स्थापना करें। तदनंतर उसके निकट घी का चौमुखा दीपक जलाकर उसका कुमकुम और अक्षत से पूजन करें। इसके बाद दस मिनट तक भगवती लक्ष्मी का ध्यान करें। प्रात:काल ब्राह्मण को बुलाकर श्रीयंत्र का पूजन करवाकर, यंत्र को पूजा ग्रह में स्थापित करें तथा कलश आदि ब्राह्मण को कुछ दक्षिणा सहित दान कर दें। इस दानगाय के गोबर का एक छोटा सा दीपक बनाकर उसमें पुराने गुड़ की एक डली तथा मीठा तेल डालें। फिर दीपक जलाकर उसे घर के मुख्य द्वार के मध्य रख दें। यह कार्य घर की कोई स्त्री करे। पुरुष रात में दुकान बंद करने के बाद दुकान के द्वार के बाहर पांच-दस रुपए के सिक्के पर छोटी सी चंदन की धूप जलाकर रखें और घर आ जाएं। यदि सुबह वो सिक्का न मिले तो बहुत अच्छी बात है। यदि सिक्का अपनी जगह रखा मिल जाए, तो इस क्रिया को पुन: करें। इसके बाद दुकान में हवन और घर में सत्यनारायण भगवान की कथा कराएं। पंडित को दान-दक्षिणा देकर खुशी-खुशी विदा करें। इससे दुकान के कारोबार में आशातीत वृद्धि होगी तथा घर में सुख-शांति और समृद्धि बनी रहेगी।

19 दिसंबर को है पौष अमावस्या

पौष अमावस्या हिंदू धर्म में एक अत्यंत महत्वपूर्ण तिथि मानी जाती है, विशेषकर पितरों के तर्पण, स्नान और दान-पुण्य के कार्यों के लिए। इसे साल की आखिरी अमावस्या भी कहा जाता है।

हिंदू पंचांग के अनुसार, पौष माह के कृष्ण पक्ष की अंतिम तिथि को पौष अमावस्या कहा जाता है। चूंकि अमावस्या का व्रत और मुख्य धार्मिक कार्य उदय तिथि पर किए जाते हैं इसलिए पौष अमावस्या 2025 की मुख्य तिथि 19 दिसंबर 2025, शुक्रवार को रहेगी।

महत्व

यह तिथि पूरी तरह से पितरों को समर्पित होती है। इस दिन श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान करने से पितरों की आत्मा को शांति मिलती है, और वे प्रसन्न होकर आशीर्वाद देते हैं। पौष मास के स्वामी सूर्य देव हैं। अमावस्या के दिन सूर्य को अर्घ्य देने और उनकी पूजा करने से जीवन में सुख, समृद्धि और आरोग्य की प्राप्ति होती है। ज्योतिष में इस तिथि को कालसर्प दोष निवारण के लिए भी अत्यंत शुभ माना गया है। मान्यता है कि यदि पितर किसी कारणवश रुष्ट हों, तो व्यक्ति के जीवन में कई बाधाएं आती हैं (जिसे पितृ दोष भी कहते हैं)। पौष अमावस्या पर कुछ विशेष कार्य करके आप पितरों को प्रसन्न कर सकते हैं:

स्नान और तर्पण

प्रात: काल पवित्र नदी में स्नान करें। यदि यह संभव न हो, तो नहाने के जल में गंगाजल और काले तिल मिलाकर स्नान करें। स्नान के पश्चात, दक्षिण दिशा की ओर मुख करके अपने पितरों को जल, काले तिल, सफेद फूल और कुश से तर्पण दें। सूर्य देव को जल में लाल चंदन और लाल फूल डालकर अर्घ्य दें।

दान-पुण्य

अमावस्या पर दान का विशेष महत्व है। अपनी क्षमता के अनुसार अन्न, वस्त्र, कंबल या काले तिल का दान करें। गरीबों, ब्राह्मणों या जरूरतमंदों को भोजन कराएं। गर्म कपड़ों का दान करना इस ठंडे महीने में बहुत पुण्यकारी माना जाता है, इससे सूर्य और शनि देव दोनों प्रसन्न होते हैं।

गाय और पक्षियों को भोजन

इस दिन गाय को हरी घास या रोटी खिलाएं। पक्षियों को दाना डालें और छत पर पानी रखें। ऐसा माना जाता है कि इन जीवों को भोजन कराने से पितर तृप्त होते हैं।

सुखमय जीवन के लिए वास्तु के अनुसार रहे श्यनकक्ष

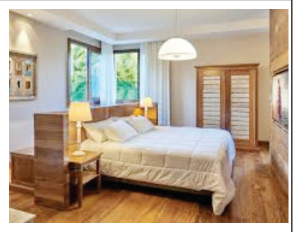

विवाहित जीवन में सभी सुख की कामना करते हैं पर कई बार धन संपदा और सारे वैभव होते हुए भी नवविवाहित दम्पति के बीच में तालमेल नहीं बैठ पाता और अलगाव तक की नौबत आ जाती है। ऐसे में एक देखना चाहिये कि कहीं कोई वास्तु दोष तो नहीं है। नवविवाहित दम्पति का जीवन सुखमय हो इसके लिए बहुत जरूरी है कि उनका शयनकक्ष सही स्थान पर हो। इसके साथ ही उसकी दिशा, दीवारों का रंग, दर्पण, टॉयलेट, फर्नीचर आदि का सही स्थान पर होना आवश्यक है। वास्तु एक प्राचीन विद्या है। सुखमय विवाहित जीवन के लिए, घर में सुख और समृद्धि के लिए, परिवार में नकारात्मकता और दुख से छुटकारा पाने के लिए वास्तु शास्त्र का बहुत बड़ा योगदान है। सही वास्तु हमारे जीवन में खुशियां और अनुकूलता ला सकता है।

नव-दम्पति का बेडरूम चौकोर या आयताकार होना चाहिए। सबसे महत्वपूर्ण कमरे की सही दिशा का चयन करना है। नवविवाहित दम्पति के लिए उत्तर-पश्चिम दिशा सबसे उत्तम है। वास्तु के प्राचीन ग्रंथों में यह स्पेस आकर्षण एवं तृप्ति का स्थान रहा है। इस दिशा में कमरा होने से उनके आपसी संबंधों में प्रगाढ़ता आती है।

दीवार पर कभी सफेद या लाल रंग नहीं लगाने चाहिए। गाढ़े रंग की अपेक्षा हल्का रंग बेहतर होता है। हरा, गुलाबी या आसमानी रंग अच्छा प्रभाव छोड़ता है। घर में सकारात्मक ऊर्जा पैदा करता है। आपसी मतभेदों को कम करने के लिए आप इन रंगों का प्रयोग पर्दे और बेडशीट के रूप में भी कर सकते हैं।

यह एक गलत धारणा है कि बिस्तर के सामने दर्पण नहीं होना चाहिए। दर्पण कहीं भी हो सकता है किन्तु दर्पण टूटा हुआ नहीं होना चाहिए। कमरे का दूसरा महत्वपूर्ण हिस्सा बाथरूम है। ध्यान रखें कि बाथरूम, पूजाघर, किचन सब अगल-बगल न हो।

सुखी विवाहित जीवन के लिए महत्वपूर्ण है कि धातु की बजाय लकड़ी के बेड को प्राथमिकता दें। कभी भी छत पर बनी बीम के नीचे पलंग न रखें यह अचानक तनाव का कारण बनता है।

सोते समय सिर दक्षिण और पैर उत्तर की तरफ होने चाहिए। पत्नी को पति के बाईं ओर सोना चाहिए। आपसी प्रेम बढ़ाने के लिए लव बर्ड भी रख सकते हैं।

टीवी या कम्प्यूटर आदि कमरे में न रखें, अगर हैं तो रात को सोते समय कपड़े से ढक दें।

कमरे के अंदर कैक्टस न रखें। कमरे के दरवाजे पर घंटा या विंडचाईम लगाएं, यह आपसी मेलमिलाप बढ़ता है।

अपराध, यातना, अशान्ति आदि के चित्र कमरे में न लगाएं। दम्पति के विवाह की तस्वीर कमरे में रखने से आपसी प्रेम बढ़ता है।

फर्श को पोंछने के लिए पानी में थोड़ा सेंधा नमक मिलाएं। पानी, धन वैभव तथा समृद्धि का प्रतीक है, घर में पानी के फव्वारे लगाने से धन में वृद्धि होती है।

दरवाजों के कब्जों में तेल डालती रहें। दरवाजे खोलते या बंद करते समय होने वाली आवाज वास्तु के अनुसार अशुभ तथा अनिष्टकारी मानी जाती है।

इसके अलावा बेडरूम में सभी सामान वास्तु के हिसाब से रखें जैसे- अलमारी शयन कक्ष के उत्तर पश्चिमी या दक्षिण की ओर होना चाहिए।

टीवी, हीटर और एयर कंडीशनर को दक्षिण पूर्वी के कोने में स्थित होना चाहिए बेड रूम के साथ लगता बाथरूम, कमरे के पश्चिम या उत्तर में होना चाहिए। दक्षिण-पश्चिम, पश्चिम कोना कभी खाली नहीं रखा जाना चाहिए।

यदि आप कोई सेफ या तिजोरी, बेड रूम में रखना चाहे तो उसे दक्षिण की दीवार के साथ रख सकते हैं, खुलते समय उसका मुंह धन की दिशा उत्तर की तरफ खुलना चाहिए।

सोना धारण करने से होता है गुरु मजबूत

सोना पहनना सभी को पसंद होता है पर इस कीमती धातु को पहनने के भी कई नियम होते हैं। रत्न शास्त्र में बताया गया है कि, सोना धारण करने से गुरु ग्रह को मजबूत किया जा सकता है। जातकों को कुंडली में ग्रहों की स्थिति और राशि के अनुसार रत्न को धारण करना चाहिए। ज्योतिष में सोने को पहनने के लिए कुछ नियम बताए गए हैं, जिन्हें पालन करना काफी जरुरी है। सोने का सही विधि और सही तरीके से धारण करने से लाभ प्राप्त होता है। सोने के धारण से करने से धन-लाभ व संतान सुख की प्राप्ति होती है। आइए आपको बताते हैं सोने को कब और कैसे धारण करना आवश्य होता है। सोने का गुरु से संबंधित होने के कारण सोना को गुरुवार के दिन धारण करना शुभ माना जाता है। इसे पहनने से पहले शुद्ध करना जरुरी है। आप चाहे तो इसे अंगूठी या चेन के रुप में धारण से कर सकते हैं। सोने को शुद्धि करने के लिए आप गंगाजल, दूध और शहद से शुद्ध करें। फिर इसे आप भगवान विष्णु के चरणों में अर्पित कर दें। विधि-विधान से पूजा करने के बाद अंगूठी और चेन को पहन सकते हैं। माना जाता है कि, रविवार, बुधवार, गुरुवार और शुक्रवार के दिन सोना धारण करना शुभ होता है।

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, सोने का धारण मेष, कर्क, सिंह, धनु और मीन राशि के लोगों को धारण करना चाहिए। वहीं, मकर, मिथुन, कुंभ और वृषभ राशि के जातकों को सोना नहीं पहनना चाहिए। इसके साथ ही कुंडली में गुरु की स्थिति देखकर ही सोना का धारण करना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

चैंपियंस लीग में एटलेटिको ने पीएसवी को हराया

बार्सिलोना। बार्सिलोना और एटलेटिको मैड्रिड ने चैंपियंस लीग फुटबॉल में अपने-अपने मुकाबले जीतकर अगले दौर में जगह बनायी है। बार्सिलोना ने जूल्स कोंडे के दो गोल की सहायता से आइंट्राच्ट फ्रैंकफर्ट को 2-1 से हराया। इस जीत के साथ ही बार्सिलोना 36 टीमों के लीग चरण में अब 13वें नंबर पर पहुंच गयी है। अब बार्सिलोना दो और मुकाबले जीतते ही शीर्ष 8 में पहुंच जाएगी। वहीं एक अन्य मुकाबले में एटलेटिको मैड्रिड ने पीएसवी 3-2 से हराया। पीएसवी के गुस टिल ने 10वें मिनट में मैच का पहला गोल किया। वहीं अलेक्जेंडर सोरलोथ ने 37वें मिनट में गोल कर एटलेटिको को बराबरी पर ला दिया। वहीं डेविड हैंको ने 52वें मिनट में दूसर जबकि सोरलोथ ने चार मिनट बाद तीसरा गोल दागा। एटलेटिको ने अंत में 3-2 से मुकाबला जीत लिया।

बीसीसीआई ने मिनी नीलामी के लिए 9 खिलाड़ियों के नाम जोड़े

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीसी) ने 16 दिसंबर को अबू धाबी में होने वाली मिनी नीलामी के लिए जारी 350 खिलाड़ियों की सूची में 9 खिलाड़ियों को और शामिल किया है। इस प्रकार खिलाड़ियों की संख्या बढ़कर अब 359 हो गयी है। सूची में जोड़े गये नामों में विराट कोहली के करीबी स्वस्तिक चिकारा शामिल हैं, जिन्हें हाल ही में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने रिलीज किया थ। वहीं एसोसिएट देश (मलेशिया) के विरनदीप सिंह को भी सूची में शामिल किया गया हैं। बचे हुए सात खिलाड़ी हैं त्रिपुरा के ऑलराउंडर मणिशंकर मुरासिंघ, चामा मिलिंद (हैदराबाद), के.एल. श्रीजित (कर्नाटक), इथन बॉश (दक्षिण अफ्रीका), क्रिस ग्रीन (ऑस्ट्रेलिया), राहुल राज नमाला (उत्तराखंड) और विराट सिंह (झारखंड).

ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे टेस्ट के लिए घोषित की टीम, कमिंस की वापसी

सिडनी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने इंग्लैंड के खिलाफ 17 दिसंबर से शुरु हो रहे एशेज सीरीज के तीसरे टेस्ट मैच के लिए 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। टीम में नियमित कप्तान पैट कमिंस की वापसी हुई है। कमिंस को शामिल किये जाने के अलावा कोई अन्य बदलाव नहीं किया गया है। स्पिनर नाथन लियोन की एक बार फिर उपेक्षा हुई है। वह दूसरे टेस्ट के लिए भी शामिल नहीं थे। कमिंस फिट नहीं होने के कारण पहले दो टेस्ट मैचों से बाहर थे। ऐसे में स्टीव स्मिथ ने टीम की कप्तानी की थी।

आईसीसी वनडे रैंकिंग में रो-को का जलवा

रोहित नंबर-1, विराट नंबर-2 दोनों में सिर्फ 8 पॉइंट्स का अंतर

नई दिल्ली ■ एजेंसी

आईसीसी वनडे बैटिंग रैंकिंग में एक बार फिर रो-को यानी रोहित शर्मा और विराट कोहली का जलवा बरकरार है। नंबर-1 पर पूर्व कप्तान रोहित शर्मा हैं। वहीं साउथ अफ्रीका के खिलाफ शानदार लगातार दो शतक और एक अर्धशतक लगाने वाले विराट कोहली नंबर-2 पर आ गए हैं। आईसीसी ने बुधवार को वीकली रैंकिंग जारी की। साउथ अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में 302 रन बनाकर प्लेयर ऑफ द सीरीज चुने गए विराट ने दो स्थान की बढ़त हासिल की है। रोहित उनसे सिर्फ आठ रेटिंग पॉइंट आगे हैं। रोहित ने सीरीज में 146 रन बनाए थे। भारत अब अगला वनडे टूर्नामेंट न्यूजीलैंड के खिलाफ 11 जनवरी से खेला जाना है। तब सबकी नजरें कोहली-रोहित की नंबर-1 की रेस पर होंगी।

केएल राहुल को भी फायदा कोहली के अलावा केएल राहुल को भी वनडे बल्लेबाजों की रैंकिंग में फायदा हुआ है। राहुल दो स्थान ऊपर चढ़कर 12वें नंबर पर पहुंच गए। बॉलर्स में कुलदीप यादव तीन स्थान की छलांग लगाकर तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। साउथ अफ्रीका के क्विंटन डिकॉक (13वें), ऐडन मार्करम (25वें) और टेम्बा बावुमा (37वें) ने भी रैंकिंग में बढ़त हासिल की।

टी-20 रैंकिंग भारतीय बॉलर्स को फायदा टी-20 रैंकिंग में साउथ अफ्रीका के यंग बैटर डेवॉल्ड ब्रेविस अपने पहले मैच में शानदार अर्धशतक लगाकर आठवें स्थान पर पहुंच गए हैं। भारत की ओर से गेंदबाज अक्षर पटेल, अर्शदीप सिंह और जसप्रीत बुमराह को भी टी-20 रैंकिंग में फायदा हुआ है। टेस्ट बॉलर्स में स्टार्क तीसरे नंबर पर पहुंचे टेस्ट रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने एशेज की पहली दो टेस्ट मैचों में 18 विकेट झटके। उन्होंने दोनों मैच में प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड जीता। वे तीन पायदान की छलांग के साथ तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। इंग्लैंड के हैरी ब्रूक दो स्थान नीचे खिसककर चौथे नंबर पर आ गए। वहीं न्यूजीलैंड और वेस्टइंडीज के बीच क्राइस्टचर्च टेस्ट ड्रॉ रहा, जिसके बाद रचिन रवींद्र नौ स्थान ऊपर चढ़कर 15वें नंबर पर पहुंच गए। टॉम लैथम ने भी बढ़त दर्ज की, जबकि वेस्टइंडीज के शाई होप, जस्टिन ग्रीव्स और तेज गेंदबाज केमार रोच की रैंकिंग में सुधार हुआ।

सेंट उमर स्कूल के अली पठान ने राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता में जीता कांस्य पदक

इंदौर। इंदौर के सेंट उमर हायर सेकेंडरी स्कूल ने खेल के क्षेत्र में एक बार फिर बड़ी सफलता हासिल की है। स्कूल के होनहार पहलवान अली पठान ने गोरखपुर में आयोजित राष्ट्रीय शालेय कुश्ती प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक जीतकर स्कूल और शहर का नाम रोशन किया है। अली पठान ने 60 किग्रा वर्ग की ग्रीको रोमन कुश्ती में हिस्सा लिया और अपने उत्कृष्ट कौशल एवं दृढ़ संकल्प का परिचय दिया। उन्होंने प्रतियोगिता में दिल्ली, छत्तीसगढ़, पंजाब और कर्नाटक जैसे मजबूत राज्यों के पहलवानों को पराजित कर यह प्रतिष्ठित पदक हासिल किया। यह उपलब्धि सेंट उमर हायर सेकेंडरी स्कूल के सशक्त खेल कार्यक्रम की गुणवत्ता और अली पठान की कड़ी मेहनत का स्पष्ट प्रमाण है।

आरसीसी बालिका टीम ने 49वीं जूनियर राज्य स्तरीय वॉलीबॉल चैम्पियनशिप पर किया कब्ज़ा

नरसिंहपुर/इंदौर ■ निसं

क्षेत्रीय कोचिंग केंद्र (आरसीसी) भोपाल की बालिका वॉलीबॉल टीम ने अपनी खेल कौशल का शानदार प्रदर्शन करते हुए नरसिंहपुर में आयोजित 49वीं मध्य प्रदेश जूनियर राज्य स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता का प्रतिष्ठित खिताब जीत लिया है। गत दिवस हुए फाइनल मुकाबले में, भोपाल की टीम ने अपने प्रमुख प्रतिद्वंद्वी जबलपुर को दृढ़तापूर्वक पराजित करते हुए चैम्पियनशिप ट्रॉफी पर कब्ज़ा किया।

आरसीसी भोपाल का विजयी सफर पूरे टूर्नामेंट में उल्लेखनीय रहा, जहाँ उन्होंने प्रारंभ से अंत तक अपना वर्चस्व बनाए रखा। टीम ने लीग मुकाबलों में जबलपुर और छिंदवाड़ा को हराया, जिसके बाद उन्होंने नॉकआउट दौर में प्रवेश किया। क्वार्टर फाइनल में विदिशा को परास्त करने और सेमीफाइनल में चंबल के विरुद्ध रोमांचक जीत हासिल करने के पश्चात, उन्होंने खिताबी मैच में एक बार फिर जबलपुर का सामना किया और उन्हें निर्णायक रूप से हराकर राज्य चैम्पियन का गौरव प्राप्त किया।

इस जीत के परिणामस्वरूप, आरसीसी भोपाल की कई खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगी। आगामी 16 से 21 दिसंबर तक राजस्थान के झुंझुनू में आयोजित होने वाली 49वीं राष्ट्रीय जूनियर वॉलीबॉल प्रतियोगिता के लिए चुनी गई मध्य प्रदेश की टीम में बालिका वर्ग से भोपाल की महक, रितिका, दिव्यांशी और नित्या शामिल हैं, जबकि बालक वर्ग में धीरज और शिवेंद्र प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे।

टीम की इस असाधारण उपलब्धि पर मध्य प्रदेश वॉलीबॉल एसोसिएशन ने गहरा संतोष व्यक्त किया है। एसोसिएशन की चयन समिति के चेयरमैन प्रणब मजूमदार और प्रशिक्षक मयूर श्रीवास्तव ने खिलाड़ियों के अथक प्रयासों और उनकी समर्पित खेल भावना की सराहना करते हुए उन्हें हार्दिक बधाई एवं राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएँ दी हैं।

एलएनसीटी में वेस्ट ज़ोन इंटर यूनिवर्सिटी वॉलीबॉल (पुरुष) शुरू

भोपाल ■ निसं

भारतीय विश्वविद्यालय संघ के तत्वावधान में एलएनसीटी विश्वविद्यालय, भोपाल द्वारा 10 से 14 दिसंबर 2025 तक एलएनसीटी यूनिवर्सिटी, कोलार रोड, भोपाल के ग्राउंड पर आयोजित वेस्ट ज़ोन इंटर यूनिवर्सिटी वॉलीबॉल (पुरुष) प्रतियोगिता 2025-26 का भव्य शुभारंभ हुआ। प्रतियोगिता का शुभारंभ डॉ. अनुपम चौकसे कुलाधिपति जेएनसीटी प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी द्वारा प्रो. डॉ. एन.के. थापक वाइस चांसलर, एलएनसीटी ग्रुप, पंकज कुमार आर के शर्मा खेल अधिकारी टीआईटी, पी.एस. दारा सिंह की उपस्थिति में सभी खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया गया।

इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में वेस्ट ज़ोन के अंतर्गत आने वाली लगभग 140 विश्वविद्यालयों के 1800 से अधिक खिलाड़ी प्रतिभागी बन रहे हैं। खिलाड़ियों और अधिकारियों के उत्साह, ऊर्जा और प्रतिस्पर्धी भावना से उद्घाटन समारोह का वातावरण रोमांचक और गरिमामय रहा।

एलएनसीटी विश्वविद्यालय के प्रबंधन ने सभी भाग लेने वाली टीमों, कोचों, अधिकारियों और आगंतुकों के लिए उत्कृष्ट व्यवस्थाएँ सुनिश्चित की हैं, ताकि प्रतियोगिता का संचालन सुचारू, सुरक्षित और सफलतापूर्वक हो सके।

पांच दिवसीय प्रतियोगिता के पहले दिन खेले गए मुकाबले मे शिवाजी यूनिवर्सिटी कोल्हापुर ने क्रांति सूर्या तात्या भील यूनिवर्सिटी, खरगोन को 3-0 से, गुजरात टेक्निकल यूनिवर्सिटी निगम नगर ने यूनिवर्सिटी भीलवाड़ा को 3-0 से, यूनिवर्सिटी ऑफ़ कोटा ने पहर यूनिवर्सिटी को 3-0 से, एपीएस यूनिवर्सिटी रीवा ने सेम ग्लोबल यूनिवर्सिटी भोपाल को 3-0 से, महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी ने ओरिएंटल यूनिवर्सिटी इंदौर को 2-0 से हराकर अगले दौर मे प्रवेश किया प्रतियोगिता का लाइव प्रसारण फ्रीडम ग्लोबल स्पोर्ट्स नेटवर्क के द्वारा किया जा रहा है।

व्यापार समाचार

चीन ने अमेरिका को चेताया कहा

अब हम तीनों मिलकर तय करेंगे ग्लोबल साउथ का भविष्य

बीजिंग ■ एजेंसी

भारत, चीन और रुस मिलकर अब ग्लोबल साउथ का भविष्य तय करेंगे। ये बात चीन ने अमेरिका को चेताते हुए कही है। चीन ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की हालिया भारत यात्रा पर सकारात्मक प्रतिक्रिया व्यक्त की है। चीन ने तीनों देशों (चीन, रूस और भारत) को ग्लोबल साउथ का महत्वपूर्ण हिस्सा बताते हुए कहा कि इनके बीच अच्छे त्रिपक्षीय संबंध क्षेत्रीय एवं वैश्विक शांति और स्थिरता के लिए लाभकारी सिद्ध होंगे।

चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि चीन, रूस और भारत उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाएं हैं तथा वैश्विक दक्षिण के अहम सदस्य हैं। उन्होंने कहा कि तीनों देशों के बीच मैत्रीपूर्ण संबंध बनाए रखना न सिर्फ उनके अपने हित में है, बल्कि क्षेत्रीय और वैश्विक शांति, सुरक्षा, स्थिरता तथा समृद्धि के लिए भी अनुकूल है। भारत-चीन संबंधों (जो 2020 के पूर्वी लद्दाख गतिरोध के बाद ठंडे पड़े थे और अब सामान्यीकरण की राह पर हैं) के बारे में प्रवक्ता ने कहा कि चीन दीर्घकालिक दृष्टिकोण अपनाते हुए भारत के साथ निरंतर, मजबूत और स्थिर संबंधों को बढ़ावा देना

चाहता है। उन्होंने कहा कि चीन-भारत संबंधों के मामले में हम भारत के साथ मिलकर इन संबंधों को रणनीतिक ऊंचाई और दीर्घकालिक परिप्रेक्ष्य से देखने-संभालने को तैयार हैं, ताकि दोनों देशों के सतत, सुदृढ़ और स्थिर विकास को बढ़ावा मिले, दोनों देशों और उनके लोगों को वास्तविक लाभ पहुंचे तथा एशिया और उससे आगे शांति व समृद्धि में योगदान दिया जा सके। बता दें कि राष्ट्रपति पुतिन 4-5 दिसंबर को भारत की आधिकारिक यात्रा पर आए थे। 2021 के बाद यह उनकी पहली भारत यात्रा थी। इस दौरान दोनों देशों के बीच व्यापार, निवेश और आर्थिक सहयोग बढ़ाने के लिए कई महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर हुए। दोनों पक्षों ने वर्ष 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 100 अरब अमेरिकी डॉलर तक ले जाने के लक्ष्य के साथ एक दीर्घकालिक आर्थिक सहयोग कार्यक्रम पर भी सहमति जताई। गौरतलब है कि बीजिंग और मॉस्को के बीच गहरे एवं मजबूत संबंधों को देखते हुए पुतिन की भारत यात्रा पर चीन की पैनी नजर थी। यात्रा से पहले नई दिल्ली और बीजिंग संबंधों पर की गई पुतिन की टिप्पणियों के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में गुओ जियाकुन ने कहा कि चीन रूस और भारत दोनों के साथ द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए तैयार है। दरअसल, भारत दौरे से पहले एक साक्षात्कार में पुतिन ने कहा था कि भारत और चीन रूस के सबसे करीबी मित्र हैं और मॉस्को इन रिश्तों को बहुत महत्व देता है। उन्होंने एक एक इंटरव्यू में यह भी कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि भारत और चीन का नेतृत्व आपसी विवादों का समाधान स्वयं निकालने में सक्षम है और रूस को उनके द्विपक्षीय मामलों में दखल देने का कोई अधिकार नहीं है। चीनी सरकारी मीडिया ने पुतिन की भारत-चीन संबंधों वाली इन टिप्पणियों को प्रमुखता से प्रकाशित किया।

इंडिगो संकट के बीच एयर एशिया सीएफओ ने बताई बाजार की सच्चाई

कमाई रुपये में, खर्च डॉलर में

नई दिल्ली ■ एजेंसी

देश में जारी विमानन संकट के बीच एयर एशिया के सीएफओ विजय गोपालन ने एक साक्षात्कार में भारतीय विमानन क्षेत्र की कड़वी सच्चाई के बारे में बताते हुए कहा है कि भारतीय विमानन बाजार के मौजूदा ढांचे में मुनाफा कमाना बहुत मुश्किल है। उन्होंने विमानन बाजार के किन चुनौतियों की बात की, आइए जानते हैं।

भारतीय विमानन बाजार दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते बाजारों में से एक है, लेकिन इसके बावजूद यह एयरलाइनों के लिए हमेशा घाटे का सौदा ही रहा है। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो में जारी हालिया उथल-पुथल ने एक बार फिर इस बहस को छेड़ दिया है कि क्या भारत में एयरलाइन चलाना वास्तव में टेढ़ी खीर है? इस गंभीर सवाल के बीच, एयर एशिया के सीएफओ विजय गोपालन ने जो बातें कही हैं, वे किसी खतरे की घंटी से कम नहीं हैं। उनका विश्लेषण बताता है कि भारत में एयरलाइन कारोबार की यह दशा केवल प्रबंधन की विफलता नहीं है, बल्कि सिस्टम का संरचनात्मक दोष है जो एयरलाइनों को डूबने पर मजबूर कर रहा है।

एयर एशिया के सीएफओ विजय गोपालन ने क्या कहा?: एयर एशिया के सीएफओ विजय गोपालन ने एक साक्षात्कार में भारतीय विमानन क्षेत्र की कड़वी सच्चाई के बारे में बताते हुए कहा है कि भारतीय विमानन बाजार के मौजूदा ढांचे में मुनाफा कमाना बहुत मुश्किल है। गोपालन ने कहा, 'एयरलाइन कंपनियों का आधा खर्चा विमान के

ईंधन यानी एयर टरबाइन फ्यूल पर होता है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि यह ईंधन जीएसटी के दायरे में नहीं आता। इस पर राज्य सरकारें अपना टैक्स लगाती हैं, जो कुछ राज्यों में 30% से भी अधिक है। एक कमोडिटी बिजनेस में, जहां मार्जिन बेहद कम होता है, वहां लागत का 50% हिस्सा अगर ईंधन में चला जाए तो परेशानी खड़ी होती है। गोपालन ने साफ किया कि इस हालात को इसे तर्कसंगत बनाए बिना विमानन उद्योग में बदलाव कठिन है।'

गोपालन ने कहा कि भारत में एयरलाइंस के लिए डॉलर में होने वाला भुगतान परेशानी का दूसरा बड़ा कारण है। गोपालन के अनुसार, एयरलाइन का 75 फीसदी खर्च डॉलर में होता है। एयरक्राफ्ट का भाड़ा हो, मेंटेनेंस और रिपेयर हो या कलपुर्जे पर किया गया खर्च, ये सभी डॉलर में चुकाए जाते हैं। फिलहाल रुपया एक डॉलर की तुलना में 90 रुपये तक पहुंच गया है। विमान की लीज पर दो वर्ष पहले जब 100 डॉलर खर्च होता था, तो हमें 8000 रुपये चुकाने पड़ते थे।

मीशो के शेयर की जोरदार एंट्री, 161.20 के भाव पर हुए लिस्ट

नई दिल्ली। ऑनलाइन ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म मीशो के शेयर बुधवार को जोरदार एंट्री के साथ लिस्ट हुए। आईपीओ अप्लाई करने के लिए 3 दिसंबर को खुला था और 5 दिसंबर को बंद हो गया था। मीशो के शेयर बीएसई पर 161.20 रुपए के भाव पर लिस्ट हुए। यह इश्यू प्राइस बैंड के अपर एंड 111 रुपए से 50 रुपए या 45 फीसदी ज्यादा है। वहीं एनएसई पर कंपनी के शेयर 162.50 रुपए पर लिस्ट हुए, जो इश्यू प्राइस की तुलना में 51.50 रुपए या 47 फीसदी ज्यादा है। मीशो की लिस्टिंग ग्रे मार्केट के अनुमान से भी ज्यादा रही। ग्रे मार्केट में मीशो आईपीओ का जीएमपी बुधवार को 36 रुपए पर चल रहा था। इस प्रीमियम पर मीशो आईपीओ का अनुमानित लिस्टिंग प्राइस करीब 147 रुपए प्रति शेयर माना जा रहा था, जबकि शेयर 161 रुपए पर लिस्ट हुए।

टाटा टियागो ईवी पर मिल रहा 1.50 लाख का भारी डिस्काउंट

नई दिल्ली। अपनी सबसे किफायती इलेक्ट्रिक कार टियागो ईवी पर टाटा मोटर्स ने इस महीने 1.50 लाख का भारी डिस्काउंट देने की घोषणा की है। यह अब तक का सबसे बड़ा प्राइस कट है, जिसके बाद इसकी शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत रुपए 7.99 लाख से घटकर रुपए 6.49 लाख रह गई है। यह लाभ टियागो ईवी के सभी वेरिएंट्स पर लागू होगा, जिससे बजट ग्राहक आसानी से ईवी सेगमेंट में कदम रख सकेंगे। टियागो ईवी फास्ट चार्जर से सिर्फ 58 मिनट में फुल चार्ज हो जाती है और एक बार चार्ज होने पर लगभग 275 किलोमीटर की रियल-वर्ल्ड रेंज देती है। यह एक्सई, एक्सटी, एक्सझेड प्लस और एक्सझेड प्लस लक्स वेरिएंट्स में उपलब्ध है और पांच रंग विकल्प मिलते हैं।

भारत ने श्रीलंका को दान की सात यूटिलिटी गाड़ियां

नई दिल्ली। दितवाह तूफान से श्रीलंका में मचे भारी विनाश के बीच राहत और पुनर्वास कार्य के लिए भारत ने मानवीय सहायता बढ़ाते हुए श्रीलंका को सात यूटिलिटी गाड़ियां दान की हैं। इन गाड़ियों की कुल कीमत 65 मिलियन रुपये से अधिक बताई गई है। यह सौंपने का कार्यक्रम श्रीलंका में भारत के हाई कमिश्नर संतोष झा, इंडस्ट्री मंत्री सुनील हंडुनेट्टी और उप रक्षा मंत्री मेजर जनरल (रि.) अरुणा जयसेकरा की उपस्थिति में हुआ। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भारतीय दूतावास ने जानकारी साझा करते हुए बताया कि स्थानीय अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा के बाद इस सहायता पैकेज को अंतिम रूप दिया गया।

नई मोटरसाइकिल एक्स 440टी लॉन्च

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारत में हार्ले-डेविडसन ने अपनी नई मोटरसाइकिल एक्स 440टी लॉन्च कर दी है। बाइक एक्स 440 प्लेटफॉर्म पर आधारित है, हालांकि डिजाइन और फीचर्स में इसे काफी अपडेट किया गया है। इस बाइक की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 2.79 लाख रुपये रखी गई है। नई एक्स 440टी अधिक स्ट्रीट-फोकस्ड डिजाइन के साथ आती है, जिसमें बड़े रियर फेंडर, चौड़े ग्रैब हैंडल और री-डिजाइन्ड सीट शामिल हैं, जो राइडर और पिलियन दोनों के लिए बेहतर कम्फर्ट प्रदान करते हैं। इसके अलावा बाइक में कई आकर्षक कलर विकल्प दिए गए हैं पर्ल ब्लू, पर्ल रेड, पर्ल व्हाइट और विविड ब्लैक। फीचर्स की बात करें तो इसमें एक्स440 जैसी फ्रंट प्रोफाइल के साथ बार-एंड मिरर और ब्लैक फ्रंट फेंडर के रूप में एक्सक्लूसिव बदलाव शामिल हैं। बाइक एडवांस राइड-बाय-वायर सिस्टम, ट्रैक्शन कंट्रोल और स्विचेबल रियर एबीएस के साथ आती है।

उपयोगकर्ता रोड और रेन दो राइडिंग मोड चुन सकते हैं। बाइक में 440सीसी सिंगल-सिलेंडर एयर-ऑयल-कूल्ड इंजन दिया गया है, जो 27 बीएचपी पावर और 38 एनएम टॉर्क जनरेट करता है। कंपनी इसके माइलेज को करीब 35 केएमपीएल बताती है। इसमें 18-इंच फ्रंट व 17-इंच रियर व्हील, 1,418 एमएम व्हीलबेस और 170 एमएम ग्राउंड क्लीयरेंस मिलता है, जो बेहतर स्थिरता सुनिश्चित करता है।

एलएनसीटी कॉलेज में प्रबंधकीय कौशल के सैद्धांतिक आधार विषय पर सेमिनार

भोपाल ■ निसं

लक्ष्मी नारायण कॉलेज ऑफ टेक्नॉलॉजी भोपाल में टीवी 27 के सहयोग से प्रबंधन के छात्रों के लिए प्रबंधकीय कौशल के सैद्धांतिक आधार विषय पर अतिथि वक्ताओं ने अलग अलग विषयों पर व्याख्यान दिए टीवी 27 के उपाध्यक्ष उमेश गुप्ता ने पीपीटी द्वारा छात्रों से संवाद कर प्रबंधन कौशल के गुर बताए अधिवक्ता जी के छिब्बर ने 21 नवम्बर 25 से लागू चार श्रम संहिताओं की जानकारी दी टीवी 27 के मार्केटिंग प्रमुख राजन मेहता ने बाजार में ब्रांड के महत्व को पीपीटी द्वारा दर्शाया ओर कह स्वयं अपना श्रेष्ठ ब्रांड बनाए।

स्वदेश ज्योति के प्रधान संपादक राजेन्द्र शर्मा ने आज के प्रतिस्पर्धा के युग में प्रबंधकीय कौशल पर ध्यान देने पर जोर दिया बाजार के उत्पाद बिक्री ओर प्रचार पर ईमानदारी से कार्य करने के लिए प्रेरित किया सोशल मीडिया का उपयोग साकारात्मक रूप में करने को कहा। आर जी द्विवेदी ने सेमिनार पर वक्ताओं के अनुभव ओर उनके व्याख्यान पर विस्तार से बताते हुवे रामायण ओर गीता के प्रबंधकीय प्रसंग भी बताए जिसे छात्र छात्राओं ने सराहा अंत में संचालक प्रोफ़ेसर अरविंद सिंह ने सभी अतिथि वक्ताओं का आभार व्यक्त किया इस अवसर पर सुनील भार्गव पूर्व अध्यक्ष भोपाल मैनेजमेंट एसोसिएशन एवम शैलेंद्र ओझा एवं एक हजार से अधिक छात्र छात्राएं भी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

मिशन परिवर्तन मैं सीईओ ताराम ने छात्रावास भ्रमण कर छात्रों को दिये केरियर टिप्स

माखननगर। मिशन परिवर्तन के तहत सीईओ जनपद पंचायत रंजीत ताराम ने शासकीय सीनियर जनजाति बालक छात्रावास का भ्रमण किया और छात्रों से सम्वाद कर उनके केरियर का लक्ष्य जान उन्हें केरियर टिप्स दिए ।इस छात्रावास में कक्षा 9 से 12 तक के लगभग 50 छात्र रहकर अपना अध्ययन करते हैं जिन्हें सम्बाद के दौरान ताराम ने आईएएस, आईपीएस, विभिन्न खेल, रेलवे आदि विभागों सहित जनसेवक के रूप केरियर बनाने के लिए पढ़ाई सहित काम्पटीशन के अलग अलग गुर बताए ।साथ ही छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि जीवन में हमेशा बड़ा सोचें और लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़ें ।

राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड भोपाल ने परीक्षा प्रवेश पत्र जारी किये

बुधनी। मध्यप्रदेश राज्य मुक्त विद्यालय (ओपन स्कूल) शिक्षा बोर्ड भोपाल ने हाई स्कूल और हायर सेकेंडरी परीक्षा के प्रवेश पत्र जारी कर दिए हैं। रुक जाना नहीं योजना एवं अब लौट चलें योजना के तहत होने वाली परीक्षाएं 15 दिसंबर 2025 से प्रारंभ होने जा रही हैं। बोर्ड द्वारा जारी समय-सारणी के अनुसार परीक्षा का समय दोपहर 2 :00 बजे से शाम 5 :00 बजे तक निर्धारित किया गया है। कक्षा 10वीं और 12वीं के विद्यार्थी अपने प्रवेश पत्र आधिकारिक पोर्टल से डाउनलोड कर सकते हैं। परीक्षा केंद्रों को आवश्यक दिशा-निर्देश भेज दिए गए हैं और छात्रों को समय से पहले परीक्षा केंद्र पहुंचने की सलाह दी गई है।

अग्रवाल महासभा के युवा जिला अध्यक्ष बने आकाश गर्ग

माखननगर। नगर के युवा नेतृत्व आकाश गर्ग को अखिल भारतीय युवा अग्रवाल महासभा का जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया। संगठन द्वारा जारी आदेश में उनकी सामाजिक सक्रियता, नेतृत्व क्षमता और युवाओं में उनकी लोकप्रियता को ध्यान में रखते हुए यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी उन्हें सौंपी गई है। नियुक्ति के बाद आकाश गर्ग ने संगठन के शीर्ष नेतृत्व को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि मेरी प्राथमिकता समाज सेवा, युवाओं को जोड़कर संगठन को मजबूत बनाने की दिशा में होगी ।

क्षमता से अधिक माल भरा था, यात्री प्रतीक्षालय भी क्षतिग्रस्त

धान से भरा ट्रक पलटा, एक की मौत

रायसेन। ■ अमृत दर्शन

रायसेन जिले के सुल्तानपुर थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह एक हादसा हो गया। ईटखेड़ी जोड़ पर धान की बोरी से भरा ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। इसकी चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। हादसे में सड़क किनारे बना यात्री प्रतीक्षालय भी क्षतिग्रस्त हुआ।

पुलिस के मुताबिक हादसा बुधवार सुबह लगभग 11 बजे हुआ। मृतक की पहचान 51 वर्षीय सगीर पिता नवाब के रूप में हुई है। वह रद्दी का काम करता है। हादसे से वक्त कबाड़ लेने ही जा रहा था। इस दौरान ट्रक के नीचे दब गया।

धान से ओवरलोड था ट्रक

ट्रक रायसेन से सुल्तानपुर की ओर जा रहा था। बताया जा रहा है कि ट्रक में क्षमता से अधिक धान भरा था, जिससे संतुलन बिगड़ गया और वाहन पलट गया। हादसे के बाद ड्राइवर और उसका साथी मौके से फरार हो गया।

दो लोग बाल-बाल बचे

हादसे के समय यात्री प्रतीक्षालय में बस का इंतजार कर रहे दो लोग मौजूद थे, लेकिन उन्होंने समय रहते दूर हटकर अपनी जान बचा ली। घटना की सूचना मिलते ही सुल्तानपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। जेसीबी की मदद से ट्रक को खाली कर सीधा करने की कार्रवाई की गई। मौके पर बड़ी संख्या में लोग जुट गए थे।

एनजीओ कार्यकर्ता की शिकायत पर हुई कार्रवाई

तीन मजदूर परिवार ठेकेदार के कब्जे से मुक्त

रायसेन ■ अमृत दर्शन

रायसेन जिले में बंधुआ मजदूरी का मामला सामने आया है। जिला प्रशासन ने मंगलवार रात बमोरी गांव से तीन मजदूर परिवारों को ठेकेदार शहाबुद्दीन खान के कब्जे से मुक्त कराया। । यह कार्रवाई जनसुनवाई में एनजीओ कार्यकर्ता ममता दुबे की शिकायत पर हुई।

शिकायत मिलने पर प्रशासनिक टीम मौके पर पहुंची। टीम में एसडीएम, कोतवाली थाना प्रभारी और श्रम अधिकारी शामिल थे। मजदूरों के बयान दर्ज किए गए और जांच में तथ्य सही पाए गए।

ठेकेदार मजदूरों को अनुबंध पर लाया था: जांच में सामने आया कि ठेकेदार शहाबुद्दीन खान ने तीनों मजदूर परिवारों को किसी अन्य स्थान से अनुबंध पर बमोरी में काम पर लगाया था। ठेकेदार ने उनके पुराने कर्ज का भुगतान किया था और तब से उन्हें बमोरी में काम करवा रहा था। मजदूरों से निर्धारित घंटों से अधिक काम करवाने की बात भी सामने आई।

मजदूरों को उनके गांव भेजा जाएगा: हालांकि मजदूरों की आवाजाही पर रोक नहीं थी और उन्हें रहने के लिए कमरे दिए गए थे, प्रशासन ने परिस्थितियों को देखते हुए इसे बंधुआ मजदूरी माना। मुक्त कराए गए मजदूरों का मेडिकल परीक्षण कराया गया है और उन्हें उनके मूल गांव भेजने की व्यवस्था की जा रही है।

भारतीय किसान संघ की मासिक बैठक सम्पन्न

31 गांवों में गौ माता पूजन कार्यक्रम सफल

सिवनी मालवा ■ अमृत दर्शन

भारतीय किसान संघ तहसील सिवनी मालवा की मासिक बैठक कृषि उपज मंडी बानापुरा के विश्रामगृह में प्रांतीय संगठन मंत्री भरत सिंह पटेल की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में संगठनात्मक विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई, साथ ही गौ माता पूजन कार्यक्रम की प्रगति रिपोर्ट भी प्रस्तुत की गई। बैठक में बताया गया कि अब तक तहसील के 31 गांवों में 607 घरों में गौ माता पूजन सफलतापूर्वक संपन्न कराया जा चुका है। संगठन द्वारा इसे सामाजिक व सांस्कृतिक जागरूकता का महत्वपूर्ण अभियान बताया गया।

बैठक में प्रांतीय संगठन मंत्री भरत पटेल, अखिल भारतीय उपाध्यक्ष रामभरोस बसोतिया, प्रांतीय सदस्य जगदीश पाटिल, संभागीय सदस्य गुलाब सिंह लोवंशी, जिला मंत्री शंकर सिंह पटेल, तहसील अध्यक्ष रामेश्वर जाट, मंत्री सोनू राजपूत सहित संतोष लोवंशी, अशोक रघुवंशी, रामनारायण शर्मा, अभय गौर, राकेश राठौर, सत्यनारायण साध, राजेश वर्मा, रतिराम, रामविलास रघुवंशी, दिनेश कुमार, रामकिशोर पटेल, सुनील लोवंशी एवं नंदराम पाल उपस्थित रहे।

स्मार्ट मीटर लगाने पहुंचे कर्मचारी, ग्रामीणों ने रोक लिया

नर्मदापुरम। नर्मदापुरम जिला मुख्यालय से करीब 10 किमी दूरी पर स्थित ग्राम निमसाड़िया में बुधवार को स्मार्ट मीटर को लेकर जमकर विरोध हुआ। ग्रामीणों का कहना है कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद बिल ज्यादा आ रहे हैं, इसलिए फिलहाल वे इसे नहीं लगाने देंगे। जानकारी के मुताबिक बिजली विभाग की टीम गांव में मीटर लगाने पहुंची थी, लेकिन लोगों के विरोध का सामना करना पड़ा। देखते ही देखते मौके पर भीड़ जुट गई। ग्रामीणों ने कर्मचारियों से मीटर बॉक्स ले लिए और कुछ घरों में पहले से लगे नए स्मार्ट मीटर भी हटवाने का दबाव बनाया। काफी देर तक बहसबाजी का दौर चलता रहा। करीब आधे घंटे की खींचतान के बाद कर्मचारियों को बिना मीटर लगाए ही वापस लौटना पड़ा।

समेरिटंस स्कूल के जेडी कैडेट्स ने राष्ट्रीय मंच पर चमक बिखेरी

रांची में आयोजित नेशनल ट्रेकिंग कैंप में उत्कृष्ट प्रदर्शन

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

13 मध्यप्रदेश बटालियन से संबद्ध समेरिटंस स्कूल के जूनियर डिविजन एनसीसी कैडेट्स ने राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित कैंप में हिस्सा लेकर संस्था और जिले का नाम गौरवान्वित किया। कैडेट्स ने अपनी बटालियन का प्रतिनिधित्व करते हुए शानदार प्रदर्शन किया। कमान अधिकारी कर्नल एस.पी. सिंह के नेतृत्व तथा सूबेदार राकेश कुमार के कुशल मार्गदर्शन में कैडेट्स अर्णव तिवारी और कुश रघुवंशी ने रांची (झारखंड) में आयोजित राष्ट्रीय ट्रेकिंग कैंप में बेहतरीन प्रदर्शन कर सभी का ध्यान आकर्षित किया। लौटने पर सेकंड ऑफिसर विजय प्रकाश श्रीवास्तव ने दोनों कैडेट्स का स्वागत कर उनका मनोबल बढ़ाया।

सेकंड ऑफिसर श्रीवास्तव ने बताया कि यह वर्ष संस्थान के लिए उपलब्धियों से भरा रहा। इस दौरान कैडेट्स - केशव श्रीवास्तव, निहाल अहिरवार, वत्सल पांडे, देवांश दीवान, वेदज्ञ भूषण शर्मा, राज, अक्षांश तिवारी, नैतिक ठाकुर, अश्विन श्रोती, युवराज यादव, अर्णव तिवारी और कुश रघुवंशी - विभिन्न राष्ट्रीय स्तर के कैंपों में शामिल होकर संस्था का मान बढ़ा चुके हैं।

कैडेट्स की इस सफल उपलब्धि पर संस्था निर्देशक डॉ. आशुतोष कुमार शर्मा, प्राचार्य प्रेरणा रावत, एनसीसी मैनेजर प्रदीप कुमार यादव, एनसीसी ऑफिसर स्नेहा उपाध्याय एवं समस्त स्कूल स्टाफ ने प्रसन्नता व्यक्त की है।

हमारा संविधान दुनिया का सबसे अच्छा संविधान है: न्यायाधीश सरोज डेहरिया

सिवनी मालवा ■ अमृत दर्शन

हमारे देश का संविधान दुनिया का सबसे बड़ा संविधान है। जिसमे सारा विधान स्पष्ट किया गया है। इसकी जानकारी सभी को होना आवश्यक है। उक्त बात स्थानीय न्यायालय की न्यायाधीश सरोज डेहरिया ने ग्राम चतरखेड़ा के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आयोजित विधिक साक्षरता जागरूकता शिविर में कही। न्यायाधीश डेहरिया ने विद्यालय के विद्यार्थियों से कहा कि आपको अपना केरियर बनाने के लिए अपना लक्ष्य तय करके अपनी पढ़ाई करना चाहिए। ताकि आप आगे चलकर अच्छा जीवन व्यतीत कर सके। न्यायाधीश ने छात्राओं से कहा कि आपको गुड़ टच बेड टच की जानकारी होना चाहिए। तभी आप अपना बचाव कर सकती है। यदि आपके साथ ऐसा होता है तो बिना झिझक के आपको इसकी जानकारी अपने शिक्षकों और पालको को देना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थीओ को अपराध से बचाव, अपराध का कारण, बाल विवाह, बाल श्रमिक, नैतिक शिक्षा और मौलिक अधिकारो की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने शिविर में उपस्थित ग्रामीणों से कहा कि 13 दिसंबर को साल की अंतिम लोक अदालत न्यायालय परिसर में आयोजित होगी। जिसमे आप अपने न्यायालय में चल रहे प्रकरणो में आपसी सामंजस्य से राजीनामा कर प्रकरणो को समाप्त करवा सकते है। शिविर में संकुल प्राचार्य वंदना मिश्रा, शिक्षकगण नम्रता जावलकर, भुवनेश्वरी सोलंकी, छमा चौबे, संदीप लोवंशी, महेश साहू, नीतू पटेल, तनूजा लीमजे, जय श्री उईके विद्यालय के विद्यार्थीगण, ग्रामीणजन न्यायालय कर्मी उपस्थित रहे।

मदद को तरसते घायल को मिली जिंदगी, पत्रकारों ने दिखाई इंसानियत की मिसाल

पांजरा कला निवासी युवक का एक्सीडेंट, बुधनी सिविल अस्पताल में जारी उपचार

बुधनी ■ अमृत दर्शन

नेशनल हाईवे-46 पर दरगाह के समीप बुधवार दोपहर हुए सड़क हादसे में पांजरा कला निवासी एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद युवक करीब आधे घंटे तक सड़क किनारे तड़पता रहा, लेकिन कई वाहन गुजरने के बावजूद कोई भी राहगीर उसकी मदद के लिए नहीं रुका। युवक के पैर से लगातार खून बह रहा था और वह दर्द में बार-बार मदद की गुहार लगा रहा था।

इसी बीच कवरेज के सिलसिले में वहां से गुजर रहे बुधनी के स्थानीय पत्रकार राजेश ठाकुर, गोवर्धन सोनी, आशीष श्रीवास्तव और महेंद्र चौहान की नजर सड़क किनारे पड़े घायल युवक पर पड़ी। उसकी कराह सुनते ही चारों पत्रकार तुरंत मौके पर रुके। उन्होंने देखा कि युवक का पैर बुरी तरह जख्मी है और खून रुक नहीं रहा। युवक की हालत हर पल बिगड़ती दिख रही थी।

पत्रकारों ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए बिना एक पल गंवाए 1033 हाईवे एंबुलेंस सेवा को सूचना दी। उन्होंने एंबुलेंस टीम को युवक की गंभीर स्थिति से अवगत कराया और मौके पर ही रुककर उसके दर्द को कम करने और खून बहाव को नियंत्रित करने की कोशिश की।

कुछ ही देर में एंबुलेंस मौके पर पहुंची और घायल युवक को तत्परता से बुधनी सिविल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका त्वरित उपचार किया गया।स्थानीय लोगों ने पत्रकारों के इस कदम की सराहना करते हुए कहा कि जब कई लोग बिना मदद किए आगे निकल गए, तब इन पत्रकार साथियों ने सच्ची मानवता की मिसाल पेश करते हुए एक जिंदगी बचाने का काम किया।

वर्षों से गौ सेवा कर रही टीम का सम्मान

सर्व समाज ने व्यक्त किया आभार

सिवनी मालवा। क्षेत्र में सक्रिय गौ सेवक टीम - डॉ. आकाश यादव, कन्हैया बाथव, आदित्य शर्मा, अतुल शर्मा, राधे गौर, अभिजीत कुशवाह, शंकर भाई, मनोज बाथव, कृष्णा पटेल, वेदिक गौर तथा अन्य सदस्यों का सम्मान सर्व समाज द्वारा किया गया। डॉ. आकाश यादव और कन्हैया बाथव के नेतृत्व में यह टीम कई वर्षों से निरंतर गौ सेवा कर रही है। बीमार, घायल या दुर्घटनाग्रस्त अवस्था में मिलने वाली गौ माताओं की देखभाल के लिए टीम तुरंत मौके पर पहुँचती है। इस सेवा कार्य में पशु चिकित्सक डॉ. सतीश दुबे का भी पूर्ण सहयोग मिलता है। जिनके मार्गदर्शन और उपचार से कई गौ माताओं का जीवन बचाया गया है।सम्मान समारोह में गौ सेवक टीम की नि:स्वार्थ सेवा की सराहना करते हुए सभी ने कहा कि 'गो माता केवल पशु नहीं, बल्कि हमारे धर्म, संस्कृति और करुणा की प्रतीक हैं।

उनकी सेवा करना मानवता का सर्वोच्च कार्य है।' सिवनी मालवा में गौ सेवा का यह कार्य प्रेरणादायक है और समाज में करुणा, संवेदनशीलता और एकता का संदेश देता है। वहीं कन्हैया बाथव और डॉ. आकाश यादव ने बताया कि हम सभी हमेशा गौ माताओ का सम्मान करते हैं। उनके ऊपर आने वाली विपदा में हम उनकी सेवा पूरे तन मन धन से करते हैं। हमारी जहां भी आवश्यकता होती है वह तुरंत पहुंच जाते हैं।

भोपाल-दिल्ली रूट के यात्रियों को बड़ी राहत

12 घंटे पहले बनेगा शान-ए-भोपाल एक्सप्रेस का रिजर्वेशन चार्ट

भोपाल, निप्र। भोपाल-दिल्ली रूट के यात्रियों को राहत देते हुए रेलवे ने शान-ए-भोपाल सुपरफास्ट एक्सप्रेस (12155/56) का प्रथम आरक्षण चार्ट अब ट्रेन रवाना होने से 12 घंटे पहले बनाने का फैसला किया है। यह व्यवस्था 12 दिसंबर से लागू होगी।

पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल मंडल ने यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए एक अहम बदलाव किया है। अब रानी कमलापति-हजरत निजामुद्दीन-रानी कमलापति शान-ए-भोपाल सुपरफास्ट एक्सप्रेस (12155/12156) का प्रथम आरक्षण चार्ट ट्रेन के प्रस्थान से 12 घंटे पहले तैयार किया जाएगा। यह व्यवस्था 12 दिसंबर 2025 से लागू होगी। रेलवे प्रशासन का मानना है कि इस कदम से यात्रियों को समय रहते अपने कन्फर्म, वेटिंग या आरएसी स्टेटस की स्पष्ट जानकारी मिल सकेगी। खासतौर पर दूर-दराज इलाकों से आने वाले यात्रियों को यात्रा की बेहतर योजना बनाने में मदद मिलेगी और आखिरी समय की असमंजस व चिंता से राहत मिलेगी।

पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर शुरुआत: भोपाल मंडल ने इस नई व्यवस्था को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू किया है। फिलहाल इसे शान-ए-भोपाल सुपरफास्ट एक्सप्रेस में लागू किया जा रहा है। यदि यह प्रयोग सफल रहा, तो भविष्य में इसे अन्य लंबी दूरी की ट्रेनों में भी लागू किया जा सकता है।

आपातकालीन कोटे को लेकर भी स्पष्टता: रेलवे ने यह भी साफ किया है कि इस ट्रेन के आपातकालीन कोटे के लिए आवेदन कार्यदिवस में एक दिन पूर्व तक स्वीकार किए जाएंगे। इससे यात्रियों को कोटे से जुड़े नियमों में पारदर्शिता मिलेगी।

यात्रियों को क्या होगा फायदा: वरिष्ठ डीसीएम सौरभ कटारिया के अनुसार, यह निर्णय यात्रियों के हित में लिया गया है। 12 घंटे पहले चार्ट बनने से यात्रियों को आरक्षण स्थिति समय रहते पता चल सकेगी। लंबी दूरी से स्टेशन आने वाले यात्रियों को अनावश्यक यात्रा से बचाव होगा। ट्रेन पकड़ने की योजना और टिकट वैकल्पिक व्यवस्था करना आसान होगा। कुल मिलाकर भोपाल मंडल की यह पहल यात्री-केंद्रित रेलवे व्यवस्था की दिशा में एक सकारात्मक कदम मानी जा रही है। यदि यह मॉडल सफल होता है, तो यात्रियों के लिए ट्रेन यात्रा और अधिक सरल, भरोसेमंद और तनावमुक्त हो सकती है।

अंतर जिला सीनियर वर्ग क्रिकेट प्रतियोगिता में नर्मदापुरम ने बैतूल को दी करारी शिकस्त

पहली पारी में 262 रनों की बढ़त के आधार पर मिला जीत का फैसला

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

नर्मदापुरम संभाग क्रिकेट संघ के तत्वावधान में आयोजित अंतर जिला सीनियर वर्ग क्रिकेट टूर्नामेंट के तीसरे मुकाबले में नर्मदापुरम ने बैतूल को एकतरफा मुकाबले में हराकर महत्वपूर्ण जीत दर्ज की। एमपीसीए मैदान पर हुए इस मैच में नर्मदापुरम ने पहली पारी में 262 रनों की विशाल बढ़त हासिल की, जिसके आधार पर अंपायरों ने नर्मदापुरम को विजेता घोषित किया।

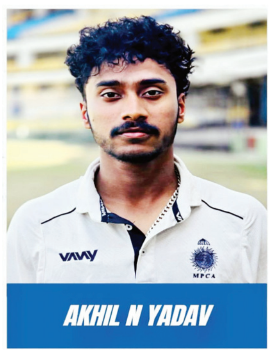

संभाग क्रिकेट संघ के मानसेवी सचिव प्रदीप तोमर ने बताया कि टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी बैतूल की टीम 179 रनों पर सिमट गई। नर्मदापुरम की ओर से गौतम रघुवंशी, हिमांशु शिंदे, हर्षित परसाई और अनुराग मालवीया ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 2-2 विकेट झटके, जबकि गौरव दशोरे और कार्तिक राजोरिया के हिस्से 1-1 सफलता आई।

जवाब में नर्मदापुरम ने दमदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया। टीम ने निर्धारित ओवर में 6 विकेट खोकर 441 रन बनाए। अखिल निगोटे ने शानदार 159 रन की शतकीय पारी खेली, जबकि यश दुबे ने 87, राज मेहता ने 64, हिमांशु शिंदे ने 45 और रित्विक दीवान ने 36 रन का योगदान दिया। मैच में स्पष्ट नतीजा न निकलते देख अंपायरों ने नर्मदापुरम को विजेता घोषित किया। शानदार प्रदर्शन के लिए अखिल निगोटे 'मैन ऑफ द मैच' चुने गए।

मैच के दौरान सिलेक्टर नितेश राजपूत, जिला क्रिकेट संघ के सचिव मनोहर बिल्थरिया, बैतूल के कोच, अंपायर हरीश हनोतिया, विष्णु बौरासी और स्कोरर दिनेश वर्मा उपस्थित रहे।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी डी.पी.गोयल द्वारा आर.टी.ओ. ऑफिस के पास, सागर रोड, रायसेन से प्रकाशित तथा श्री बालाजी प्रिन्टर्स, 21-एच, इंडस्ट्रीयल एरिया, गोविन्दपुरा, भोपाल- 462023 (म.प्र.) से मुद्रित। :संपादक- डी.पी.गोयल ।मो.9827054436, 9826735596. व्यवस्थापक: श्याम अग्रवाल, भोपाल कार्यालय : 4240007. फैक्स:0755-4296195 (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र भोपाल रहेगा ।)।